किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्ष: 4 अंक: 201 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) शुक्रवार 01 मई 2026 http://samajjagran.in पृष्ट - 12 मूल्य 05 रुपया

जबलपुर में नर्मदा नदी में सैलानियों से भरा क्रूज डूबा, चार की मौत

बरगी बांध में हुआ दर्दनाक हादसा, कई लोग लापता, राहत एवं बचाव कार्य जारी

समाज जागरण

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में गुरुवार को एक बड़ा और दर्दनाक हादसा हो गया। नर्मदा नदी पर बने बरगी बांध में सैलानियों से भरा एक क्रूज अचानक डूब गया, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी और हड़कंप मच गया। हादसे के समय क्रूज में लगभग 30 से 40 लोग सवार बताए जा रहे हैं। अब तक चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। प्रशासन, पुलिस और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीमें लगातार राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा उस समय हुआ जब क्रूज नर्मदा नदी में सैलानियों को लेकर भ्रमण कर रहा था। इसी दौरान अचानक मौसम खराब हो गया और तेज तूफान तथा तेज हवाओं के कारण क्रूज का संतुलन बिगड़ गया। देखते ही देखते क्रूज पानी में डूबने लगा। क्रूज में सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई और कई लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़ पड़े और पुलिस प्रशासन को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही बरगी थाना पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी तथा एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई। बचाव कार्य के लिए मोटर बोट, स्पीड बोट और स्थानीय गोताखोरों की सहायता ली जा रही है। राहत दल ने अब तक करीब 18 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। वहीं कई लोगों की तलाश अभी भी जारी है। प्रशासन द्वारा नदी में लगातार खोज अभियान चलाया जा रहा है।

हादसे में जिन चार लोगों की मृत्यु हुई है, उनमें तीन महिलाएं शामिल बताई जा रही हैं। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों की टीम घायलों की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

अंधेरा होने के कारण राहत एवं बचाव कार्य में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एसडीआरएफ और पुलिस की टीम टॉर्च एवं अन्य आधुनिक उपकरणों की सहायता से अभियान चला रही है। प्रशासन ने आसपास के क्षेत्रों में भी सतर्कता बढ़ा दी है और लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

घटना के बाद पूरे जबलपुर क्षेत्र में शोक और चिंता का माहौल है। बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ घटनास्थल के आसपास जमा हो गई। प्रशासन द्वारा लोगों को सुरक्षित दूरी बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं ताकि बचाव कार्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

इस दर्दनाक हादसे पर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भी गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सामाजिक माध्यम 'एक्स' पर संदेश जारी करते हुए मृतकों के प्रति संवेदना प्रकट की तथा प्रशासन से राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने की मांग की। उन्होंने इस घटना की मजिस्ट्रेट जांच कराने और क्रूज संचालक के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की भी मांग उठाई है।

फिलहाल प्रशासन हादसे के वास्तविक कारणों की जांच में जुट गया है। प्रारंभिक तौर पर खराब मौसम और तेज तूफान को दुर्घटना का मुख्य कारण माना जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि लापता लोगों की तलाश जारी है और हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं ताकि सभी लोगों को सुरक्षित निकाला जा सके।

जापान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चीन की संयुक्त राष्ट्र में शिकायत

परमाणु हथियार क्षमता बढ़ाने का लगाया आरोप, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पर जताई चिंता

समाज जागरण

बीजिंग/संयुक्त राष्ट्र। चीन ने पहली बार आधिकारिक रूप से संयुक्त राष्ट्र में जापान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। चीन का आरोप है कि जापान तेजी से परमाणु हथियार विकसित करने की क्षमता हासिल कर रहा है और यदि समय रहते उसे नहीं रोका गया तो यह अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकता है।

चीनी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि जापान ने हथियारों के स्तर का प्लूटोनियम निकालने की तकनीकी क्षमता विकसित कर ली है। चीन के अनुसार जापान के पास परमाणु ईंधन पुनर्प्रसंस्करण की आवश्यक तकनीक और सुविधाएं मौजूद हैं, जिनका उपयोग भविष्य में परमाणु हथियार निर्माण के लिए किया जा सकता है।

चीन ने दावा किया है कि वर्ष 2024 के अंत तक जापान के पास लगभग 44.4 टन पृथक प्लूटोनियम का भंडार मौजूद था। चीनी अधिकारियों के अनुसार यह मात्रा लगभग 5,500 परमाणु बम बनाने के लिए पर्याप्त मानी जाती है। चीन का कहना है कि जापान की नागरिक परमाणु ऊर्जा आवश्यकताओं की तुलना में यह भंडार अत्यधिक अधिक है, जिससे उसकी मंशा पर सवाल खड़े होते हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु ने बुद्ध पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर दी शुभकामनाएं

भगवान बुद्ध के आदर्शों को अपनाने का किया आह्वान

समाज जागरण

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुद्ध पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर देशवासियों तथा विश्वभर में भगवान बुद्ध के अनुयायियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। अपने संदेश में राष्ट्रपति ने भगवान बुद्ध के जीवन, उनकी शिक्षाओं और मानवता के प्रति उनके योगदान को स्मरण करते हुए सभी नागरिकों से उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि बुद्ध पूर्णिमा का पावन पर्व भगवान बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति और महापरिनिर्वाण जैसी महत्वपूर्ण घटनाओं का प्रतीक है। यह दिवस मानवता को शांति, करुणा, अहिंसा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध का जीवन त्याग, तपस्या और मानव कल्याण के प्रति समर्पण का अद्भुत उदाहरण है।

अपने संदेश में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भगवान बुद्ध द्वारा दिया गया करुणा, शांति और सह-अस्तित्व का संदेश आज भी पूरी मानवता के लिए उतना ही प्रासंगिक है, जितना सदियों पहले था। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में विश्व अनेक प्रकार की चुनौतियों, संघर्षों और असहिष्णुता का सामना कर रहा है। ऐसे समय में भगवान बुद्ध की शिक्षाएं लोगों को शांति, धैर्य और सद्भाव के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि भगवान बुद्ध ने मानव जीवन में मध्यम मार्ग, आत्मसंयम और नैतिक मूल्यों के महत्व को स्थापित किया। उनके विचार समाज में समानता, भाईचारे और मानवता की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि बुद्ध का संदेश केवल किसी एक धर्म या समुदाय तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी मानवता के लिए मार्गदर्शक है।

उन्होंने देशवासियों से अपील की कि बुद्ध पूर्णिमा के इस पावन अवसर पर सभी लोग भगवान बुद्ध के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और एक शांतिपूर्ण, समावेशी तथा न्यायपूर्ण समाज के निर्माण में योगदान दें। राष्ट्रपति ने कहा कि यदि समाज बुद्ध के विचारों और सिद्धांतों का पालन करे तो विश्व में शांति और सद्भाव की स्थापना संभव है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने अपने संदेश के अंत में सभी नागरिकों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए बुद्ध पूर्णिमा के पर्व को मानवता, करुणा और नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने वाला अवसर बताया।

स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूती देने के लिए डीपीआईआईटी और चैंबर इंडिया के बीच समझौता

समाज जागरण

नई दिल्ली। भारत में स्टार्टअप पारितंत्र को सशक्त बनाने और नवाचार आधारित विकास को नई गति देने के उद्देश्य से उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) तथा चैंबर इंडिया के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौते का उद्देश्य देश में नवाचार, उद्यमिता और निवेश को प्रोत्साहित करना तथा भारतीय स्टार्टअप्स को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाना है। सरकार की इस पहल को भारत के स्टार्टअप क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इस साझेदारी के माध्यम से नवोन्मेषी कंपनियों, निवेशकों, उद्योग जगत और वैश्विक हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाएगा। साथ ही अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और सीमा पार व्यापारिक एवं तकनीकी साझेदारी को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस पहल से भारतीय स्टार्टअप्स को वैश्विक बाजार तक पहुंच बनाने में मदद मिलेगी।

समझौते के अंतर्गत कौशल विकास, स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा तथा उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कार्य कर रहे स्टार्टअप्स को विशेष सहयोग प्रदान किया जाएगा। इन क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देकर रोजगार के नए अवसर सृजित करने और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य है कि युवा उद्यमियों को आवश्यक संसाधन और मंच उपलब्ध कराए जाएं ताकि वे अपने विचारों को सफल व्यवसाय में बदल सकें।

डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स को इस समझौते के तहत चैंबर इंडिया की सदस्यता 50 प्रतिशत रियायती शुल्क पर उपलब्ध कराई जाएगी। इसके माध्यम से स्टार्टअप्स को निर्यात सहायता, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) संबंधी परामर्श, व्यापारिक साझेदारी तथा वैश्विक प्रतिनिधिमंडलों में भागीदारी जैसे अनेक लाभ प्राप्त होंगे। इससे छोटे और मध्यम स्तर के उद्यमों को भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलेगा।

चैंबर इंडिया देशभर में पांच इनक्यूबेशन केंद्र और स्टार्टअप सहायता केंद्र स्थापित करने की दिशा में कार्य करेगा। इन केंद्रों के माध्यम से नवोदित उद्यमियों को तकनीकी सहायता, प्रशिक्षण, मार्गदर्शन, आधारभूत संरचना तथा नेटवर्किंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके साथ ही निवेशकों और उद्योग विशेषज्ञों से जुड़ने का अवसर भी मिलेगा, जिससे स्टार्टअप्स को अपने व्यवसाय के विस्तार में सहायता मिलेगी।

इस पहल की एक विशेषता यह भी है कि इसमें आकांक्षी जिलों, पूर्वोत्तर राज्यों और अन्य उभरते क्षेत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य है कि देश के दूरदराज और पिछड़े क्षेत्रों में भी उद्यमिता को बढ़ावा मिले तथा वहां के युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकें। इससे समावेशी और संतुलित विकास को बढ़ावा मिलेगा।

विशेषज्ञों के अनुसार डीपीआईआईटी और चैंबर इंडिया के बीच यह साझेदारी भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगी। इससे निवेश आकर्षित होगा, नई तकनीकों को बढ़ावा मिलेगा और देश में नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। यह पहल भारत को विश्व के अग्रणी स्टार्टअप केंद्रों में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान 1 मई को ओडिशा दौरे पर

1698 करोड़ की ग्रामीण सड़क परियोजनाओं का करेंगे शुभारंभ

समाज जागरण

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान 1 मई को ओडिशा के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-4 (पीएमजीएसवाई-4) के अंतर्गत राज्य को बड़ी विकासात्मक सौगात देंगे। कार्यक्रम के तहत 1,701.84 किलोमीटर लंबाई की 827 ग्रामीण सड़क परियोजनाओं का शुभारंभ एवं शिलान्यास किया जाएगा, जिन पर लगभग 1,698.04 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

मुख्य कार्यक्रम ओडिशा के रायगड़ा स्थित आईएसीआर ग्राउंड, बरिजोला में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री को पीएमजीएसवाई-4 की स्वीकृति पत्र सौंपेंगे तथा संयुक्त रूप से विभिन्न सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

सरकार के अनुसार इन परियोजनाओं से राज्य की 898 ग्रामीण बसावटों को पहली बार हर मौसम में उपयोग योग्य सड़क संपर्क उपलब्ध होगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और अन्य बुनियादी सुविधाओं तक पहुंचने में बड़ी सुविधा मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क बेहतर होने से सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

नई सड़क परियोजनाओं से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। बेहतर संपर्क व्यवस्था के कारण स्थानीय व्यापार, कृषि गतिविधियों और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होने की संभावना है। दूरस्थ एवं पिछड़े क्षेत्रों के लोगों को बाजारों तक आसान पहुंच मिलेगी, जिससे किसानों और छोटे व्यापारियों को लाभ पहुंचेगा। साथ ही परिवहन सुविधाएं मजबूत होने से ग्रामीण जीवन स्तर में सुधार आने की उम्मीद है।

'ऑपरेशन नेत्र 1.0' से लद्दाख में नई रोशनी

भारतीय सेना के विशेष नेत्र शिविर से सैकड़ों मरीजों को मिला लाभ

समाज जागरण

लेह। भारतीय सेना ने उच्च हिमालयी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए लद्दाख में 'ऑपरेशन नेत्र 1.0' के तहत चार दिवसीय उन्नत नेत्र शिविर का सफल आयोजन किया। 27 से 30 अप्रैल 2026 तक लेह स्थित 153 जनरल अस्पताल में आयोजित इस शिविर ने दूरस्थ क्षेत्रों के सैकड़ों लोगों को नई उम्मीद और दृष्टि प्रदान की।

इस विशेष शिविर का उद्घाटन 14 कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल हितेश भल्ला ने किया। सेना द्वारा आयोजित इस अभियान का उद्देश्य सीमांत और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाना था, जहां सामान्य परिस्थितियों में विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना चुनौतीपूर्ण माना जाता है।

शिविर के दौरान लद्दाख के चुशुल, हानले, दुरबुक, डेमचोक, फुक्चे, द्रास, जांस्कर, बटालिक, चुमाथांग और तुरतुक जैसे दूरस्थ इलाकों से आए लगभग 950 मरीजों की नेत्र जांच की गई। यह पहल नागरिक-सैन्य सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आई, जिसमें स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

ब्रिगेडियर डॉ. संजय कुमार मिश्रा के नेतृत्व में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने कुल 214 सफल सर्जरी कीं। इनमें 197 जटिल मोतियाबिंद ऑपरेशन शामिल रहे। इसके अलावा 10 विट्रियो-रेटिनल प्रक्रियाएं, ग्लूकोमा सर्जरी, विट्रेक्टॉमी और अन्य उन्नत नेत्र उपचार भी किए गए। इन चिकित्सा प्रक्रियाओं के माध्यम से 15 दृष्टिबाधित मरीजों की आंखों की रोशनी दोबारा बहाल की जा सकी, जिससे उनके जीवन में नई उम्मीद जगी।

इस अभियान की एक विशेष उपलब्धि 'ऑपरेशन नेत्र' ऐप का शुभारंभ भी रहा। 153 जनरल अस्पताल द्वारा विकसित यह डिजिटल ऐप मरीजों के रिकॉर्ड को सुरक्षित और व्यवस्थित रखने में मदद करेगा। क्यूआर कोड आधारित पहचान प्रणाली और डिजिटल सर्जरी प्रबंधन की सुविधा के कारण उपचार प्रक्रिया अधिक सुरक्षित और प्रभावी बन सकेगी। सेना के अनुसार यह तकनीक भविष्य में दूरस्थ क्षेत्रों में चिकित्सा सेवाओं को और बेहतर बनाने में सहायक होगी।

बाल श्रम की व्यथा और कठोर श्रम करते हाथ मूल सुविधाओं से वंचित।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 1 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस केवल श्रमिकों के सम्मान का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह उन असंख्य अदृश्य हाथों की पीड़ा को भी सामने लाता है जो आज भी अपने अधिकारों से वंचित हैं। भारत जैसे विकासशील देश में यह दिन विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यहाँ श्रम के साथ-साथ बाल श्रम की समस्या भी एक गहरी सामाजिक विडंबना के रूप में उपस्थित है। संविधान और कानूनों के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों से खतरनाक उद्योगों, कारखानों, होटलों, ढाबों या अन्य वाणिज्यिक गतिविधियों में कार्य कराना अपराध है। इसके बावजूद वास्तविकता यह है कि देश के छोटे-बड़े शहरों, कस्बों और गांवों में लाखों बच्चे आज भी श्रम के बोझ तले दबे हुए हैं। वे कभी चाय की दुकानों पर काम करते दिखते हैं, कभी पटाखा उद्योगों में, तो कभी कचरा बीनते या भीख मांगते हुए। यह केवल आर्थिक शोषण नहीं, बल्कि उनके बचपन, शिक्षा और भविष्य का भी हनन है।

बाल श्रम की जड़ें गहरी हैं।

गरीबी, भुखमरी, कुपोषण, बेरोजगारी, अशिक्षा और सामाजिक जागरूकता का अभाव इसके प्रमुख कारण हैं। कई परिवारों में आर्थिक मजबूरी इतनी तीव्र होती है कि वे स्वयं अपने बच्चों को श्रम के दलदल में धकेल देते हैं। इसके अतिरिक्त अभिभावकों की असामयिक मृत्यु, बीमारी या परिवार में अधिक सदस्यों का होना भी बच्चों को समय से पहले जिम्मेदारियों के बोझ तले ला देता है।

बाल श्रमिकों का शोषण बहुआयामी होता है शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक। उन्हें वयस्क श्रमिकों की तुलना में बहुत कम पारिश्रमिक दिया जाता है, जिससे नियोजकों के लिए वे सस्ते और सुविधाजनक श्रम का स्रोत बन जाते हैं। यही कारण है कि बाल श्रम की प्रवृत्ति समाप्त होने के बजाय कई स्थानों पर बढ़ती दिखाई देती है।

इस समस्या के समाधान के लिए भारत सरकार ने कई महत्वपूर्ण कानून और योजनाएँ लागू की हैं, जैसे बाल श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986, शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, तथा राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना। इसके साथ ही भारत सरकार द्वारा पोषण, शिक्षा और बाल संरक्षण से जुड़ी अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और यूनिसेफ जैसे संगठन बाल श्रम उन्मूलन के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन के कन्वेंशन 138 और 182 विशेष रूप से बाल श्रम के उन्मूलन और खतरनाक कार्यों से बच्चों को मुक्त कराने पर केंद्रित हैं। फिर भी, समस्या का समाधान केवल कानून बनाने से नहीं होगा, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन से ही संभव है। दुर्भाग्यवश, कई बार इन कानूनों का पालन कराने वाली एजेंसियाँ भ्रष्टाचार, लापरवाही और लालफीताशाही की शिकार हो जाती हैं। परिणामस्वरूप, नियोजक आसानी से बच निकलते हैं और बच्चे शोषण की आग में झोंक दिए जाते हैं।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि बाल श्रम केवल एक कानूनी मुद्दा नहीं, बल्कि एक सामाजिक और नैतिक प्रश्न भी है। जब तक समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता नहीं बढ़ेगी, जब तक हम बच्चों को श्रम नहीं बल्कि शिक्षा और संस्कार का अधिकार देने के लिए प्रतिबद्ध नहीं होंगे, तब तक यह समस्या बनी रहेगी।

मजदूर वर्ग की व्यापक स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। असंगठित क्षेत्र के श्रमिक आज भी न्यूनतम मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और सुरक्षित कार्यस्थल जैसे मूल अधिकारों से वंचित हैं। प्रवासी मजदूरों की स्थिति, विशेषकर महामारी के समय, ने इस सच्चाई को उजागर कर दिया कि श्रमिक वर्ग हमारे विकास का आधार होने के बावजूद सबसे अधिक उपेक्षित है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि बाल श्रम और श्रमिक शोषण के विरुद्ध एक समन्वित और सख्त नीति अपनाई जाए। इसके लिए कानूनों का कठोर और पारदर्शी क्रियान्वयन,शिक्षा और पोषण योजनाओं का प्रभावी विस्तार, गरीब परिवारों के लिए आर्थिक सुरक्षा, और समाज में जागरूकता का प्रसार अत्यंत आवश्यक है। यदि हम सचमुच एक सशक्त और विकसित राष्ट्र का निर्माण करना चाहते हैं, तो हमें अपने बच्चों को श्रम की बेड़ियों से मुक्त कर शिक्षा और अवसरों की मुख्यधारा में लाना होगा। अन्यथा, आज का यह बाल श्रमिक कल का कमजोर नागरिक बनेगा, और एक सुदृढ़ राष्ट्र का सपना अधूरा ही रह जाएगा।

संजीव ठाकुर,वरिष्ठ पत्रकार,स्तंभकार, चिंतक, लेखक,रायपुर

1 मई – मजदूर दिवस पर विशेष

कविता - कंधों पे सपनों का भार...!

सुबह की पहली किरण संग, कंधों पे सपनों का भार,
चल पड़ता है वह चुपचाप, रचने दुनिया हर एक बार।
हाथों में मेहनत की रेखा, बहे पसीना उसकी पहचान,
ईंट-पत्थर में बसती है, उसकी हर अधूरी-सी मुस्कान।

धूप में जल रहें उसके अरमान, छांव में भी ना आराम,
रोटी, कपड़ा और मकान, बस इतना-सा उसका धाम।
ऊँची-ऊँची इमारतें बोलती, उसकी खामोश हैं कहानी,
हरेक मंज़िल में गूंज रही है, उसकी मेहनत की रवानी।

ना कोई शोर, ना कोई मांग, बस काम ही उसका गीत,
दर्द को साथी बना लिया, हौसलों से रचता नव संगीत।
आओं आज ये वादा करें, सम्मान मिले हर श्रमिक को,
न सिर्फ.शब्दों से, हृदय से कद्र करें उनकी मेहनत को।

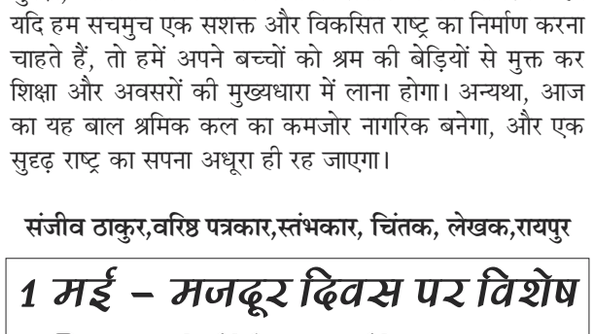

संजय एम तराणेकर

कंकाल से उपजते व्यवस्था पर सवाल

ओडिशा के क्योंझर जिले से आई कंकाल ढोने की खबर ने देश की सामूहिक चेतना को इस कदर झकझोर दिया कि उसने आधुनिक भारत के विकास और डिजिटल साक्षरता के दावों पर कई गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए। यह घटना केवल एक व्यक्ति के निजी दुख या उसकी अज्ञानता की कहानी नहीं है बल्कि यह उस अमानवीय स्थिति का जीवंत चित्रण है जहाँ एक निर्धन और असहाय नागरिक को अपनी मृत बहन के कंकाल को लेकर बैंक की दहलीज तक जाना पड़ा। 19402 रुपये की एक ऐसी राशि जो किसी संपन्न व्यक्ति के लिए बहुत मामूली हो सकती है पर एक गरीब के लिए वह उसके जीवन भर की संचित पूंजी थी। इस छोटी सी राशि को प्राप्त करने के लिए एक भाई का यह भयावह कदम समाज की संवेदनहीनता और हमारे प्रशासनिक ढांचे की चरम विफलता का एक ऐसा प्रमाण है जिसे इतिहास कभी भुला नहीं पाएगा। यह घटना स्पष्ट रूप से दशार्ती है कि जब सरकारी नियम और कानून मानवीय संवेदनाओं से ऊपर हो जाते हैं तो व्यवस्था किस प्रकार एक नागरिक को अपमानित और लाचार बना देती है। बहन की मृत्यु के लगभग 2 महीने बीत जाने के बाद भी जब वह व्यक्ति अपनी छोटी सी जमा राशि को प्राप्त करने के लिए दर-दर भटकता रहा तो उसकी गहरी हताशा ने उसे इस मार्ग को चुनने पर विवश कर दिया। वह व्यक्ति लगभग 3 किलोमीटर की लंबी दूरी तय करते हुए उस कंकाल को कंधे पर लादकर बैंक तक पहुंचा ताकि वह वहां बैठे अधिकारियों को यह अंतिम और अकाट्य प्रमाण दे सके कि उसकी बहन अब वास्तव में इस दुनिया में नहीं है। इस दृश्य ने न केवल वहां उपस्थित लोगों को स्तब्ध कर दिया बल्कि इसने पूरे देश के प्रशासनिक और बैंकिंग तंत्र की खामियों को भी सार्वजनिक रूप से नग्न कर दिया।

इस घटना की पृष्ठभूमि में यदि हम गहराई से उतरें तो यह स्पष्ट होता है कि भारत में एक मृत्यु प्रमाण पत्र केवल एक कागज का टुकड़ा नहीं है बल्कि यह एक ऐसा कानूनी दस्तावेज है जिसके बिना व्यक्ति का अस्तित्व समाप्त होने के बाद भी उसकी संपत्तियां और अधिकार एक कानूनी जाल में फंसे रहते हैं। भारत के नियमों के अनुसार किसी भी व्यक्ति की मृत्यु का पंजीकरण 21 दिनों के भीतर कराना अनिवार्य होता है। यह अवधि बीत जाने के बाद प्रक्रिया और भी जटिल हो जाती है जिसमें शपथ पत्र और विभिन्न स्तरों पर सत्यापन की आवश्यकता होती है। क्योंझर के उस आदिवासी व्यक्ति के पास न तो शिक्षा थी और न ही उसे इन जटिल कानूनी प्रक्रियाओं का कोई ज्ञान था। उसके लिए उसकी बहन की मृत्यु एक अपूरणीय क्षति थी लेकिन व्यवस्था के लिए वह केवल एक आंकड़ा भर थी जिसके लिए दस्तावेजों की पूर्ति अनिवार्य थी। जब वह व्यक्ति पहली बार बैंक गया होगा तो शायद उसे नियमों का हवाला देकर लौटा दिया गया होगा। उसके पास मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं था और न ही वह कानूनी उत्तराधिकारी होने का कोई ठोस प्रमाण प्रस्तुत कर पा रहा था। यहाँ बैंकिंग प्रणाली की सुरक्षा और पारदर्शिता के तर्क तो सही हो सकते हैं लेकिन जिस संवेदनशीलता के साथ ऐसे मामलों का निपटारा किया जाना चाहिए था उसका वहां पूर्ण अभाव दिखा। बैंक अधिकारियों का यह कहना कि उन्होंने केवल कानूनी दस्तावेजों की मांग की थी और कभी भी मृत शरीर की उपस्थिति नहीं मांगी थी तकनीकी रूप से सही हो सकता है लेकिन एक अशिक्षित व्यक्ति की दृष्टि से यह उसकी असफलता और निराशा का अंत था।

यह त्रासदी तीन मुख्य स्तरों पर हुई विफलता का परिणाम है। पहला स्तर प्रशासनिक है जहाँ स्थानीय प्रशासन और पंचायत स्तर पर उस व्यक्ति को कोई सहयोग प्राप्त नहीं हुआ। यदि स्थानीय प्रशासन ने समय पर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने में उसकी सहायता की होती या उसे सही दिशा दिखाई होती तो शायद उसे इस अपमानजनक स्थिति से नहीं गुजरना पड़ता। दूसरा स्तर जागरूकता की कमी है जो हमारे देश के सुदूर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में आज भी एक बड़ी समस्या बनी हुई है। सरकारें भले ही डिजिटल इंडिया का नारा देती हों लेकिन धरातल पर आज भी एक बड़ा वर्ग ऐसा है जिसे यह नहीं पता कि एक सामान्य प्रमाण पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया क्या है। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण स्तर संस्थागत संवेदनशीलता का है। बैंक जैसे वित्तीय संस्थानों में नियम अत्यंत कठोर होते हैं क्योंकि वहां धन की सुरक्षा का प्रश्न होता है। लेकिन क्या नियमों की इस कठोरता में मानवीय विवेक के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए? जब एक व्यक्ति बार-बार आकर अपनी विवशता बता रहा था तो क्या बैंक प्रबंधक या स्थानीय अधिकारी किसी वैकल्पिक सत्यापन की प्रक्रिया को नहीं अपना सकते थे?

इस पूरी घटना का सबसे विडंबनापूर्ण पहलू यह है कि जिस प्रशासनिक तंत्र ने उस व्यक्ति को महीनों तक चक्कर कटवाए उसी तंत्र ने इस घटना के तूल पकड़ते ही मात्र कुछ घंटों के भीतर सारे दस्तावेज तैयार कर दिए। जैसे ही यह मामला समाचारों की सुर्खियों में आया और उच्च अधिकारियों तक पहुंचा तो उसी दिन मृत्यु प्रमाण पत्र और कानूनी उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र जारी कर दिए गए। यहाँ तक कि बैंक ने भी तुरंत 19402 रुपये की राशि संबंधित वारिसों को हस्तांतरित कर दी। यह गतिशीलता इस बात का प्रमाण है कि हमारी व्यवस्था अक्षम नहीं है बल्कि वह उदासीन है। जब तक कोई मामला राष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी का कारण नहीं बनता तब तक फाइलों के पहिए नहीं घूमते। यदि यही सक्रियता दो महीने पहले दिखाई गई होती तो उस व्यक्ति को अपनी बहन के अवशेषों के साथ 3 किलोमीटर तक पैदल चलकर समाज को अपनी विवशता का यह भयावह प्रदर्शन नहीं करना पड़ता।

इस मामले में कानूनी उत्तराधिकार का प्रश्न भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कानून के अनुसार उत्तराधिकार की श्रेणियां निर्धारित होती हैं और अक्सर भाई या अन्य रिश्तेदारों को प्रथम श्रेणी का वारिस नहीं माना जाता जब तक कि कुछ विशिष्ट परिस्थितियां न हों। यह कानूनी बारीकियां एक आम आदमी की समझ से परे होती हैं। वह व्यक्ति केवल इतना जानता था कि उसकी बहन का पैसा बैंक में है और उसे उसकी आवश्यकता है। समाज में मौजूद आर्थिक असमानता यहाँ एक और बड़ा कारक बनकर उभरती है। एक निर्धन व्यक्ति के लिए कानूनी प्रक्रिया की लागत और समय दोनों ही उसकी क्षमता से बाहर होते हैं। वह वकील नहीं कर सकता और न ही वह कचहरी के चक्कर काटने के लिए अपनी मजदूरी छोड़ सकता है। ऐसे में उसके पास केवल निराशा ही शेष रह जाती है।

यह घटना हमें यह सोचने पर भी मजबूर करती है कि क्या हमारी बैंकिंग और सरकारी प्रणालियाँ केवल साक्षर और शहरी जनसंख्या को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं? ग्रामीण भारत की वास्तविकताएं शहरों से बिल्कुल अलग हैं। वहाँ पहचान के संकट से लेकर भाषा और प्रक्रियागत बाधाएं कदम-कदम पर खड़ी होती हैं। इस घटना के बाद राजनीतिक गलियारों में भी चर्चाएं हुईं और जांच के आदेश भी दिए गए लेकिन वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कोई बुनियादी बदलाव किए जाएंगे? केवल जांच करना या किसी कर्मचारी को निलंबित कर देना इस समस्या का स्थाई समाधान नहीं है। समाधान तब होगा जब हमारी व्यवस्था प्रत्येक नागरिक को एक संख्या के बजाय एक इंसान के रूप में देखना शुरू करेगी। अंत में यह कहना उचित होगा कि क्योंझर की यह घटना एक व्यक्ति की अज्ञानता से कहीं अधिक एक पूरे तंत्र की सामूहिक हार है। यह हमें यह सबक देती है कि नियम समाज की सुविधा के लिए होने चाहिए न कि समाज को प्रताड़ित करने के लिए। 19402 रुपये की उस राशि ने उस दिन केवल एक खाते का निपटारा नहीं किया बल्कि उसने हमारे आधुनिक समाज के चेहरे पर एक ऐसा दाग लगा दिया जो लंबे समय तक हमें हमारी जिम्मेदारियों की याद दिलाता रहेगा। विकास का अर्थ केवल ऊंची इमारतें या तेज इंटरनेट नहीं है बल्कि विकास का असली अर्थ तब है जब समाज का सबसे अंतिम व्यक्ति भी सम्मान के साथ अपना अधिकार प्राप्त कर सके और उसे अपनी सच्चाई साबित करने के लिए किसी कंकाल का सहारा न लेना पड़े। जब तक संवेदनशीलता को प्रशासन का अनिवार्य अंग नहीं बनाया जाएगा तब तक ऐसी हृदयविदारक घटनाएं व्यवस्था की पोल खोलती रहेंगी और हम केवल मूकदर्शक बनकर रह जाएंगे। हमें एक ऐसी प्रणाली की आवश्यकता है जहाँ नियम मानवीय गरिमा के साथ सामंजस्य बिठा सकें ताकि कोई भी व्यक्ति स्वयं को इतना अकेला और लाचार महसूस न करे कि उसे अपनी मयार्दा और मृत अपनों के सम्मान को दांव पर लगाना पड़े।

महेन्द्र तिवारी

UAE का ओपेक से बाहर निकलने का फैसला, वैश्विक तेल बाजार में बड़े बदलाव की आहट

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने तेल निर्यात करने वाले देशों के 12 सदस्यीय समूह ओपेक से अलग होने का फैसला किया है। यह तेल उत्पादक देशों का ऐसा समूह है जिसने दशकों से तेल बाजार को प्रभावित किया है। ओपेक में तीसरे सबसे बड़े तेल उत्पादक यूएई ने 22 सदस्यीय ओपेक प्लस गठजोड़ से भी अलग होने का निर्णय लिया है। उसके इस निर्णय के लिए आर्थिक और राजनीतिक दोनों तरह की वजहों का हवाला दिया जा रहा है।

आर्थिक मोर्चे पर इससे यूएई को समय के साथ अपनी क्षमता और उत्पादन बढ़ाने का और अधिक अवसर मिलेगा। स्पष्ट रूप से ध्यान कीमत पर नहीं बल्कि मात्रा पर अधिक है। अनुमानों के अनुसार, यूएई के पास प्रतिदिन लगभग 50 लाख बैरल उत्पादन की क्षमता है, लेकिन वर्तमान ओपेक कोटा के तहत उसे केवल लगभग 34 लाख बैरल प्रतिदिन पंप करने की अनुमति दी गई, जिसे वह अनुचित मानता है।

इस प्रकार, वह वैश्विक आपूर्ति को जल्दी बढ़ा सकता है, जिससे कीमतें कम करने में मदद मिलेगी। राजनीतिक मोर्चे पर, यूएई कथित रूप से इस बात से असंतुष्ट है कि क्षेत्र के देश ईरान मामले से कैसे निपटे। हालिया युद्ध के दौरान उसे काफी अधिक हमलों का सामना करना पड़ा। अधिक तेल मात्रा से होने वाली अधिक राजस्व आय पिछले दो महीनों में हुए नुकसान की भरपाई करने में मदद करेगी।

यूएई के बाहर निकलने से ओपेक के भविष्य और वैश्विक तेल कीमतों को प्रभावित करने की उसकी क्षमता पर सवाल उठे हैं। किसी भी स्थिति में, हाल के वर्षों में वैश्विक कच्चे तेल बाजार में उसका प्रभाव घटा है। इसके लिए आंशिक रूप से अमेरिका में बढ़ा हुआ तेल उत्पादन भी योगदान करता है। कई मौकों पर ओपेक सदस्यों ने अधिक तेल पंप किया ताकि कीमतें अपेक्षाकृत कम स्तर पर बनी रहें और अमेरिकी शेल तेल उत्पादन में निवेश को अव्यवहार्य बनाया जा सके।

फिर भी, अमेरिका में तेल उत्पादन लगातार बढ़ता रहा है। अब यूएई के बाहर निकलने के साथ, संभव है कि कुछ अन्य ओपेक सदस्य भी निवेश और उत्पादन से संबंधित निर्णय लेने में अधिक स्वतंत्रता पाने के लिए बाहर निकलना चाहें। इससे मध्यम अवधि में वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उल्लेखनीय कमी आ सकती है। किसी भी स्थिति में, अतीत में ऐसे उदाहरण रहे हैं जहां ओपेक सदस्य अपने दिए गए कोटे का पालन नहीं कर पाए, जिससे कीमतों को नियंत्रित करने की क्षमता प्रभावित हुई।

हालांकि यूएई के बाहर निकलने का प्रभाव तभी दिखाई देगा जब होर्मुज स्ट्रेट में दोहरी नाकाबंदी को हटाया जाएगा। वर्तमान स्थिति में, इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं है कि अमेरिका और ईरान के बीच गतिरोध कितने समय तक जारी रहेगा, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। रिपोर्टों से पता चलता है कि ईरान द्वारा दिए गए प्रस्ताव अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को स्वीकार्य नहीं हैं।

स्ट्रेट पर अमेरिकी नाकाबंदी के साथ, ट्रंप ईरान पर आर्थिक दबाव डालने की कोशिश कर रहे हैं, जो फिलहाल कारगर नहीं दिख रहा है। इस क्षेत्र से जब तेल आपूर्ति का दोबारा शुरू होना अल्पावधि में अनिश्चित बना हुआ है, ओपेक की कमजोरी मध्यम अवधि में स्थायी रूप से तेल की कीमतें कम करने में मदद कर सकती है।

भारत अपनी कच्चे तेल की खपत के 85 फीसदी से अधिक के लिए आयात पर निर्भर करता है, इसलिए उसे कम कीमतों से लाभ होगा। यूएई भारत के शीर्ष आपूर्तिकताओं में से एक है। दोनों देश अधिक मात्रा में तेल व्यापार के लिए दीर्घकालिक अनुबंध कर सकते हैं, जिससे अधिक स्थिरता और पूवार्नुमान सुनिश्चित होगा।

यूएई की पाइपलाइन क्षमता में सुधार की भी उम्मीद है, जिससे होर्मुज स्ट्रेट से बचा जा सकेगा। हालांकि निकट अवधि में लाभ केवल तभी मिलेगा जब पश्चिम एशिया का संकट हल हो जाएगा। बहुत कुछ समाधान की शर्तों पर भी निर्भर करेगा। यदि ईरान को भी स्वतंत्र रूप से तेल बेचने की अनुमति दी जाती है, तो उपलब्धता और बढ़ेगी और आयातकों के लिए कीमतों पर अनुकूल प्रभाव पड़ेगा।

पश्चिम एशिया संकट और क्रूड की बढ़ती कीमत से महंगाई का नया झटका

वित्त मंत्रालय के तहत आने वाले आर्थिक मामलों के विभाग ने इस सप्ताह जारी ताजा मासिक आर्थिक समीक्षा में मौजूदा वृहद आर्थिक हालात का वास्तविक आकलन तो पेश किया ही है, साथ ही एक नीतिगत मार्ग भी सुझाया है। पश्चिम एशिया में संघर्ष छिड़े दो महीने से अधिक वक्त हो चुका है और अब तक इसका कोई हल नजर नहीं आ रहा है। होर्मुज स्ट्रेट, जिसके जरिये दुनिया के 20 फीसदी कच्चे तेल का आवागमन होता है, उसे अमेरिका और ईरान दोनों ने बंद कर रखा है।

निरंतर अनिश्चितता के बीच कच्चे तेल की कीमतें गुरुवार को एक बार फिर बढ़ीं और बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 125 डॉलर प्रति बैरल के पार चला गया। जंग छिड़ने के पहले यह 70 डॉलर प्रति बैरल पर था। वैश्विक अर्थव्यवस्था इस संघर्ष से प्रभावित है, वहीं भारत जैसे देशों पर भी जोखिम है क्योंकि हम अपने कच्चे तेल के आयात के लिए इस क्षेत्र पर बहुत अधिक निर्भर करते हैं।

यह समीक्षा इस मामले में बिल्कुल सही है कि कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां ऊर्जा आपूर्ति की शीघ्र बहाली का अनुमान लगाने की दोषी प्रतीत होती हैं। हालांकि यह बात ध्यान देने लायक है कि कई सरकारों, जिनमें संघर्ष शुरू करने वाली भी शामिल हैं, ने भी यह मान लिया था कि यह लड़ाई जल्दी समाप्त हो जाएगी और बहुत अधिक व्यवधान नहीं पैदा होगा।

लेकिन ईरान के प्रतिरोध और संकल्प ने संघर्ष की प्रकृति को बदल दिया है। इसलिए, यह स्पष्ट नहीं है कि गतिरोध कितने समय तक जारी रहेगा या एक स्थायी समाधान कैसे प्राप्त होगा। पश्चिम एशिया संघर्ष से एक स्पष्ट संदेश यह है कि प्रमुख आवश्यक कच्चे माल के भंडार बनाए जाएं और यह केवल तेल और गैस तक सीमित नहीं होना चाहिए। देखा गया है कि देश महत्त्वपूर्ण कच्चे माल और वस्तुओं के उत्पादन में अपने प्रभुत्व को हथियार बना सकते हैं।

तेल की बात करें तो कुछ देशों ने खुदरा कीमतों में वृद्धि कर दी है और कुछ ने नहीं। भारत बाद वाली श्रेणी में है। सरकार ने कुछ हद तक तेल विपणन कंपनियों की रक्षा करने के लिए पेट्रोल और डीजल पर विशेष उत्पाद शुल्क कम कर दिया। हालांकि, रिपोर्टों से पता चलता है कि यदि वर्तमान स्तर के नुकसान बने रहते हैं, तो तेल विपणन कंपनियों को इस वर्ष तरलीकृत पेट्रोलियम गैस की बिक्री पर लगभग 80,000 करोड़ रुपये की अंडर रिकवरी का सामना करना पड़ सकता है।

वे पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर भी बड़े नुकसान का सामना कर रही हैं। यह स्थिति टिकाऊ नहीं है, और कीमतों को समायोजित करना होगा। इसका असर वृद्धि और मुद्रास्फीति के परिणामों पर पड़ेगा। कमजोर मानसून की संभावनाएं भारतीय व्यापक आर्थिक प्रबंधकों के लिए मामलों को और जटिल बना देंगी।

समीक्षा यह बात सही दर्ज करती है कि कई देश अल्पकालिक वृद्धि को बढ़ावा देने और रोजगार की रक्षा करने के लिए प्रलोभित हो सकते हैं। हालांकि, व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखने की आवश्यकता को भी ध्यान में रखना होगा। समीक्षा सुधार एजेंडा को आगे बढ़ाने की सिफारिश करती है।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

श्रमिक दिवस पर गौतमबुद्धनगर में लगेगा मेगा हेल्थ कैंप

201 स्थानों पर श्रमिकों को मिलेगा निःशुल्क उपचार

समाज जागरण गौतमबुद्धनगर, 30 अप्रैल 2026

उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देश पर श्रमिक दिवस के अवसर पर जनपद गौतमबुद्धनगर में 1 मई को विशाल मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया जाएगा। यह स्वास्थ्य शिविर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें श्रमिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

जनपद प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित इस विशेष अभियान के तहत पहले केवल सरकारी अस्पतालों और 31 निजी अस्पतालों की भागीदारी प्रस्तावित थी, लेकिन अब निजी क्षेत्र के अस्पतालों ने भी बढ़-चढ़कर सहयोग दिया है। इसके चलते यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, मैक्स हॉस्पिटल, मेदांता हॉस्पिटल, फोर्टिस हॉस्पिटल, फेलिक्स हॉस्पिटल और शारदा हॉस्पिटल सहित कुल 67 निजी अस्पताल इस अभियान से जुड़ चुके हैं।

अधिकारियों के अनुसार, मेगा हेल्थ कैंप के माध्यम से जनपद के 134 सरकारी अस्पतालों एवं हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों के साथ 67 निजी अस्पतालों सहित कुल 201 स्थानों पर श्रमिकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया जाएगा। शिविर में सामान्य स्वास्थ्य जांच, परामर्श, दवाइयों का वितरण तथा आवश्यक जांच सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

प्रशासन ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य श्रमिकों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि अधिक से अधिक श्रमिक लाभान्वित हो सकें। निजी अस्पतालों की बढ़ती भागीदारी को सामाजिक जिम्मेदारी और सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण बताया गया है।

09 मई को गौतमबुद्धनगर में आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

समाज जागरण गौतमबुद्धनगर, 30 अप्रैल 2026

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं माननीय जनपद न्यायाधीश गौतमबुद्धनगर के निर्देशों के क्रम में आगामी 09 मई 2026 को जनपद गौतमबुद्धनगर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन मुख्यालय एवं तहसील न्यायालयों में संपन्न होगा।

यह जानकारी देते हुए सचिव (पूर्णकालिक) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर शिवानी रावत ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के वादों का आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में विशेष रूप से आपराधिक शमनीय वाद, पारिवारिक मामले, मोटरयान दुर्घटना अधिनियम से संबंधित प्रकरण, बिजली एवं पानी से जुड़े विवाद, धारा 138 एन.आई. एक्ट के मामले, भू-राजस्व वाद, सेवा संबंधी मामले तथा प्री-लिटीगेशन मामलों का निस्तारण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त ऐसे अन्य विवाद भी लोक अदालत में रखे जाएंगे, जिनमें दोनों पक्ष पारस्परिक सहमति एवं सद्भावना के आधार पर समझौते के इच्छुक हों।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने आमजन से राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया ईवीएम/वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 30 अप्रैल 2026। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं का गहनता से अवलोकन किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने वेयरहाउस के मुख्य द्वार पर लगे ताले एवं सील की जांच की, जो पूरी तरह सुरक्षित पाई गई। इसके साथ ही वेयरहाउस में लगे सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया गया, जहां सभी कैमरे सुचारु रूप से कार्यरत मिले। सुरक्षा व्यवस्था का भी बारीकी से जायजा लिया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने वेयरहाउस में तैनात सुरक्षा कर्मियों को निर्देशित किया कि सुरक्षा व्यवस्था को लगातार मजबूत बनाए रखें तथा पूर्ण सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस की सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक एवं सुव्यवस्थित पाई गईं।

इस अवसर पर जिला निर्वाचन कार्यालय के संबंधित कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु समन सेल प्रभारियों के साथ बैठक आयोजित

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 30 अप्रैल 2026। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेशों तथा माननीय जनपद न्यायाधीश, गौतमबुद्धनगर के मार्गदर्शन में आगामी 09 मई 2026 को जनपद स्तर पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन मुख्यालय एवं तहसील स्तर पर संपन्न होगा।

इसी क्रम में राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर शिवानी रावत की अध्यक्षता में समन सेल प्रभारियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण हेतु समनों की तामील समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से सुनिश्चित की जाए। साथ ही लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें।

बैठक में सचिव पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवानी रावत के अलावा समन सेल प्रभारी रोहतास एवं उप निरीक्षक विनोद सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सेक्टर-63 नोएडा में टावर पर चढ़ी युवती, पुलिस और फायर टीम ने सुरक्षित उतारा

समाज जागरण संदीप गर्ग

नोएडा। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक 19 वर्षीय युवती जे-ब्लॉक स्थित एक टावर पर चढ़ गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस एवं फायर विभाग की टीम मौके पर पहुंची और संयुक्त प्रयास से युवती को सुरक्षित नीचे उतार लिया।

जानकारी के अनुसार युवती मूल रूप से महाराजगंज के चौक बाजार क्षेत्र की निवासी है और पिछले लगभग तीन वर्षों से नोएडा में रह रही है। घटना की सूचना पर पुलिस एवं फायर यूनिट ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की सहायता से युवती को सकुशल नीचे उतारा।

घटना के बाद पुलिस टीम ने संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए युवती से बातचीत की। प्राथमिक पूछताछ में सामने आया कि वह पारिवारिक समस्याओं के चलते मानसिक तनाव में थी।

पुलिस ने युवती के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है। साथ ही उसकी काउंसलिंग कराई जा रही है और आवश्यकता के अनुसार विधिक एवं अन्य सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने जिला कारागार का किया निरीक्षण

बंदियों को मिल रही विधिक सहायता, चिकित्सा एवं भोजन व्यवस्थाओं का लिया जायजा

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 30 अप्रैल 2026 उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर के निदेशों के अनुपालन में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर शिवानी रावत ने गुरुवार को जिला कारागार गौतमबुद्धनगर का मासिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जेलर संजय साही ने बताया कि वर्तमान में जिला कारागार में 2514 बंदी निरुद्ध हैं। सचिव शिवानी रावत ने पुरुष बैरकों में पहुंचकर बंदियों से उनके मुकदमों से संबंधित जानकारी प्राप्त की तथा बंदियों के रिकॉर्ड एवं कार्डों का अवलोकन किया। इस दौरान बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही विधिक सहायता एवं अधिवक्ताओं की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई।

बंदियों ने बताया कि उन्हें निजी अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से अधिवक्ता उपलब्ध कराए गए हैं। सचिव ने जेल प्रशासन को बंदियों से संबंधित कार्डों को नियमित रूप से अपडेट करने के निर्देश दिए।

इसके बाद जिला कारागार स्थित अस्पताल का निरीक्षण किया गया। जनरल वार्ड में भर्ती बंदियों से वार्ता कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं एवं मुकदमों से संबंधित जानकारी ली गई।

निरीक्षण के क्रम में सचिव ने कारागार की पाकशाला का भी निरीक्षण किया, जहां बंदी अन्य बंदियों के लिए भोजन तैयार करते हुए पाए गए। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता की जांच की तथा पाकशाला में साफ-सफाई बनाए रखने के संबंध में जेल प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक ब्रजेश कुमार एवं जेलर संजय साही सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर गौतमबुद्धनगर में कड़े सुरक्षा प्रबंध

ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से हो रही सघन निगरानी

समाज जागरण संदीप गर्ग

नोएडा। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के मद्देनजर कमिश्नरेट क्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। पूरे जनपद में ड्रोन एवं सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है।

कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में जोनल-सेक्टर स्कीम लागू करते हुए क्षेत्र को कुल 11 जोन एवं 49 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। इसके तहत नोएडा जोन को 4 जोन व 16 सेक्टर, सेंट्रल नोएडा को 3 जोन व 24 सेक्टर तथा ग्रेटर नोएडा को 4 जोन व 9 सेक्टरों में बांटा गया है। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए अन्य जनपदों से भी बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। इसमें 6 एसपी रैंक अधिकारी, 14 अपर पुलिस अधीक्षक, 30 क्षेत्राधिकारी (डीएसपी), 65 निरीक्षक, 400 उपनिरीक्षक, 150 महिला उपनिरीक्षक, 900 मुख्य आरक्षी/आरक्षी, 200 महिला पुलिसकर्मी तथा 10 कंपनी पीएसी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर से भी वरिष्ठ अधिकारी एवं पुलिस कर्मी ड्यूटी पर लगाए गए हैं।

महत्वपूर्ण औद्योगिक इकाइयों, बहुराष्ट्रीय कंपनियों, लघु औद्योगिक क्षेत्रों, प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की विशेष तैनाती की गई है। साथ ही मोबाइल पुलिस पार्टियां लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर निगरानी बनाए हुए हैं।

पुलिस अधिकारियों द्वारा पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से आमजन को शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की जानकारी दी जा रही है। लगभग 50 से अधिक महत्वपूर्ण स्थानों पर ड्रोन से निगरानी के साथ सीसीटीवी कैमरों की भी व्यवस्था की गई है। कमिश्नरेट के कंट्रोल रूम में एक राजपत्रित अधिकारी को विशेष रूप से तैनात किया गया है, जो सीसीटीवी एवं अन्य सर्विलांस माध्यमों से लगातार निगरानी रखते हुए किसी भी स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

पुलिस प्रशासन ने बताया कि श्रमिकों के संभावित धरना-प्रदर्शन को देखते हुए कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से 30 अप्रैल से 08 मई 2026 तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 लागू की गई है।

थाना फेस-1 पुलिस ने गांजा तस्कर को किया गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से 1 किलो 150 ग्राम गांजा बरामद

समाज जागरण संदीप गर्ग

नोएडा। थाना फेस-1 पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1 किलो 150 ग्राम गांजा बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान भीषम पुत्र चेतन के रूप में हुई है, जिसे सेक्टर-14 स्थित गंदे नाले की पटरी से गिरफ्तार किया गया। आरोपी मूल रूप से गांव कपियाजहांगीर, थाना महाराजगंज, जिला सिवान (बिहार) का निवासी है तथा वर्तमान में हरौला, सेक्टर-5, गौतमबुद्धनगर में रह रहा था। उसकी उम्र करीब 29 वर्ष बताई जा रही है।

जांच में सामने आया है कि अभियुक्त का आपराधिक इतिहास भी रहा है और विभिन्न थाना क्षेत्रों में उसके खिलाफ कई संगीन मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बरामद गांजे को पुलिस ने कब्जे में लेकर विधिक प्रक्रिया पूरी की है।

दो दिवसीय निःशुल्क ध्यान योग एवं आरोग्य शिविर का हुआ भव्य शुभारम्भ

- योग जीवन को संतुलित,स्वस्थ, रोगमुक्त बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम-ब्रह्म ऋषि आचार्य नीरज
- योग एवं ध्यान से रह सकते हैं स्वस्थ और तनाव मुक्त- देवेंद्र हितकारी

समाज जागरण

गाजियाबाद,वीरवार 30-4-2026 को स्व. राजकुमार त्यागी की 5 वीं पुण्य स्मृति में दो दिवसीय ध्यान योग एवं आरोग्य शिविर का भव्य शुभारम्भ उनके सुपुत्र एवं पुत्रवधु आशीष त्यागी एवं तरु त्यागी द्वारा एसोमैक मशीन्स लिमिटेड 546, बिसरख रोड,छपरौला,गौतम बुध नगर के प्रांगण में किया गया।उनके द्वारा अतिथिओं का स्वागत भी किया गया।

योग नगरी ऋषिकेश से पधारे ब्रह्मऋषि नीरज आचार्य ने ओ३म् की ध्वनि एवं गायत्री मंत्र से ध्यान योग शिविर के सत्र को प्रारंभ किया उन्होंने हाथों पैरों,गर्दन के सूक्ष्म व्यायाम कराए और उनके लाभों की चर्चा की ओर कहा कि जैसे हम दिनचर्या के प्रति सजग रहते हैं वैसे ही हमें ऋतुचर्या के प्रति सजग रहते हुए किस ऋतु में कौन से फल खाने हैं?कौन से योगाभ्यास करने हैं? का ज्ञान रखना चाहिए।उन्होंने कपाल शोधन, भ्रामरी,शीतली,शीतकारी और पलावली के साथ ही अनुलोम विलोम के अभ्यास कराये और इसके लाभों की चर्चा करते हुए कहा कि योग जीवन को संतुलित, स्वस्थ और रोगमुक्त बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है।उन्होंने ध्यान योग और योग निद्रा के महत्व को समझाते हुए कहा कि आज के तनावपूर्ण जीवन में योग ही मानसिक शांति का मार्ग है।

मंच का कुशल संचालन योग मर्मज्ञ देवेंद्र हितकारी ने किया उन्होंने कहा कि वर्तमान भागदौड़ और तनाव भरे जीवन में मनुष्य विभिन्न दुखों से परेशान हैं, लेकिन योग एवं ध्यान से यह स्थिति बदली जा सकती है। योग एवं ध्यान से व्यक्ति स्वस्थ और तनाव मुक्त रह सकता है।स्व. राजकुमार त्यागी अखिल भारतीय योग संस्थान के संस्थापक रहे उन्होंने योग के माध्यम से जन स्वास्थ्य को ध्यान में अखिल भारतीय योग संस्थान के माध्यम से महानगर में करीब 100 से अधिक स्थानों पर निःशुल्क ध्यानयोग की कक्षाएं संचालित की। अखिल भारतीय ध्यान योग संस्थान गाजियाबाद एवं दिल्ली के पदाधिकारीयों ने योग स्मारिका भेंटकर आचार्य नीरज जी को सम्मानित किया। इस अवसर पर पार्षद राजेन्द्र त्यागी,कृष्ण कुमार अरोड़ा आदि ने स्व. राज कुमार त्यागी को अपने विचारों द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

एसोमैक मशीन लिमिटेड के डायरेक्टर निर्मल सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया ओर कहा कि कार्यक्रम का समापन कल प्रातः योगाभ्यास के साथ किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है।

योगी प्रवीण आर्य ने बताया कि आज छपरौला में जनसैलाब उमड़ा सेकड़ों लोगों ने शिविर में भाग लिया।

वरिष्ठ योग शिक्षिका वीना वोहरा,प्रमिला सिंह आदि ने शांति पाठ एवं योगिक प्रसाद वितरण के साथ सत्र को संपन्न किया।

सेक्टर-82 की एकता कुंज सोसाइटी में जर्जर बालकनी से गिरा मलबा

रहवासियों ने जताई बड़े हादसे की आशंका, स्ट्रक्चरल ऑडिट की मांग

समाज जागरण संदीप गर्ग

नोएडा। सेक्टर-82 स्थित एकता कुंज रेजिडेंसी वेलफेयर सोसाइटी, पॉकेट-12 जनता फ्लैट में जर्जर इमारतों का मामला गंभीर होता जा रहा है। गुरुवार को ब्लॉक-14 की एक बालकनी से कंक्रीट के बड़े टुकड़े टूटकर नीचे गिर गए, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। गनीमत रही कि घटना के समय नीचे कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

स्थानीय निवासी किरपाल सिंह ने बताया कि उनके मकान सहित आसपास के कई प्राधिकरण आवासों की बालकनियां और छज्जे पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं। कई जगहों पर कंक्रीट टूटकर गिर रहा है और लोहे की सरियों में जंग लगने के कारण वे बाहर दिखाई देने लगी हैं।

निवासियों का कहना है कि बरसात के मौसम में स्थिति और अधिक खतरनाक हो जाती है तथा हर वर्ष ऐसे हादसों का खतरा बना रहता है। लोगों के अनुसार केवल ब्लॉक-14 ही नहीं, बल्कि सोसाइटी के अन्य ब्लॉकों की हालत भी बेहद खराब है। नीचे से गुजरने वाले लोगों और खड़े वाहनों के लिए यह स्थिति जानलेवा साबित हो सकती है।

रहवासियों ने आरोप लगाया कि इस संबंध में कई बार नोएडा प्राधिकरण को शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं से लोगों में नाराजगी भी बढ़ रही है।

स्थानीय लोगों ने नोएडा प्राधिकरण से पूरे क्षेत्र का तत्काल स्ट्रक्चरल ऑडिट कराने, खतरनाक हिस्सों की बैरिकेडिंग करने तथा प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत एवं पुनर्निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है।

निवासियों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

टीएमयू के पैरामेडिकल कॉलेज और सिल्वर लाइन लेबोरेट्रीज, दिल्ली के बीच एमओयू साइन

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज के ऑप्टोमेट्री स्टुडेंट्स की शिक्षा, क्लीनिकल प्रशिक्षण एवम् उद्योग-अकादमिक सहयोग से मिलेंगे नए पंख

समाज जागरण

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज के ऑप्टोमेट्री विभाग की ओर से सिल्वर लाइन लेबोरेट्रीज इंडिया, नई दिल्ली के बीच मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग-एमओयू साइन हुआ। इस एमओयू का उद्देश्य स्टुडेंट्स को अकादमिक शिक्षा के संग-संग उन्नत क्लीनिकल प्रशिक्षण, कॉन्टैक्ट लेंस एवम् विजन केयर तकनीकें, इंटर्नशिप, संयुक्त शोध परियोजनाएं, कार्यशालाएं और स्किल डवलपमेंट, उद्योग-अकादमिक सहयोग, रोजगारोन्मुखी व्यावसायिक अनुभव प्रदान करना है। टीएमयू की ओर से डीन एकेडमिक्स प्रो. मंजुला जैन और सिल्वर लाइन लेबोरेट्रीज इंडिया की ओर से निदेशक श्री गगन दीप साहनी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

एओयू के तहत राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों की ओर से वर्कशॉप, सेमिनार, हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग, क्लीनिकल केस स्टडी, कॉन्टैक्ट लेंस स्किल डवलपमेंट प्रोग्राम होंगे, जिससे स्टुडेंट्स को नवीनतम तकनीकों और प्रैक्टिकल स्किल्स की जानकारी मिलेगी। साथ ही दोनों संस्थान अपने विशेषज्ञ प्रोफेसर्स, वैज्ञानिकों एवम् तकनीकी विशेषज्ञों के आदान-प्रदान के साथ प्रयोगशालाओं, प्रशिक्षण अवसंरचना एवम तकनीकी संसाधनों का साझा उपयोग करेंगे। इस मौके कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज के प्राचार्य प्रो., नवनीत कुमार,ऑप्टोमेट्री के एचओडी डॉ. राकेश कुमार यादव, एसोसिएट डीन एकेडमिक्स प्रो. अमित कंसल, श्री सौरभ सिंह बिष्ट, जबकि सिल्वर लाइन की ओर से ऑप्टोमेट्रिस्ट्स- श्री विकास बरिया, श्री सुनील अरोड़ा, श्री रजा आदि उपस्थित रहे।

सौंधन किले से जल्द हटेगा अतिक्रमण

एसडीएम निधि पटेल ने दिए निर्देश

समाज जागरण

संभल। तहसील क्षेत्र के गांव में पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा ऐतिहासिक सौंधन किले का जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पेंसिया एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने एक बर्ष पूर्व किले के मुख्य गेट का निरक्षण किया गया खंडर हालत देखते हुए जिला अधिकारी ने पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को सूचित किया और सौंदर्य करण कराने के निर्देश दिए और अतिक्रमण को लेकर जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपना लिया है। इससे पहले डीएम द्वारा किए गए निरीक्षण में भी किले की जमीन पर बड़े पैमाने पर अवैध कब्जे पाए गए थे। जिलाधिकारी के निर्देश के बाद ही गुरुवार को उप जिलाधिकारी संभल निधि पटेल, तहसीलदार धीरेंद्र कुमार और हल्का लेखपाल नीरज सैनी ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम निधि पटेल ने किले की जमीन पर बने 30 मकानों को अतिक्रमण की श्रेणी में पाया। उन्होंने मौके पर ही सभी कब्जाधारियों को 3 दिन के भीतर घर खाली करने के सख्त निर्देश जारी किए।

एसडीएम ने हल्का लेखपाल नीरज कुमार को निर्देश दिए निरीक्षण में मिले तथ्यों के आधार पर सर्वे कर यह पता लगाया जाए कि इन 30 परिवारों के पास रहने के लिए दूसरी जगह नहीं है। जिनके पास कोई भूमि नहीं है, उन्हें जल्द से जल्द भूमि पट्टा मुहैया कराया जाए। वहीं जिन लोगों के पास पहले से दूसरी जगह मकान या जमीन है, उन्हें अपना सामान तुरंत शिफ्ट करने को कहा गया है।

प्रशासन ने साफ चेतावनी दी है कि यदि 3 दिन के अंदर अतिक्रमण नहीं हटाए गए तो जेसीबी मशीन से कार्रवाई कर सभी अवैध कब्जा ध्वस्त कर दिया जाएगा।

गौरतलब है कि डीएम एसपी के निरीक्षण के बाद कार्रवाई तेज हुई है। इससे पहले भी सौंधन किले के अवैध अतिक्रमण पर रविवार को बुलडोजर से जमीन पर बने तीन घरों पर प्रशासन का बुलडोजर चल चुका है। लगातार हो रही कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मचा हुआ है। प्रशासन का कहना है कि ऐतिहासिक धरोहर है मस्जिद कुआं का भी एसडीएम तसीलदार ने को भी देखा और मस्जिद के आगे गंदगी देख भड़के तहसीलदार और हल्का लेखपाल को आदेश देते हुए बोले जल्द साफ सफाई कराई जाए और जो अवैध कब्जा कर अतिक्रमण कर रखा है उसे जल्द हटाया जाए

स्मार्ट मीटरों की ओवरबिलिंग से परेशान महिलाओं ने प्रदर्शन कर दिया ज्ञापन

दैनिक समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर नगीना । विद्युत विभाग द्वारा जबरन लगाए गए स्मार्ट मीटरों के बिल अधिक आने(ओवरबिलिंग)से त्रस्त आजाद कॉलोनी की महिलाओं ने पुरुषों के साथ विद्युत वितरण खंड नगीना के अधीक्षण अभियंता के कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन कर एसडीएम को ज्ञापन देकर पुराने पोस्टपेड मीटर लगवाने की मांग की है

बुधवार की दोपहर को लाइनपार आजाद कॉलोनी की महिलाओं ने विद्युत वितरण खंड नगीना के अधीक्षण अभियंता के कार्यालय पर पहुंच कर जोरदार प्रदर्शन किया। महिलाओं का कहना है कि जबरन पुराने बिजली मीटर उतार कर नए प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगा दिए गए हैं ।जिन पर बिल बहुत ज्यादा आ रहा है ।लेकिन यहां विभाग के किसी अधिकारी द्वारा सुनवाई न करने पर महिलाएं नारेबाजी करते हुए एसडीएम कंपाउंड पहुंची।

एसडीएम विजय शंकर मिश्रा को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि विद्युत विभाग ने उनके घरों पर पुराने बिजली मीटर उतार कर नए प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगा दिए हैं ।उन्होंने नए प्रीपेड स्मार्ट मीटर उतार कर पुराने पोस्टपेड मीटर लगवाने की मांग की है। प्रदर्शन करने व ज्ञापन देने वालों में बबलू, रामकिशन, ओमप्रकाश, जयराम, पूनम, सोना, गुड्डी, आशा, लक्ष्मी, गीता, बेबी, बबली, सावित्री, लक्ष्मी, बबीता, गीता, राखी, रीना, शन्नो, ओमवती, बीना, दीपा, सोनी समेत दो दर्जन भर से अधिक महिलाएं व पुरुष शामिल शामिल रहे।

मना करने के बाद भी जबरन लगाए गए प्रीपेड स्मार्ट मीटर

आजाद कॉलोनी लाइनपार के निवासियों का कहना है कि मार्च में उनके घरों पर विद्युत विभाग ने बिना सहमति लिए जबरन प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगा दिए हैं। आपत्ति जताने पर नए प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने आए कर्मियों ने उपभोक्ताओं के साथ बदसलूकी व अभद्रता की ।नए प्रीपेड स्मार्ट मीटरों पर बहुत ज्यादा धनराशि के बिल आ रहे हैं और बैलेंस माइनस होते ही बिजली की आपूर्ति तुरंत काट दी जाती है। बड़ी आबादी वाली आजाद कॉलोनी में ज्यादातर उपभोक्ता मध्यम व निम्नमध्यम वर्ग के हैं जिनके पास स्मार्ट फोन व एप तथा बैंक अकाउंट की भी सुविधाएं नहीं हैं ।रिचार्ज कराने के लिए जनसेवा केंद्रों पर जाना पड़ता हैं ।देर शाम बिजली कटने पर अगले दिन ही रिचार्ज करवाना पड़ता है ।तब सप्लाई आती है। विद्युत वितरण खंड नगीना के अधीक्षण अभियंता पुष्पेश कुमार विभागीय आदेश न होने की बात करते हैं लेकिन इस समस्या पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं देते हैं।

आमजन की सुरक्षा और उनका विश्वास बनाए रखना पुलिस की जिम्मेदारी है - सीओ

सीओ ने किया थाना किरतपुर का निरीक्षण - दिए निर्देश

समाज जागरण अजमल अंसारी

जनपद बिजनौर किरतपुर ।सीओ नजीबाबाद ने थाना किरतपुर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाने पर तैनात रिक्रूट आरक्षियो से संवाद किया।

सीओ ने सभी आरक्षियों से संवाद कर उनकी ड्यूटी से संबंधित समस्या और सुझावों के बारे में जानकारी प्राप्त की। सीओ ने जवानों की कार्यशैली, अनुशासन, और मनोबल पर विशेष ध्यान देते हुए उन्हें अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। सीओ ने निरीक्षण के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए कि क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के दौरान पूरी सतर्कता अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने को कहा ।साथ ही किसी भी प्रकार की लापरवाही ने बरतने ने की सख्त हिदायत दी गई। सीओ ने यह भी कहा कि आमजन की सुरक्षा और उनका विश्वास बनाए रखना पुलिस की जिम्मेदारी है। इसलिए सभी आरक्षियों को अपने व्यवहार में संयम और पेशेवर रवैया बनाए रखना चाहिए। इस मौके पर किरतपुर थाने का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन का साहनपुर में भव्य स्वागत

दैनिक समाज जागरण बिजनौर

साहनपुर। भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन का नगर पंचायत साहनपुर के अध्यक्ष तथा आजाद समाज पार्टी के मुरादाबाद मंडल प्रभारी खुर्शीद मंसूरी के आवास पर भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे।

यह कार्यक्रम नगीना लोकसभा सांसद एवं आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में चल रही जनहितकारी विचारधारा एवं सामाजिक संघर्ष को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

इस अवसर पर विवेक सेन, शाहबाज खान, आबिद, गजनफर अली, इकबाल सदस्य, मुस्तकीम सदस्य, कासिम सदस्य, नसीम अधिवक्ता, फुरकान, नौशाद सरवरी, वसीम मंसूरी, इमरान मंसूरी, नवाब सदस्य, पप्पू सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विनय रतन ने आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) की नीतियों एवं विचारधारा की सराहना करते हुए कहा कि पार्टी वंचित, शोषित एवं पिछड़े वर्गों की सशक्त आवाज बनकर उभर रही है। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में पार्टी निरंतर मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है तथा आने वाले समय में जनसमर्थन और अधिक बढ़ेगा।

अंत में कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

बहला-फुसलाकर नाबालिग को ले जाने का आरोप, तलाश में जुटी पुलिस। आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दैनिक समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर अफजलगढ़। थाना क्षेत्र के गांव गढ़वावाला निवासी एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर ले जाने के आरोप में एक युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उसकी पुत्री निशा नाबालिग है। जिसकी उम्र 17 वर्ष है। और अधिक पढ़ी-लिखी भी नहीं है। आरोप है कि 28 अप्रैल 2026 को देवेन्द्र पुत्र देवीचन्द्र निवासी गांव फतेहपुर धारा,थाना रेहड़, उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। पीड़ित के अनुसार आरोपी युवक का गांव गढ़वावाला में ओमप्रकाश पुत्र पूरन सिंह के यहां आना-जाना रहता था, इसी दौरान उसने उसकी पुत्री को अपने झांसे में लिया। घटना के बाद से किशोरी का कोई पता नहीं चल सका है, जिससे परिजनों में चिंता का माहौल बना हुआ है। पीड़ित पिता ने पुलिस से बेटी को जल्द बरामद करने की गुहार लगाई है। उधर, थानाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह राठी ने बताया कि तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। किशोरी की तलाश के लिए टीम गठित कर दी गई है और संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है। जल्द ही उसे सकुशल बरामद कर लिया जाएगा।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं का पुलिस प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन

अभद्र व्यवहार एवं जाम की समस्या को लेकर माल गोदाम तिराहे पर दिया धरना

समाज जागरण
ब्यूरो : शमीम सिद्दीकी बिजनौर

नजीबाबाद। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को पुलिस प्रशासन की कार्यशैली एवं शहर की बदहाल यातायात व्यवस्था के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। दर्जनों छात्र माल गोदाम तिराहे पर एकत्रित हुए और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए। धरने का नेतृत्व कर रहे जिला संयोजक कुणाल शर्मा ने आरोप लगाया कि वाहन जांच के दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा छात्रों के साथ अभद्र व्यवहार किया गया तथा बदसलूकी की गई। उन्होंने कहा कि नियम-कानून के नाम पर युवाओं का उत्पीड़न किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने शहर में लगातार बढ़ रही जाम की समस्या को भी प्रमुखता से उठाया। कार्यकर्ताओं का कहना था कि शहर में कई स्थानों पर अवैध रूप से टैक्सियां खड़ी रहती हैं। विशेष रूप से रेलवे स्टेशन क्षेत्र में कोटद्वार जाने वाली टैक्सियां अवैध रूप से संचालित की जा रही हैं, जिससे यातायात बाधित होता है और आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

छात्रों ने मांग की कि अवैध टैक्सी स्टैंडों को शहर से बाहर स्थानांतरित किया जाए, ताकि नजीबाबाद को जाम की समस्या से राहत मिल सके। प्रदर्शन और हंगामे की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी अंजनी कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारी छात्रों को शांत कराया तथा उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। क्षेत्राधिकारी ने आश्वासन दिया कि पुलिसकर्मियों के व्यवहार की जांच कराई जाएगी तथा यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

आश्वासन मिलने के बाद छात्रों ने अपना धरना समाप्त कर दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में एबीवीपी कार्यकर्ता एवं छात्र उपस्थित रहे।

स्योहारा यूथ सोसाइटी ने तपती गर्मी में रेल यात्रियों को पानी की बोतले बाँटी !

वरिष्ठ समाजसेवी डॉ मनोज वर्मा ने की हौसला अफजाई

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर स्योहारा कस्बे की सामाजिक संस्था स्योहारा यूथ वेलफेयर सोसाइटी ने तपती गर्मी में रेल यात्रियों को पानी की ठंडी बोतले बांट कर गर्मी से राहत दिलाने की एक छोटी सी कोशिश की ! स्योहारा रेलवे स्टेशन पर दुपहर के समय पहुंचने वाली जनरल बोगियो की एकमात्र लंबे रूट की

सवारी गाड़ी जनसेवा एक्सप्रेस के प्लेटफार्म नंबर एक पर पहुंचने पर संस्था के सदस्यों ने प्रत्येक डिब्बे में यात्रियों को ठंडा जल की बोतल वितरण की ! ज्ञात हुआ है कि यह ट्रेन सहारनपुर से चलने के बाद मुरादाबाद ही ज्यादा समय के लिए रुकती है बाकी बीच में पढ़ने स्टेशन पर यह सिर्फ 1 मिनट ही रुकती है जहां पर यात्रियों को ना ही पानी खरीदने का मौका मिल पाता है ना ही पानी भरने का मौका मिल पाता है! संस्था के इस नेक काम की मुहिम में उबैदुरहमान, तनवीर चौधरी, अमीन अहमद, वासित अली, मन्नान जैदी, अयान जावेद, कायम नकवी, नूर अहमद, शादान, कासिफ आदि सदस्यों का विशेष योगदान रहा ! संस्था के नेक काम पर संरक्षक डॉ मनोज कुमार वर्मा और प्रबन्धक असजद चौधरी ने टीम के सदस्यों की हौसला अफजाई की !

नाशरा सुआलेह ने AIIMS रायपुर में पीएचडी में किया टॉप, क्षेत्र का नाम रोशन

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर स्योहारा ।नाशरा सुआलेह ने अपनी मेहनत और लगन से न सिर्फ अपने परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

उन्होंने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर में फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी (पीएचडी) की परीक्षा में प्रथम रैंक हासिल की। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि यह क्षेत्र मेडिकल साइंस का काफी चुनौतीपूर्ण और विशेषज्ञता वाला हिस्सा माना जाता है।

नाशरा सुआलेह, स्वर्गीय डा. सुआलेह अहमद की पुत्री हैं और अपने पिता के सपनों को पूरा करने के लिए उन्होंने लगातार मेहनत की।

उन्होंने पहले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली में दो वर्षों तक कार्य अनुभव भी प्राप्त किया, जिसने उनकी इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनकी इस उपलब्धि के पीछे उनके शिक्षकों–डा. संजीव लालवाणी, डा. पीयूष सांधी और डा. वंशिका–का मार्गदर्शन भी अहम रहा।

यह सफलता उनके परिवार के लिए विशेष मायने रखती है, खासकर इसलिए कि उन्होंने अपने पिता के सपनों को साकार करने का संकल्प लेकर यह मुकाम हासिल किया। साथ ही, उनकी छोटी बहनें भी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, जो पूरे परिवार की शैक्षणिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उनकी इस उपलब्धि पर पूरे मोहल्ले और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी– और यह सच में एक प्रेरणादायक उदाहरण है कि समर्पण और मेहनत से बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।

मंदिरों के पुजारियों को 40 हजार रुपए प्रति माह वेतन एवं भत्ता मिलना चाहिए-श्याम कृष्ण रस्तोगी

समाज जागरण

चन्दौसी। नगर में राष्ट्रीय पुजारी परिषद के संगठन विस्तार को लेकर घंटाघर मंदिर पर एक बैठक चंदौसी नगर के अध्यक्ष पंडित हरिओम शर्मा के की अध्यक्षता में संपन्न हुई । जिसको संबोधित करते हुए राष्ट्रीय पुजारी परिषद के संस्थापक श्याम कृष्ण रस्तोगी ने बताया कि राष्ट्रीय पुजारी परिषद का गठन कोरोना काल में हुआ था।

राष्ट्रीय पुजारी परिषद का उद्देश्य पुजारी और पुरोहितओ के हित में काम करना और सरकार से मंदिरों के पुजारी को 40000 रुपए वेतन प्रति माह मिलने की मांग की एवं मंदिरों का संरक्षण करें सरकार । उन्होंने कहा कि

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा 20 अप्रैल 2022 को पुजारी एवं पुरोहित कल्याण बोर्ड बनाने की घोषणा को अति शीघ्र क्रियाशील करवाना ।

देश के सभी बड़े-बड़े मंदिर सरकार के अधीन है उनसे होने वाली आमदनी में से 50 परसेंट छोटे मंदिरों पर खर्च किया जाए जिससे उनकी दशा में सुधार हो और पुजारी का जीवन स्तर खुशहाल हो।

राष्ट्रीय पुजारी परिषद द्वारा मंदिरों पर हिंदू संस्कार केंद्र स्थापित करना जिससे आने वाली पीढियां के लिए सनातन धर्म का ज्ञान प्राप्त हो ।

राष्ट्रीय पुजारी परिषद द्वारा धार्मिक त्योहारों पर भ्रम की स्थिति को दूर कर त्योहारों पर एकजुटता का प्रदर्शन करना ही राष्ट्रीय पुजारी परिषद के मुख्य उद्देश्य हैं ।

राष्ट्रीय पुजारी परिषद के संस्थापक श्याम कृष्ण रस्तोगी ने चंदौसी नगर कर संगठन का विस्तार करते हुए उपाध्यक्ष अरविन्द मिश्रा,शिवओम तिवारी महामंत्री विवेक उपाध्याय, मंत्री गौरव शर्मा,कमल शर्मा, प्रचार मंत्री हर्ष उपाध्यक्ष की घोषणा की गई। सभी ने ओम की ध्वनि कर घोषणा का स्वागत किया।

संचालन पुजारी पंडित अमरपाल शर्मा ने किया।

बैठक में मुरादाबाद से पुजारी महेंद्र,पंडित हिरदेश शर्मा, नन्हेंलाल शर्मा, रामसेवक शर्मा, पंडित कमल शर्मा, पंडित मोहित शर्मा, पंडित राजेंद्र प्रकाश शर्मा सुरेश शर्मा, दीनदयाल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

तेज आंधी और बारिश से गर्मी से राहत, किसानों पर आफत

समाज जागरण

बहजोई।अचानक मौसम बदलने से लोगों को भीषण गर्मी से राहत तो मिली लेकिन किसानों के लिए परेशानी खड़ी हो गई तेज आंधी और बारिश से जहां तापमान में गिरावट आई और मौसम सुहाना हुआ, वहीं आंधी के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हुई और कई स्थानों पर पेड़ गिरने से यातायात भी प्रभावित रहा. बेमौसम आंधी बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं. ग्रामीण क्षेत्रों में खलिहानों में रखी कटी फसलें बारिश में भीग गईं, जिससे उनके खराब होने का खतरा बढ़ गया है. वहीं तेज आंधी के कारण खेतों में खड़ी फसलें भी गिर गई हैं. इससे उत्पादन और गुणवत्ता दोनों प्रभावित होने की आशंका है. किसान की मेहनत पर संकट मंडराता देख किसान चिंतित हैं.

तेज आंधी के चलते कई स्थानों पर बिजली के खंभे झुक गए और विद्युत लाइनें क्षतिग्रस्त हो गईं. इसके कारण जिले के कई क्षेत्रों में घंटों तक बिजली आपूर्ति बाधित रही. विद्युत विभाग की टीमें मरम्मत कार्य में जुटी हुई हैं, ताकि जल्द से जल्द आपूर्ति बहाल की जा सके.

यातायात भी हुआ प्रभावित

आंधी की तेज रफ्तार से कई स्थानों पर पेड़ उखड़कर सड़कों पर गिर गए, जिससे आवागमन बाधित हुआ मार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात जाम की स्थिति बन गई. प्रशासन और स्थानीय टीमें रास्तों को साफ करने में जुटी रहीं. मौसम के इस अचानक बदले मिजाज ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दी है, वहीं किसानों के लिए नई चिंता खड़ी कर दी है. अब सभी की नजरें आने वाले दिनों के मौसम पर टिकी हैं.

बाल श्रम विरोधी दिवस पर गोष्ठी का आयोजन कर लोगों को किया गया जागरूक

समाज जागरण

चंदौसी। बाल श्रम विरोधी दिवस के अवसर जायंट्स ग्रुप ऑफ वूमेन पावर , वूमेन प्राइड व वूमेन एरा द्वारा संयुक्त रूप से सीता आश्रम रोड पर एक रेस्टोरेंट में बाल श्रम विरोधी दिवस के अंतर्गत गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में बाल श्रम के प्रति जागरूकता फैलाना तथा बच्चों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देना था। इस अवसर पर सदस्यों द्वारा बाल श्रम के दुष्परिणामों के बारे में बताया गया। बच्चों को शिक्षा का महत्व समझाया गया तथा अभिभावकों को प्रेरित किया गया कि वे अपने बच्चों को स्कूल भेजें। इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगों में जागरूकता बढ़ी और कई अभिभावकों ने अपने बच्चों को शिक्षा दिलाने का संकल्प लिया।

जायंट्स ग्रुप द्वारा यह प्रयास समाज

के लिए एक सकारात्मक कदम है। बाल श्रम को समाप्त करने के लिए इस प्रकार की गतिविधियाँ निरंतर जारी रहनी चाहिए। इस अवसर पर क्षमा अग्रवाल यूनिट डायरेक्टर, डॉ सुधा चौधरी सीसीएमजीडब्ल्यूएफ, अनु रस्तोगी चीफ प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर, तथा शुभा अग्रवाल फेडरेशन ऑफिसर के साथ-साथ ग्रुप की सभी सदस्य अलका मंगलम, शुभा अग्रवाल, नीतू अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, अंजली चौधरी ,वंदना गुप्ता, प्राची अग्रवाल, सुरभि अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रिशु अग्रवाल, गीताली अग्रवाल, वर्षा गोयल, पल्लवी भारद्वाज, प्रियांशी अग्रवाल ,काव्या अग्रवाल, मानसी अग्रवाल, मीनाक्षी अग्रवाल आदि के साथ ग्रुप की सभी सदस्य उपस्थित रहीं।

शहर में बिना रजिस्ट्रेशन के दौड़ रहे ई-रिक्शा और उनके कारण लगने वाले जाम को लेकर सौंपा ज्ञापन

समाज जागरण

चंदौसी। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की युवा इकाई के नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय 'अन्नू' के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन दिया और अवैध ई रिक्शा को तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की। अनुज वार्ष्णेय अन्नू का कहना है कि शहर में बिना रजिस्ट्रेशन के दौड़ रहे ई-रिक्शा और उनके कारण लगने वाले भीषण जाम से आम जनता और व्यापार बेहद प्रभावित हो रहा है। । बड़ी संख्या में अवैध और बिना रजिस्ट्रेशन वाले ई-रिक्शा सड़कों पर चल रहे हैं। इसके कारण मुख्य मार्गों जैसे आजाद रोड, मालगोदाम मार्ग और फव्वारा चौक बड़ा बाजार पर रोजाना घंटों का भारी जाम लग रहा है।

कई नाबालिग और अप्रशिक्षित चालक लापरवाही से ई-रिक्शा दौड़ा रहे हैं, जिससे आए दिन शहर में छोटी-मोटी दुर्घटनाएं हो रही हैं। ई रिक्शा का उपयोग भारी समान ढोने के लिए किया जा रहा है जिससे कभी भी अप्रिय घटना घट सकती है अत किसी बड़ी घटना का इंतजार न करते हुए पंजीकृत ई रिक्शा ही नगर में प्रवेश दिया जाये। अधिशासी अधिकारी धर्मपाल ने आश्वासन दिया की तत्काल प्रभाव से अपंजीकरण बाले ई रिक्शा पर कार्यवाही की जाएगी और नगरपालिका में ई रिक्शाओं का पंजीकरण किया जाएगा जिसमे सभी रिक्शा चालकों का आधार कार्ड जरूरी होगा

ज्ञापन में आकाश आहूजा निशांत शर्मा रितिक शुभम अग्रवाल गोविंद तुषार क्रस्टल आदि मौजूद रहे।

रैली के दौरान किशोर पर जानलेवा हमला, तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पुलिस ने केस दर्ज कर तीनों आरोपियों को किया गिरफ्तार

समाज जागरण

गुन्नौर थाना क्षेत्र में भीमराव अंबेडकर जयंती की रैली के दौरान एक किशोर पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित के पिता की तहरीर पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एफआईआर के अनुसार, कस्बा गुन्नौर के मोहल्ला टंकी निवासी प्रेमशंकर ने बताया कि 29 अप्रैल 2026 को शाम करीब 5 बजे उनका 15 वर्षीय बेटा शिवम अंबेडकर जयंती की रैली में शामिल था। इसी दौरान मोहल्ला अस्पताल क्षेत्र के रहने वाले सलीम, राशिद और रिहान ने उससे पानी मांगने को लेकर विवाद शुरू कर दिया।

आरोप है कि तीनों युवकों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए शिवम के साथ मारपीट शुरू कर दी और रैली में शामिल होने से मना किया। विरोध करने पर आरोपियों ने लोहे की चेन से उसके सिर पर हमला कर दिया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। एफआईआर में उल्लेख है कि शिवम के सिर में चार जगह चोट आई है, जबकि हाथ-पैरों और शरीर पर भी कई गंभीर घाव हैं। परिजनों के अनुसार, मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर किसी तरह शिवम की जान बचाई। वहीं, आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। घायल किशोर की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पीड़ित के पिता ने आरोप लगाया कि आरोपी पहले भी विवादित और आपराधिक प्रवृत्ति के रहे हैं, जिससे उनके बेटे की जान को खतरा बना हुआ है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच सीओ गुन्नौर के निर्देशन में शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वही प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है,

एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान चलाएगी केमिस्ट एसोसिएशन - राहिल भारतीय

समाज जागरण

संभल केमिस्ट एसोसिएशन में एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इसके अंतर्गत प्रत्येक मेडिकल पर नशे के विरुद्ध पोस्टर लगाने, किसी भी केमिस्ट पर नशीली दवाओं की बिक्री न करने, शिड्यूल , ल एवं ल1 की दवाइयां केवल डॉक्टर की पर्ची पर देने का संकल्प और शपथ लेने देने का अभियान प्रारंभ करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से तय किया।

शर्मा मेडिकोज पर संपन्न हुई बैठक में केमिस्ट एसोसिएशन के कार्य अध्यक्ष राहिल भारतीय ने कहा कि शासन प्रशासन की मंशा के अनुरूप केमिस्ट एसोसिएशन द्वारा एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान चलाया जाएगा। जिसके अनुसार नगर एवं ग्रामीण अंचल में केमिस्ट बंधुओं के साथ बैठक करके शासन प्रशासन की मंशा से अवगत कराया जाएगा। केमिस्ट एसोसिएशन के सुबोध पाल, शाहनवाज आलम, नसीम, अतुल त्यागी, प्रिय रत्न आर्य, अनिल कुमार अग्रवाल, हेमंत वार्ष्णेय, अजय कुमार शर्मा, अभिजीत पॉल, श्यामशरण शर्मा आदि ने नगर के अनेक मेडिकल पर पहुंचकर मानस नेशनल नारकोटिक्स हेल्पलाइन 1933 अंकित किया हुआ पोस्टर लगाया। केमिस्ट बंधुओं के साथ चर्चा करते हुए प्रशासन की गाइडलाइन का पूर्णतः पालन करने का संकल्प लिया।

विश्व हिंदू महासंघ द्वारा चंदौसी चौराहे को वंदे मातरम चौक घोषित करने की मांग

समाज जागरण

संभल विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति के दिशा निर्देश अनुसार महासंघ के जिला अध्यक्ष महेश शर्मा के नेतृत्व में महासंघ के पदाधिकारी एवं सदस्य गण गुरुवार को संभल नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी कार्यालय में चंदौसी चौराहे को वंदे मातरम चौक घोषित करने की मांग को लेकर वंदे मातरम, भारत माता की जय के नारे लगाते हुए उनके कार्यालय पहुंचे जहां अधिशासी अधिकारी की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधि अमन वर्मा ने मांग पत्र को लिया, ज्ञापन के माध्यम से अधिशासी अधिकारी को अवगत कराया गया कि पूर्व में 23 मार्च ,शहीद दिवस को भी इसी विषय को लेकर जिला अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को इस बाबत प्रस्ताव प्रेषित किया जा चुका है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि वंदे मातरम राष्ट्रभक्ति, स्वाभिमान व सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है । शहर के किसी प्रमुख स्थल को इस नाम से संबोधित किया जाने से समाज में राष्ट्र प्रेम की भावना को बल मिलेगा और नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूक व प्रेरित किया जा सकेगा । इस मौके पर मुख्य अतिथि विनोद नाथ गौ रक्षा प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रेमराज सिंह जिला महामंत्री, प्रकाश चंद शर्मा जिला उपाध्यक्ष, सुधीर कुमार शर्मा जिला उपाध्यक्ष, रजत तिवारी जिला उपाध्यक्ष ,धर्मपाल सिंह जिला मंत्री, जिला धमार्चार्य रमेश आनंद, ब्लॉक अध्यक्ष सुमित ठाकुर ,हरिहर मंदिर पक्षकार राकेश वार्ष्णेय, नितिन गुप्ता ,रवि शंकर, अशोक शर्मा ,रिंकू प्रधान , ठाकुर अशोक ,प्रमोद प्रधान, धमार्चार्य जिला महामंत्री माधवानंद महाराज सहित अनेक पदाधिकारी गण एवं सदस्य उपस्थित रहे।

दभेड़ीखुर्द में दो भाइयों पर हमला, दो गिरफ्तार

समाज जागरण

कैराना।(फुरकान जंग) खेत की मेढ के विवाद में घर में घुसकर दो सगे भाइयों पर जानलेवा हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने दो आरोपियों को बलकटी समेत गिरफ्तार कर लिया। गांव दभेड़ीखुर्द निवासी तसव्वर ने

कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया कि 29 अप्रैल की दोपहर खेत की मेढ को लेकर उसके चचेरे भाइयों सरवर व असलम की मेढ काटने को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद शाम करीब सात बजे गांव के ही अफसरून, कौसर, नौशाद उर्फ सादा व मोनिश उनके घर के अंदर घुस आए, जिन्होंने लाठी–डंडों व धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में सरवर व असलम घायल हो गए। बाद में आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। मामले में पुलिस ने अफसरून व कौसर को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त धारदार बलकटी बरामद हुई। पुलिस ने आरोपियों का चालान कर दिया है।

ट्रैक्टर चालक पर हमला, दंपति नामजद

समाज जागरण

कैराना। ट्रैक्टर चालक के साथ मारपीट करने के मामले में दंपति को नामजद कराया गया। गांव बरनावी निवासी उमर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 26 अप्रैल की शाम करीब चार बजे वह ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर घर लौट रहा था। रास्ते में मुस्तकीम ने उसे ट्रैक्टर का पहिया मकान की पैड़ी पर न चढ़ाने को कहा। इस पर कहासुनी हो गई। आरोप है कि मुस्तकीम ईंट लेकर उसके पीछे दौड़ा और कुछ दूरी पर अपनी पत्नी इशरत के साथ मिलकर उसे रोक लिया। दोनों ने लाठी-डंडों से उसकी पिटाई कर दी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज

समाज जागरण

कैराना। घर में घुसकर मारपीट करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। मोहल्ला आलकलां निवासी समीर ने मुकदमा दर्ज कराया कि 27 अप्रैल की शाम करीब चार बजे वह घर पर मौजूद था। इसी दौरान मोहल्ले के ही साहिब, अनस, दानिश व अन्य अज्ञात युवक उसके घर में घुस आए। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की तथा धमकी देते हुए फरार हो गए।

मामा-मामी पर मारपीट का आरोप

समाज जागरण

कैराना। एक युवती ने अपने मामा व मामी पर मारपीट का आरोप लगाया है। बघरा निवासी शगुन क्षेत्र के गांव बुच्चाखेड़ी में ननिहान में रहती है। उसने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि मंगलवार सुबह करीब आठ बजे शौच करने के बाद घर आई। आरोप है कि उसके मामा दिनेश व मामी संगीता ने उसके साथ लाठी-डंडों से मारपीट कर दी, जिससे वह घायल हो गई। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

दुकान के गल्ले से एक लाख रुपये चोरी

समाज जागरण

कैराना। दुकान से एक लाख की नकदी चोरी के मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। गांव झाड़खेड़ी निवासी विकास ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि तितरवाड़ा चुंगी पर उसकी सेनेटरी हार्डवेयर की दुकान है। गत सोमवार दोपहर करीब तीन बजे वह दुकान बंद कर पानीपत चला गया था।
वापस लौटने पर देखा कि दुकान के गल्ले से एक लाख रुपये गायब थे। चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

युवती को ले जाने में मुकदमा दर्ज

समाज जागरण

कैराना। युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। नगर निवासी एक महिला ने मुकदमा दर्ज कराया कि बेटी का मोहल्ला आलदरम्यान निवासी शिवम के साथ प्रेम–प्रसंग था। इसका पता चलने पर आरोपी पक्ष ने क्षमा मांग ली थी। गत की प्रातः करी साढ़े दस बजे वह व उसका पति मजदूरी के लिए गए हुए थे। इसी दौरान शिवम उसके घर पहुंचा और उसकी 18 वर्षीय बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। आरोप है कि युवती घर में रखे 1.30 लाख रुपये व सोने-चांदी के जेवर भी साथ ले गई। इसमें सहयोगी के रूप में सिल्लू, नीता, अश्वनी व अतुल को भी नामजद कराया गया है।

फोन पर बुलाकर युवक को पीटा

समाज जागरण

कैराना। फोन पर बुलाकर युवक के साथ मारपीट की गई। गांव तितरवाड़ा निवासी इस्तकार ने मुकदमा दर्ज कराया कि मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे उसे सरवर का फोन आया, जिसने उसे पंजीठ से बुच्चाखेड़ी मार्ग पर बुलाया। वहां पहुंचने पर सरवर और उसके अज्ञात साथियों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से उसकी पिटाई कर दी तथा जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

पिकअप ने खड़ी बाइकों को मारी टक्कर

समाज जागरण

कैराना। तेज रफ्तार पिकअप ने खड़ी दो बाइकों में टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। इस दौरान युवक बाल–बाल बच गए। गुरुवार दोपहर मोहल्ला सुंदरनगर निवासी ईशा और भूरा चुंगी निवासी नौशाद बाइक से शामली से कैराना लौट रहे थे। बारिश शुरू होने पर उन्होंने मन्नामाजरा के निकट सड़क किनारे सरकारी शौचालय के पास अपनी बाइकें खड़ी कर दीं और वहां खड़े हो गए। इसी दौरान एक दंपति भी अपनी बाइक रोककर वहीं बारिश से बचने लगा। तभी शामली की ओर से आई तेज रफ्तार पिकअप ने अचानक कट मारते हुए खड़ी बाइकों में टक्कर मार दी, जिससे दोनों बाइकें क्षतिग्रस्त हो गईं। जबकि वे बाल–बाल बच गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पिकअप और चालक को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस ने छुरों के साथ दो आरोपी किए गिरफ्तार

समाज जागरण कांधला।

पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहन चेकिंग अभियान के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो अवैध छुरे बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपियों का चालान कर दिया है।पुलिस अधीक्षक शामली एन.पी. सिंह के निर्देश पर जनपदभर में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला एवं क्षेत्राधिकारी कैराना के नेतृत्व में पुलिस ने कार्रवाई की। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने मोहल्ला खैल निवासी इसरार पुत्र स्व. सईद तथा हसीम पुत्र नईम को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर दोनों के कब्जे से एक-एक अवैध छुरा बरामद हुआ।पुलिस के अनुसार आरोपियों के खिलाफ थाना कांधला में संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है।और दोनों का चालान कर दिया है

अवैध रेत खनन पर पुलिस की छापेमारी, दो गिरफ्तार

समाज जागरण

कैराना।(फुरकान जंग) यमुना नदी में अवैध रेत खनन पर पुलिस ने छापेमारी की। मौके से ट्रक व जेसीबी मशीन के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। यमुना ब्रिज पुलिस चौकी प्रभारी एसआई अखिलेश कुमार टीम के साथ गश्त कर रहे थे। इसी दौरान सूचना मिली कि गांव रामड़ा में यमुना नदी में अवैध रेत खनन किया जा रहा है, जिस पर टीम ने मौके पर छापेमारी की। जहां जेसीबी मशीन से अवैध रेत खनन होता मिला। पुलिस को देखते ही दो आरोपी फरार होने लगे, जिन्हें पीछा कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी नसीर निवासी गांव झांबा थाना सनौली जनपद पानीपत हरिणा ने बताया कि वह डंपर किराए पर चलाता है और

यहां से चोरी से रेत भरकर हरियाणा में बेचता है। वहीं, दूसरे आरोपी शहजाद निवासी राणा माजरा थाना सनौली जनपद पानीपत ने बताया कि वह किराए की जेसीबी से यमुना नदी में खनन करता है। पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों आरोपियों के पास न तो वाहनों के कागजात थे और न ही खनन की कोई अनुमति मिली। वह रेत को हरियाणा में बेचते थे। इसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर डंपर और जेसीबी को सीज कर दिया। इस संबंध में खनन अधिकारी को भी सूचना दी गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

भाकियू चढूनी के पदाधिकारियों ने राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) भारतीय किसान यूनियन चढूनी के पदा धिकारियों ने गुरुवार को जिलाध्यक्ष चौ. निखिल खैवाल के नेतृत्व में देश की राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर हामिद हुसैन को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से किसानों ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित विभिन्न ट्रेड डील और मुक्त व्यापार समझौतों का विरोध जताया। किसान नेताओं का कहना था कि भारत सरकार द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए जा रहे अथवा प्रस्तावित व्यापार समझौते किसानों के हितों के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि देश का किसान पहले से ही बढ़ती लागत, फसलों के उचित मूल्य का अभाव, प्राकृतिक आपदाओं और कर्ज के बोझ जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। ऐसे में यदि विदेशी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजार में प्रवेश दिया गया तो इससे भारतीय किसानों को भारी नुकसान

उठाना पड़ेगा। विदेशों में खेती व्यापार के रूप में की जाती है, जबकि भारत में खेती किसानों की आजीविका का मुख्य साधन है। सस्ते आयातित कृषि उत्पादों के बाजार में आने से किसानों की उपज के दाम गिर जाएंगे, जिससे उनकी आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। किसान नेताओं ने आशंका जताई कि ट्रेड डील के जरिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों को बढ़ावा मिलेगा और कृषि क्षेत्र में निजीकरण तथा कॉर्पोरेट नियंत्रण बढ़ेगा, जिससे देश की खाद्य सुरक्षा भी प्रभावित हो सकती है। भाकियू पदाधिकारियों ने मांग की कि कृषि, डेयरी, पोल्ट्री और किसानों से जुड़े सहायक व्यवसायों को किसी भी मुक्त व्यापार समझौते से बाहर रखा जाए। साथ ही एमएसपी की कानूनी गारंटी सुनिश्चित करने की भी मांग उठाई गई। किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार किसानों के हितों की अनदेखी कर ऐसे समझौते करती है तो किसान आंदोलन के लिए मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

सपा नेताओं ने की 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू किए जाने की मांग

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) गुरुवार को समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं ने 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर लखनऊ में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान शामली एमएलसी किरणपाल कश्यप ने सहित अन्य नेताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और महिलाओं के अधिकारों को लेकर आवाज बुलंद की।
शामली एमएलसी किरणपाल कश्यप ने कहा कि देश की आधी आबादी यानी महिलाओं को उनका संवै धानिक अधिकार दिलाने के लिए 33 प्रतिशत महिला आरक्षण बेहद जरूरी है, लेकिन केंद्र सरकार इस मुद्दे पर गंभीर नजर नहीं आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार

केवल घोषणाएं कर रही है, जबकि जमीनी स्तर पर कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा महिलाओं के सम्मान और अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी मजबूती से लड़ती रहेगी। चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि यदि जल्द महिला आरक्षण लागू नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। किरण पाल कश्यप ने मांग की कि महिला आरक्षण सभी राजनीतिक दलों में समान रूप से लागू किया जाए। साथ ही इसमें सभी वर्गों और सभी धर्मों की महिलाओं को समान प्रतिनिधित्व दिया जाए, जिसमें अनुसूचित जाति
और अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिलाओं को भी उचित भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

पर्यावरण संरक्षण विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

समाज जागरण

झिंझाना।(फुरकान जंग) अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की जिला शामली इकाई के तत्वावधान में झिंझाना नगर इकाई द्वारा एसएफडी के माध्यम से एसडीएस कॉन्वेंट स्कूल झिंझाना में पर्यावरण संरक्षण विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें इस दिशा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना रहा। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने आकर्षक पोस्टरों के माध्यम से पर्यावरण बचाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने तथा दैनिक जीवन में पर्यावरण सुरक्षा के उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर जिला एसएफडी संयोजक वंश बाबरा, नगर मंत्री अंश मित्तल, नगर छात्रा प्रमुख अंशिता शर्मा तथा नगर सह मंत्री विनय तोमर सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मामूली कहासुनी में पथराव, मारपीट पिता-पुत्र समेत दो घायल

समाज जागरण कांधला।

कस्बे के मोहल्ला खेल खालापार में मामूली कहासुनी के बात दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। दोनों पक्षों में जमकर लाठी डंडे व पत्थर बाजी हुई पथराव में नसीम और उसका पुत्र जुनैद गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों दोनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां से जुनैद की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। गालों ने अपना डॉक्टरी प्रशिक्षण के बाद थाने पर तहरीर दी है पुलिस जांच में जुटी हुई है। कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी जुनैद ने बताया कि बुधवार की देर रात्रि कुछ लोग उसके ताऊ के साथ गाली-गलौज कर रहे थे। जब वह बीच-बचाव करने के लिए बाहर आया तो आरोप है कि विरोधी पक्ष के लोगों ने मकान की छत से ईंटें फेंकनी शुरू कर दीं। इसी दौरान एक ईंट उसके सिर में लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। वहीं दूसरी ईंट उसके पिता नसीम को लगी, जिससे वह भी घायल हो गए। दो पक्षों के बीच हुई मारपीट व पत्थर बाजी से मोहल्ले में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जानकारी ली। और घायलों को उपचार के लिए नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों ने मेडिकल परीक्षण कराने के बाद कई लोगों के खिलाफ मारपीट और पथराव करने की शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ितों ने मामले में निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच कर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

कैराना रोड पर सड़क निर्माण से राहगीर व दुकानदार परेशान

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) शहर के कैराना रोड पर चल रहा सडक निर्माण समय से पूरा न होने से आसपास के दुकानदारों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। अधूरे पडे सडक निर्माण के चलते जहां आये दिन हादसे हो रहे है वही उडती धूल के कारण दुकानदारों का जीना मुहाल हो गया है। शहर के कैराना रोड की खस्ताहाल और आये दिन होने वाले जलभराव की समस्या को देखते हुए उद्यमियों और व्यापारियों ने निवर्तमान जिलाधिकारी से सडक निर्माण कराये जाने की मांग की थी, जिसके बाद डीएम अरविन्द कुमाार चौहान ने उद्यमियों और पीडब्लयूडी विभाग के अधिकारियों के साथ
बैठक आयोजित कर 70 लाख रुपए के बजट से सडक का निर्माण कराने का प्रस्ताप पास किया था। उक्त सडक निर्माण को करीब 6 माह बीत गए है, लेकिन विभाग अभी भी आधी अधूरी सडक ही बना सका है। लघु उद्योग भारती के मंडल अध्यक्ष अंकित गोयल ने बताया कि करीब दो माह पूर्व डीएम से मुलाकात कर अधूरे सडक निर्माण को पूरा कराने की मांग की थी। जिसमें 20 दिनों में कार्य पूर्ण करने का आश्वासन दिया था, लेकिन दो माह बीत जाने के बावजूद सडक का निर्माण पूरा नही हो सका। जिस कारण आये दिन सडक हादसे हो रहे है। सडक ऊंची नीची होने के आये स्कूटी, बाईक और वाहन सवार लोग गिरकर चोटिल हो रहे है। यही नही आसपास के दुकानदारों को उडती धूल के कारण भारी दुश्वारियां हो रही है और दमा जैसी बीमारियां होने लगी है। उद्यमियों और व्यापारियों ने शीघ्र सडक का निर्माण पूरा कराने की मांग की है।

उपभोक्ताओं ने स्मार्ट मीटर को लेकर जताई आपत्ति

समाज जागरण
शामली।(फुरकान जंग)

पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल के सुभाष चौक स्थित प्रांतीय मुख्यालय पर गुरुवार को स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं
और व्यापारियों ने बिजली संबंधी समस्याओं को लेकर प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम दास गर्ग से मुलाकात कर समाधान की मांग उठाई। उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर धारकों की बिजली अचानक काट दी जाती है और बिल जमा करने के बाद भी कई-कई दिनों तक विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं की जाती, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं ने कहा कि बिना बिजली के अंधेरे में जीवन यापन करना पड़ रहा है और विभागीय कर्मचारी भी उपभोक्ताओं का सहयोग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याओं का स्थाई समाधान कराने की मांग की।इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम दास गर्ग ने अधीक्षण अभियंता वीरेंद्र सिंह से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं हो सकी। इसके बाद उन्होंने एमडी रविंदर कुमार से वार्ता कर उपभोक्ताओं की समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समस्याओं का स्थाई समाधान नहीं किया गया तो प्रदेशभर के व्यापारी और स्मार्ट मीटर उपभोक्ता आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने मांग की कि एक किलोवाट से छह किलोवाट तक के स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को कम से कम एक माह की राहत दी जाए,

ताकि उपभोक्ता बकाया बिल जमा कर अपनी विद्युत आपूर्ति सुचारु रूप से जारी रख सकें। इस दौरान महेश वर्मा, ऋषभ संगल, प्रमोद वर्मा, अरुण संगल और नितिन गर्ग मौजूद रहे।

धूमधाम के साथ मनाया गया छात्र छात्राओं का जन्म दिन

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) शहर के मेपल्स एकेडमी में गुरुवार को अप्रैल माह में जन्मे नर्सरी से कक्षा दो तक के छात्र-छात्राओं का सामूहिक जन्मदिवस हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने केक काटकर एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का आनंद लिया। विद्यालय में आयोजित समारोह में नर्सरी कक्षा के मिसबाह और वृणिका, केजी के भूविका, कक्षा एक के वाशु वर्मा और आयुष तथा कक्षा दो के अध्यात्म, पीहू, माहिरा, वैदिक, जयंत और दोनात्र का सामूहिक रूप से जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को विशेष महसूस कराना और उनमें अपनत्व की भावना विकसित करना रहा। मौके पर विद्यालय के प्रबंधक मुकेश सिंघल, प्रधानाचार्य मुकेश शर्मा, उपप्रधानाचार्या दीपशिखा पंत तथा शिक्षकों ने जन्मदिन वाले बच्चों को शुभकामनाएं दीं। बच्चों को बर्थडे क्राउन और जन्मदिन सैश पहनाए गए, जिससे उनके चेहरे खुशी से खिल उठे।

टैक्सेशन बार एसोसिएशन की बैठक का आयोजन

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) टैक्सेशन बार एसोसिएशन की एक बैठक झिंझाना रोड स्थित राज्य कर कार्यालय के बार रूम में आयोजित की गई, जिसमें संगठन के विस्तार और आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से एडवोकेट विचित्र विजय गुप्ता को एक बार फिर नए सत्र के लिए अध्यक्ष मनोनीत किया गया।
इसके अलावा विवेक जैन एडवोकेट को महासचिव, श्रवण संगल को कोषाध्यक्ष तथा निखिल संगल को आयकर सचिव नियुक्त किया गया। बैठक की अध्यक्षता एडवोकेट सतपाल सिंह ने की। नवनियुक्त अध्यक्ष एडवोकेट विचित्र विजय गुप्ता ने कहा कि संगठन का बार और बेंच के बीच मधुर संबंध बनाए रखना प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी सदस्य मिलकर कार्य करेंगे और अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। बैठक में अनिरुद्ध गर्ग, श्यामलाल, रमन चौहान, कदम सिंह, मयंक गोयल, प्रवीण गर्ग, निर्भय संगल, नितिन शर्मा, गौरव मित्तल, विनोद गोयल, रजनीश, दीपक मित्तल, पियूष बंसल, नितिन सैनी और अंकित गुप्ता मौजूद रहे।

कच्ची शराब व जुआ सामग्री के साथ दो गिरफ्तार

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए कच्ची शराब और जुआ सामग्री के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चालान कर दिया है।गुरुवार को पुलिस को सूचना मिली कि कैराना मार्ग पर कुछ संदिग्ध व्यक्ति खड़े हुए हैं। सूचना मिलते ही उप निरीक्षक सुनील दत्त पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घेराबंदी कर दो लोगों को पकड़ लिया। पूछताछ में एक आरोपी ने अपना नाम नरेश निवासी मोहल्ला शेखजादगान बताया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 10 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई।दूसरे आरोपी ने अपना नाम सावेज निवासी मोहल्ला खेल बताया। पुलिस ने उसके कब्जे से जुआ खेलने की सामग्री बरामद की। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करते हुए चालान कर दिया।थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि नगर एवं क्षेत्र में अवैध गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे लोगों के खिलाफ अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई की जाएगी और उन्हें जेल भेजा जाएगा।

वाटर कूलर पड़े सूखे नल खराब, राहगीर प्यासे, ठंडे पानी की सुविधा ठप

समाज जागरण
झिंझाना। (फुरकान जंग)

झिंझाना नगर पंचायत मे 8-10 स्थानों पर लगाए गए वाटर कूलर लंबे समय से खराब पड़े हैं। चिलचिलाती गर्मी में राहगीरों और दुकानदारों को शुद्ध व ठंडे पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। इन वाटर कूलरों की सफाई न होने और तकनीकी खराबी के कारण ये बंद पड़े हैं।विशेष रूप से बिडोली बस स्टेंड व मुख्य बाजार के पीएनबी बैंक पर लगे वाटर कूलर से राहगीरो को भारी समस्या से जूझना पड रहा है। कुछ वाटर कूलर तो सफाई के अभाव में नीचे से पूरी तरह गल चुके हैं, और उनके आसपास गंदगी का अंबार लगा है। राहगीर पानी पीना तो दूर, इनके पास जाने से भी कतराते

हैं। थानें के पास लगा वाटर कूलर हो या फिर डेयरी के पास,बिडौली बस स्टेंड या फिर पीएनबी बेंक पर लगा वाटर कूलर सबके सब खराब पडे है। भीषण गर्मी के बावजूद ये ठंड़ा पानी नहीं देते, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।दुकानदार दीपक,फुरकान ,शब्बीर, रिजवान, असलम ,रोहित, गोपाल जैसे स्थानीय लोगों का कहना है कि यह नगर पंचायत की घोर लापरवाही को दशार्ता है। उनका कहना है कि गर्मी के समय में जब पानी की सबसे अधिक आवश्यकता होती है, तब अक्सर वाटर कूलरों में पानी नहीं मिलता। इस संबंध में नगर पंचायत झिंझाना के अधिशासी अधिकारी समीर कश्यप ने बताया कि मरम्मत कार्य चल रहा है , प्लंबर मिस्त्री को बुलाया गया है मिस्त्री लगे हुए है एक सप्ताह के अंदर समस्या वाटर कूलरो की मरम्मत का कार्य पूरा हो जायेगा।

भाजपा की 'जन आक्रोश पदयात्रा' आयोजित, महिला आरक्षण के समर्थन में दिखी नारी शक्ति

समाज जागरण

बागपत। भारतीय जनता पार्टी द्वारा नगर में जन आक्रोश पदयात्रा निकाली गई। नगर मंडल अध्यक्ष संदीप वशिष्ठ के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला महामंत्री अजय शर्मा उपस्थित रहे। अजय शर्मा

ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा महिलाओं के सर्वोपरि हित के लिए कार्य किया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू कर ऐतिहासिक कदम उठाया गया, लेकिन विपक्षी गठबंधन की वजह से महिला आरक्षण बिल अभी पूरी तरह पास नहीं हो पाया है। भाजपा नेत्री राखी राजपूत ने कहा कि विपक्ष द्वारा आरक्षण बिल पास न होने पर महिलाओं में आक्रोश है, जिसके विरोध में यह पदयात्रा निकाली गई। इस अवसर पर राखी राजपूत, मंजीत कौर, ममता, प्रिया, सरोज कश्मीरी, बबीता, शारदा, कर्मवीरी, मितलेश राजपूत, सुधीर चौहान, कुलदीप भारद्वाज, दीपक शर्मा, डॉ विनय त्यागी, अक्षय चौधरी, मांगेराम कश्यप, जयदीप, हिमांशु कौशिक, विकास शर्मा सहित महिलाएं व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्रमिक कल्याण के लिए संवेदनशील बने सरकार-उद्योग जगत - अभिमन्यु गुप्ता

समाज जागरण

बागपत। अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को अग्रवाल धर्मशाला में जिला व्यापार मंडल की बैठक हुई। जिलाध्यक्ष अभिमन्यु गुप्ता ने कहा कि श्रमिकों के बिना उद्योग-व्यापार चल नहीं सकता। सरकार व उद्योग जगत को श्रमिक कल्याण के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ श्रमिकों तक नहीं पहुंच रहा। ईंट भट्ठों में बाल श्रमिक तक काम कर रहे हैं, पर उचित मजदूरी नहीं मिलती। गुप्ता ने बाल श्रम पर रोक और रिक्शा चालकों के लिए योजना बनाने की मांग की। साथ ही साइकिल, बीमा, बेटी के विवाह पर अनुदान जैसी योजनाओं की सराहना की। बैठक में हंसराज गुप्ता, पंकज गुप्ता, दीपक गोयल, मनोज मित्तल, डॉ. रामलाल, राजीव गोयल समेत व्यापारी मौजूद रहे।

चार बच्चों की मां को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने गांव के ही दो भाइयों और एक महिला पर उसकी पत्नी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया है। पीड़ित का कहना है कि उसकी पत्नी घर से हजारों रुपये की नगदी और जेवरात भी साथ ले गई। मामले में पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर पत्नी की बरामदगी की गुहार लगाई है।गुरुवार को पीड़ित अपने चार बच्चों के साथ थाने पहुंचा। उसने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बुधवार की रात वह अपने परिवार के साथ घर में सो रहा था। आरोप है कि गांव के ही दो भाई और एक महिला उसकी पत्नी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए। पीड़ित ने बताया कि उसकी पत्नी घर में रखी नगदी और जेवरात भी साथ ले गई है। काफी खोजबीन करने के बाद भी उसकी पत्नी का कहीं सुराग नहीं लग रहा है।मां के अचानक घर से चले जाने के बाद बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की माओग करते हुए पत्नी की बरामदगी की मांग की है। पुलिस ने मामले में पीड़ित व्यक्ति को कार्रवाई का आश्वासन देते हुए महिला और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पड़ोसी पर मारपीट व धमकी देने का आरोप

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र गाव मतनावली निवासी व्यक्ति ने पड़ोसी पर पुरानी रंजिश के चलते गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। गुरुवार को थाना क्षेत्र के गांव मतनावली निवासी पप्पी दास बताया कि उसका पड़ोसी काफी समय से पीड़ित सहित परिवार से रंजिश रखता है। आरोप है कि उसका पुत्र रितेश कुमार 10वीं का छात्र है पड़ोसी व्यक्ति का पुत्र मुकुल आए दिन उसके पुत्र को परेशान करता है। विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए मारपीट की तथा विरोध करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। पीड़ित का कहना है कि पूर्व में भी दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो चुकी है।आरोपी पक्ष लगातार दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है, जिससे परिवार में भय का माहौल बना हुआ है। पीड़ित ने मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। पुलिस ने जांच करने के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

निःशुल्क ड्रेस और पुस्तकें पाकर खिले बच्चों के चेहरे

समाज जागरण कांधला।(फुरकान जंग)

क्षेत्र के गांव नाला के महर्षि कश्यप इंटर कॉलेज में गुरुवार को शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सराहनीय पहल की गई। कॉलेज प्रबंधक के पुत्र डॉ. सुमित और उनकी पत्नी तन्वी ने विद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राओं को निःशुल्क ड्रेस और पुस्तकें वितरित कीं।विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम

के दौरान छात्र-छात्राओं में खासा उत्साह देखने को मिला। शैक्षिक सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस मौके पर डॉ. सुमित ने कहा कि शिक्षा सबसे बड़ा दान है और बच्चों को शिक्षित बनाना समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ड्रेस और पुस्तकें वितरित कर उन्हें आत्मिक संतोष और खुशी महसूस हो रही है।कार्यक्रम के दौरान दंपति ने छात्र-छात्राओं को लगन और मेहनत के साथ शिक्षा प्राप्त कर जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही नियमित रूप से विद्यालय आने और शिक्षा के महत्व को समझने का संदेश दिया गया।कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य अंकुर कुमार कश्यप ने किया। इस दौरान बाबूराम, केसोराम, राजेश कुमार सहित विद्यालय स्टाफ, गणमान्य लोग और ग्रामीण मौजूद रहे।

रूबरू मिस्टर इंडिया फाइनल में पहुंचे बागपत के हर्षित सोलंकी, गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल में हुआ सम्मान

पूर्व विधायक सत्येंद्र सोलंकी के भतीजे ने बढ़ाया जिले का मान, गोवा में होगा फाइनल मुकाबला; स्कूल प्रबंधक ने मोमेंटो देकर दी शुभकामनाएं

समाज जागरण

बागपत। बागपत के हर्षित सोलंकी का चयन प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 'रूबरू मिस्टर इंडिया' के फाइनल के लिए हुआ है। इस उपलब्धि पर आज गुरुवार को गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल, जीवाणा में स्कूल प्रबंधक डॉ. अनिल आर्य ने हर्षित को मोमेंटो देकर सम्मानित किया।पूर्व विधायक सत्येंद्र सोलंकी के भतीजे व हरेंद्र सोलंकी के पुत्र हर्षित सोलंकी ने जिले का नाम रोशन किया है। हर्षित का चयन देश की प्रतिष्ठित मॉडलिंग प्रतियोगिता 'रूबरू मिस्टर इंडिया' के फाइनल राउंड के लिए हुआ है। इस उपलब्धि पर गुरुवार को हर्षित के गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल, जीवाणा पहुंचने पर विद्यालय परिवार ने उनका

जोरदार स्वागत किया। स्कूल प्रबंधक डॉ. अनिल आर्य ने हर्षित सोलंकी को मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने हर्षित की सफलता पर खुशी जताई और तालियों से उनका हौसला बढ़ाया। बताया गया कि 'रूबरू मिस्टर इंडिया' प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले आगामी माह गोवा में आयोजित किया जाएगा। हर्षित सोलंकी ने विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं से फेसबुक और इंस्टाग्राम के माध्यम से उन्हें फॉलो कर समर्थन देने की अपील भी की है।

देश की तरक्की के लिये शिक्षा जरूरी : देशवीर नैन

समाज जागरण बागपत।

स्वर्गीय राजकली देवी की दूसरी पुण्यतिथि के अवसर पर स्व राजकली देवी मैमोरियल ट्रस्ट के सौजन्य से प्राथमिक विद्यालय नंबर 2, सरूरपुर कलां के प्रांगण में 17 मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित कर शिक्षा के प्रति प्रेरित करना तथा स्व राजकली देवी के आदर्शों को आगे बढ़ाना रहा। समारोह में एस्रो के निदेशक संजय राणा, दरवेश नैन, अंकित कुमार, मुकेश कुमार एवं अभिभावकगण व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए देशवीर नैन ने कहा कि शिक्षा ही समाज को नई दिशा देने का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि मेधावी

विद्यार्थियों का सम्मान केवल उनकी उपलब्धियों का सम्मान नहीं, बल्कि पूरे समाज की प्रगति का सम्मान है। ऐसे कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और उन्हें भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने स्व राजकली देवी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका जीवन सेवा, संस्कार और शिक्षा के मूल्यों से परिपूर्ण था। ट्रस्ट उनके आदर्शों को समाजहित में निरंतर आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह एवं सम्मान भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रेनू सिंह, अपर्णा त्यागी, निशु, ज्योति, पूनम आदि उपस्थित रहे।

गौरैया बसाओ-पौधे लगाओ अभियान के तहत पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष को भेंट किया चिड़िया का घोंसला

आँखें मीडिया ने दिलाया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प, सूरजपाल गुर्जर बोले- संस्था ईश्वर के दूत की तरह कर रही मानवता की सेवा

समाज जागरण

बड़ौत। सामाजिक संस्था आँखें मीडिया सोशल नेटवर्क द्वारा चलाए जा रहे गौरैया बसाओ पौधे लगाओ अभियान के तहत बुधवार को समाजसेवी आर० आर ० डी ० उपाध्याय गांव बुढ़ेढ़ा पहुंचे। उन्होंने भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं शिक्षाविद सुरजपाल गुर्जर को उनके परिवार की उपस्थिति में चिड़िया का घोंसला भेंट कर पर्यावरण व प्रकृति के प्रति समर्पित रहने का संकल्प दिलाया।आर०आर०डी० उपाध्याय ने कहा कि सनातन संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम का भाव दशार्ती है। संपूर्ण पृथ्वी एक परिवार है, इसलिए हमें

छोटे-छोटे जीवों की भी चिंता करनी चाहिए क्योंकि वे भी हमारे परिवार का हिस्सा हैं। पूर्व जिलाध्यक्ष सुरजपाल गुर्जर ने आँखें संस्था के अभियान की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण व प्रकृति को समर्पित यह संस्था ईश्वर के दूत के रूप में मानवता का संदेश दे रही है। इस अवसर पर सुरजपाल गुर्जर के साथ उनकी धर्मपत्नी सरला देवी, पुत्री कुमारी अंजू, पुत्र गौरव व वरुण उपस्थित रहे।

सोनागिर क्षेत्र से चोरी हुई भगवान चन्द्रप्रभु की प्रतिमा हुई बरामद : विनोद जैन

समाज जागरण बागपत।

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट विनोद जैन ने बताया कि सोनागिर क्षेत्र से चोरी हुई चन्द्रप्रभु भगवान की प्रतिमा को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के प्रयास से बरामद कर लिया गया है। विनोद जैन ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को एक पत्र भेजा था। उन्होंने मुख्यमंत्री से दतिया मध्य प्रदेश के सोनागिर सिद्धक्षेत्र से चोरी हुई भगवान चंद्रप्रभु की रजत प्रतिमा एवं सिंहासन की तुरंत बरामद करने की मांग की थी। विनोद जैन ने बताया कि मध्य प्रदेश के दतिया जिले में स्थित सुप्रसिद्ध सोनागिर सिद्धक्षेत्र में

एक अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई थी। मंदिर से चोरों द्वारा भगवान चंद्रप्रभु की साढ़े सात किलो चाँदी की प्रतिमा एवं लगभग ढाई किलो चाँदी का सिंहासन चोरी कर लिया था।इस घटना के कारण पूरे भारतवर्ष के जैन समाज और अनुयायियों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया था। उन्होंने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री से कहा था कि आप इस घटना की गंभीरता को देखते हुए स्वयं संज्ञान लें। पुलिस एवं प्रशासन को अविलंब कड़े निर्देश जारी करें, ताकि चोरी गई पवित्र प्रतिमा और सिंहासन को शीघ्र बरामद किया जा सके। साथ ही उन्होंने दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही सुनिश्चित करने की भी मांग की थी। उनके पत्र को गंभीरता से लेते हुए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के प्रयासों से भगवान चन्द्रप्रभु की प्रतिमा को बरामद कर लिया गया है, जिसको लेकर जैन समाज के लोगों में हर्ष की लहर है।

तीन तलाक की धमकी देकर विवाहिता को घर से निकाला, पति पर मारपीट का आरोप

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र के गांव मलकपुर निवासी एक विवाहिता ने अपने पति पर मारपीट करने, तीन तलाक की धमकी देने तथा घर से निकालने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने थाने पहुंचकर आरोपी पति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। गुरुवार को थाना क्षेत्र के गांव मलकपुर निवासी हुस्न ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका विवाह हरियाणा के पानीपत की विद्या नंद कॉलोनी निवासी नौशाद के साथ हुआ था। आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद तक सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन बाद में पति का व्यवहार बदल गया और वह आए दिन गाली-गलौज व मारपीट करने लगा।पीड़िता का आरोप है कि आरोपी पति ने उसके साथ मारपीट की और विरोध करने पर तीन तलाक देने की धमकी दी। इतना ही नहीं, कार्रवाई करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए उसे घर से बाहर निकाल दिया। किसी तरह वह अपने मायके पहुंची और परिजनों को पूरी जानकारी दी। पीड़िता अपने परिजनों के साथ थाने पहुंची और आरोपी पति के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए

तहरीर दी। पुलिस मैं पीड़ित विवाहित महिला को कार्रवाई का आश्वासन देते हुए मामले की छांव में शुरू कर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार का कहना है की तहरीर प्राप्त हुई है जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

भीषण गर्मी में बिजली कटौती से उपभोक्ता बेहाल, प्रीपेड मीटर के बावजूद समस्या बरकरार

समाज जागरण
झिंझाना। (फुरकान जंग)

चिलचिलाती गर्मी के बीच क्षेत्र में हो रही लंबे-लंबे समय की बिजली कटौती ने उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दिन हो या रात, बिजली कभी कुछ देर के लिए आती है तो कई-कई घंटे तक गायब रहती है, जिससे लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। स्थानीय उपभोक्ताओं का कहना है कि भीषण गर्मी के चलते बिजली की सबसे अधिक आवश यकता होती है, लेकिन इसी समय बिजली विभाग की आपूर्ति व्यवस्था चरमरा जाती है। पंखे, कूलर और अन्य उपकरण ठप पड़ने से लोग गर्मी से परेशान होकर रातें जागकर बिताने को मजबूर हैं।

बिजली विभाग के जेई सुरजीत कुमार ने बताया कि गर्मी के कारण बिजली की मांग अचानक बढ़ जाती है, जिससे ओवरलोड की समस्या उत्पन्न होती है और वही बड़े बिजली घरों पर कार्य चल रहा है।वहीं दूसरी ओर उपभोक्ताओं का आरोप है कि विभाग अपनी तकनीकी व्यवस्थाओं को समय के अनुसार मजबूत नहीं कर पा रहा है। कस्बे में प्रीपेड मीटर व्यवस्था लागू होने के बावजूद उपभोक्ताओं को राहत नहीं मिल रही है। लोगों का कहना है कि जब विभाग समय पर बिल वसूली और प्रीपेड सिस्टम लागू कर रहा है, तो उसे बिजली आपूर्ति भी सुचारू रूप से सुनिश्चित करनी चाहिए।

क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि बिजली विभाग बढ़ते लोड को ध्यान में रखते हुए ट्रांसफार्मर और अन्य उपकरणों की क्षमता बढ़ाए, ताकि गर्मी के इस मौसम में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

थाना चोपन पुलिस का सराहनीय कदम – साइबर ठगी पीड़ित को ₹ 60,000/- की धनराशि वापस दिलाने में मिली सफलता

समाज जागरण/
आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के कुशल मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के प्रभावी पर्यवेक्षण में जनपद में साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना चोपन पुलिस द्वारा एक सराहनीय सफलता अर्जित की गई है। आवेदक धीरेन्द्र मिश्रा के अनुसार वादी के साथ दिनांक 29.01.2026 को अज्ञात साइबर अपराधियों द्वारा आधार आईडी सेंटर स्थापित कराने का झांसा देकर UPI के माध्यम से ₹ 1,00,000/- (एक लाख रुपये) की धोखाधड़ी की गई थी। इस संबंध

में पीड़ित द्वारा साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए थाना चोपन की साइबर हेल्प डेस्क टीम द्वारा त्वरित एवं सुनियोजित कार्यवाही करते हुए तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से संदिग्ध लेन-देन का सफलतापूर्वक पता लगाया गया। तत्पश्चात संबंधित बैंक से प्रभावी समन्वय स्थापित कर धनराशि को होल्ड/फ्रीज कराया गया तथा नियमानुसार रिवर्सल प्रक्रिया पूर्ण कराई गई। उक्त प्रभावी कार्यवाही के परिणामस्वरूप ठगी की गई धनराशि में से ₹60,000/- (साठ हजार रुपये) सफलतापूर्वक पीड़ित के बैंक खाते में वापस कराई गई। धनराशि प्राप्त होने पर पीड़ित द्वारा थाना चोपन पुलिस टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भूरी-भूरी प्रशंसा की गई।

प्लॉट बेचने के नाम पर महिला से ठगी का आरोप, जान से मारने की धमकी

समाज जागरण

कांधला। थाना क्षेत्र की जन्नत कॉलोनी निवासी महिला ने एक व्यक्ति पर प्लॉट बेचने के नाम पर धोखाधड़ी करने तथा पैसे मांगने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र की जनता कॉलोनी निवासी इसराना पत्नी इरफान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसने बागपत जनपद के थाना बड़ौत क्षेत्र के गांव फर्खपुर शेखपुरा निवासी मौसम अली से देहात क्षेत्र में प्लॉट संख्या 775 व 776 खरीदने का सौदा किया था। आरोप है कि व्यक्ति ने उक्त प्लॉट किसी अन्य व्यक्ति के नाम होने की बात कहते हुए बैनामा कराने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ली थी।पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने प्लॉट का सौदा तय होने पर उससे 50 हजार रुपये नकद ले लिए थे तथा बाद में 10 जून 2026 तक 2.50 लाख रुपये में प्लॉट का बैनामा कराने का आश्वासन दिया था। महिला का कहना है कि आरोपी ने बाद में उक्त प्लॉट किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया और न तो उसके रुपये वापस किए और न ही बैनामा कराया।महिला ने आरोप लगाया

कि जब उसने अपने रुपये वापस मांगे तो आरोपी ने उसके साथ अभद्रता करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने तथा रुपये वापस दिलाने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी को दी गई गरिमामय विदाई

समाज जागरण/
आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में हे0का0 शशिधर त्रिपाठी अधिवर्षता आयु पूर्ण कर पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त हुए। इन्होंने अपने संपूर्ण सेवाकाल के दौरान पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं कर्तव्यपरायणता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया।

हे0का0 शशिधर त्रिपाठी द्वारा पुलिस विभाग में दीर्घकालीन सेवाएं प्रदान की गईं तथा विभिन्न स्थानों पर रहते

हुए अपने कर्तव्यों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया गया, जो विभाग के लिए सराहनीय रहा।

उक्त अवसर पर आयोजित विदाई समारोह में क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ0 चारू द्विवेदी द्वारा सेवानिवृत्त कार्मिक को उपहार, स्मृति-चिह्न एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उनके स्वस्थ, सुखद एवं समृद्ध भविष्य की कामना करते हुए भावभीनी विदाई दी गई।

अन्य अधिकारीगण एवं पुलिस कर्मियों द्वारा भी सेवानिवृत्त होने वाले कार्मिक के उज्ज्वल भविष्य हेतु हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग द्वारा दमोह स्थित मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट का किया गया औचक निरीक्षण

समाज जागरण जिला
संवाददाता उदय सिंह लोधी

मौके पर परिसर में दूध एवं दुग्ध पदार्थों के निर्माण,स्टोरेज,ट्रांसपोर्ट एवं फूड हाइजीन मेंटेनेंस की हुई जांच कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के निदेशों के तहत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा जांच दल ने निरीक्षण कार्यवाही करते हुए दमोह में मारुताल इंडस्ट्रियल एरिया स्थित मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट का औचक निरीक्षण किया। कार्यवाही में मारुताल इंडस्ट्रियल एरिया स्थित विद्यासागर मिल्क एंड एग्रो प्राइवेट लिमिटेड मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट में बल्क मिल्क चिलिंग यूनिट,पनीर,दही,घी, मिल्क क्रीम आदि दुग्ध पदार्थों के निर्माण,भंडारण एवं ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था की जांच की गई। मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट संचालक को शुद्ध दूध का उपयोग करते हुए पनीर, दही, मिल्क क्रीम एवं घी का निर्माण भंडारण एवं विक्रय करने हेतु निर्देशित किया गया। मौके पर विद्यासागर मिल्क एंड एग्रो प्राइवेट लिमिटेड मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट के संचालक को फूड लाइसेंस की प्रति स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने हेतु निर्देशित किया गया। कार्यरत फूड हैंडलर्स को एप्रन,हेड कवर एवं हैंड ग्लव्स का उपयोग करने हेतु निर्देशित किया गया। परिसर में पेस्ट कंट्रोल प्रबंधन करवाने हेतु निर्देशित किया गया। परिसर में दुग्ध पदार्थों के समुचित तरीके से भंडारण करने हेतु निर्देशित किया गया। इंटरनल लैबोरेटरी को व्यवस्थित करने हेतु निर्देशित किया गया। पैकेजिंग मटेरियल के फूड ग्रेड सर्टिफिकेट प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया। परिसर में इंस्टॉल सभी उपकरणों को कैलीब्रेट करने हेतु निर्देशित किया गया। परिसर में यूनिट का फ्लो चार्ट लगवाने हेतु निर्देशित किया गया।

शासकीय उचित मूल्य की दुकान पर लापरवाही, 30 से 40 ग्रामीण अप्रैल के राशन से वंचित

समाज जागरण जिला
संवाददाता उदय सिंह लोधी

रनेह/दमोह रनेह ग्राम में शासकीय उचित मूल्य की दुकान क्रमांक 2 पर गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है, जहां लगभग 30 से 40 ग्रामीणों को अप्रैल माह का राशन नहीं मिल पाया। जानकारी के अनुसार, अप्रैल माह की खाद्यान्न पर्ची 27 अप्रैल तक काटी जानी थी, जिसके बाद पोर्टल बंद हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें इस अंतिम तिथि की कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई, जिसके कारण वे समय पर पर्ची नहीं कटवा सके।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि दुकान की विक्रेता सपना कोरी ने समय रहते पर्चियां नहीं काटीं। उनका कहना है कि विक्रेता अपने निजी कारणों, विशेषकर घर में शादी होने के चलते, इस कार्य में लापरवाही बरती। साथ ही ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि विक्रेता का व्यवहार ठीक नहीं है और वह लोगों से उचित तरीके से बात नहीं करतीं। ग्रामीणों की मांग है कि खाद्यान्न पर्ची

गांव में घर-घर जाकर काटी जाए, न कि केवल दुकान पर।

वहीं दूसरी ओर, विक्रेता सपना कोरी का कहना है कि उन्होंने समय रहते सभी को सूचना दे दी थी, लेकिन ग्रामीणों ने उस पर ध्यान नहीं दिया। इस विवाद के चलते अभी तक कोई स्पष्ट निष्कर्ष नहीं निकल पाया है और बड़ी संख्या में लोग अपने हक के राशन से वंचित रह गए हैं।

खाद्यान्न अधिकारी राकेश कनौआ से बातचीत में यह सामने आया कि विभाग द्वारा सूचना पहले ही भेज दी गई थी। अब जिन लोगों को राशन नहीं मिल पाया है, उनके लिए पुनः आवेदन तैयार कर भोपाल भेजा जाएगा, ताकि आगे की कार्यवाही की जा सके।

खबर का असर

हनुमान गेट पर टूटती पाइपलाइन और धंसती सड़क का स्थायी समाधान शुरू, स्थानीय लोगों ने जताया आभार

- सांसद धर्मवीर सिंह और विधायक व जिला प्रशासन का आभार: भारद्वाज
- पाइपलाइन टूटने से हजारों लीटर पानी हो रहा था बर्बाद : अशोक

समाज जागरण, जिला संवाददाता।
(महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी। शहर के हनुमान गेट क्षेत्र में लंबे समय से राष्ट्रीय राजमार्ग 709 ई पर सड़क धंसने और बार-बार वाटर सप्लाई पाइपलाइन टूटने की गंभीर समस्या के समाधान के लिए अब स्थायी कार्य शुरू हो गया है। इस समस्या के कारण स्थानीय निवासियों के साथ-साथ दिल्ली, पिलानी और राजस्थान की ओर जाने वाले हजारों यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। सड़क धंसने से यातायात प्रभावित हो रहा था और दुर्घटनाओं का खतरा भी लगातार बढ़ रहा था। जल संरक्षण साक्षरता अभियान के सूत्रधार एवं भारत सरकार से राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज ने इस समस्या को मुख्यमंत्री नायब सैनी, सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह, विधायक घनश्याम सर्राफ तथा जिला प्रशासन के समक्ष वीडियो और तस्वीरों के माध्यम से प्रमुखता से उठाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सांसद धर्मवीर सिंह ने संबंधित अधिकारियों और प्रशासन के साथ बैठक कर त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

अब प्रशासन और संबंधित विभाग द्वारा सड़क, सीवरेज और पाइपलाइन की समस्या के स्थायी समाधान के लिए कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। अशोक कुमार भारद्वाज ने सांसद, विधायक और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस समाधान से हजारों लीटर पेयजल की बबार्दी रुकेगी, सीवरेज मिश्रित जल की समस्या समाप्त होगी और रामगंज मोहल्ला, पतराम गेट, हनुमान गेट सहित आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा।

उन्होंने कहा कि बार-बार पाइपलाइन टूटने और सड़क धंसने की समस्या भविष्य में बड़े हादसे का कारण बन सकती थी। संबंधित विभाग के जेई ताज ने भी आश्वासन दिया है कि जल्द ही इस समस्या का पूर्ण स्थायी समाधान कर दिया जाएगा। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल का स्वागत करते हुए राहत की उम्मीद जताई है।

शिरोमणि कमेटी द्वारा तीसरे गुरु श्री गुरु अमरदास जी के प्रकाश पर्व के मौके पर गुरुद्वारा श्री मंजी साहिब में श्री अखंड पाठ साहिब के पाए भोग

सिख जनरल हरि सिंह नलवा के शहीदी दिवस के मौके पर गुरमति समागम

(रघुनंदन पराशर जैतो समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब)

पंजाब अमृतसर, 30 अप्रैलःतीसरे गुरु श्री गुरु अमरदास जी के प्रकाश पर्व के मौके पर आज गुरुद्वारा श्री मंजी साहिब दीवान हॉल में श्री अखंड पाठ साहिब के भोग पाए गए। इस मौके पर सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब के हजूरी रागी भाई सुखप्रीत सिंह ने गुरबानी कीर्तन किया। भाई सरवन सिंह ने अरदास की और सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब के ग्रंथी सिंह साहिब ज्ञानी परविंदरपाल सिंह ने संगत को पवित्र हुक्मनामा सुनाया। इस मौके पर ज्ञानी परविंदरपाल सिंह ने संगत के साथ श्री गुरु अमरदास जी के जीवन के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि श्री गुरु अमरदास जी ने गुरु दरबार में विनम्रता के साथ जो सेवा की, वह हर सिख के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि तीसरे गुरु ने लंगर प्रथा को और मजबूत करते हुए पहले संगत और फिर पंगत की शिक्षा दी और जात-पात का भेदभाव खत्म किया। उन्होंने युवाओं से इतिहास से प्रेरणा लेने और बाणी बाणा के वाहक बनने की अपील की। इस बीच, सिख जरनल हरि सिंह नलवा के शहीदी दिवस के मौके पर गुरुद्वारा श्री मंजी साहिब दीवान हॉल में श्री अखंड पाठ साहिब के भी भोग पाए गए। इस मौके पर कथावाचक भाई हरमित्र सिंह ने संगत के साथ हरि सिंह नलवा का इतिहास साझा किया और कहा कि सिख राज्य की स्थापना में उनका खास योगदान था। उन्होंने लोगों को हरि सिंह नलवा के जीवन इतिहास से मार्गदर्शन लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया। इस मौके पर शिरोमणि कमेटी के सचिव बलविंदर सिंह काहलवां, श्री दरबार साहिब के जनरल मैनेजर मेजर सिंह, इंचार्ज जगजीत सिंह, बलदेव सिंह, शिवराज सिंह, एडिशनल मैनेजर इकबाल सिंह मुखी, बिक्रमजीत सिंह झंगी, युवराज सिंह, जसबीर सिंह, गुरतिंदरपाल सिंह कादिया, डिप्टी मैनेजर अजय सिंह व अन्य मौजूद थे। श्री गुरु अमरदास जी के प्रकाश पर्व व सिख जरनल हरि सिंह नलवा के शहीदी दिवस पर आयोजित प्रोग्राम के दृश्य।

अश्विनी वैष्णव ने जम्मू और श्रीनगर को जोड़ने वाले 20 कोचों वाले वंदे भारत मार्ग को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

(रघुनंदन पराशर समाज जागरण चीफ ब्यूरो)

नई दिल्ली,30 अप्रैल :केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को जम्मू-तवी को कटरा होते हुए श्रीनगर से जोड़ने वाली विस्तारित वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो जम्मू और कश्मीर में रेल संपर्क को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।इस अवसर पर बोलते हुए वैष्णव ने कहा कि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रखरखाव प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करना सर्वोपरि है, जबकि अगली प्राथमिकता पटरियों के दोहरीकरण के माध्यम से जम्मू-श्रीनगर रेल कॉरिडोर पर क्षमता बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि काजीगुंड-अरिनगर खंड के दोहरीकरण का कार्य चल रहा है, जिससे इस मार्ग पर अधिक ट्रेनों का संचालन संभव हो सकेगा।मंत्री जी ने बताया कि जम्मू-कटरा-श्रीनगर मार्ग पर चलने वाली वंदे भारत सेवा की मांग जबरदस्त रही है और अब तक 55 लाख से अधिक यात्री इसमें सफर कर चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह ट्रेन अत्याधुनिक तकनीक से लैस है और इसमें माइनस 10 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान सहित अत्यधिक ठंड में भी चलने की क्षमता है। इसमें जमने से बचाने के लिए विशेष प्रणालियां भी लगी हैं।इसके आर्थिक प्रभाव को रेखांकित करते हुए, वैष्णव ने कहा कि रेल संपर्क ने घाटी से माल ढुलाई को बढ़ावा दिया है, जिसके तहत लगभग 2 करोड़ किलोग्राम सेब दिल्ली ले जाए गए हैं और चेरी की खेप के लिए विशेष बुकिंग की गई है।जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इस उन्नत सेवा से यात्रियों और व्यापार दोनों को काफी लाभ होगा। उन्होंने बताया कि 8 से 20 कोचों की वृद्धि से ट्रेन की क्षमता बढ़कर लगभग 1,400 यात्रियों की हो गई है, साथ ही निर्माण सामग्री, वाहनों और बागवानी उत्पादों सहित माल ढुलाई में भी सुधार हुआ है।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कश्मीर घाटी के लिए लंबे समय से लंबित रेल लिंक को पूरा करने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्रालय को दिया और इसे क्षेत्रीय संपर्क में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।यह ट्रेन, जो पहले श्रीनगर और श्री माता वैष्णो देवी कटरा के बीच चलती थी, अब जम्मू तवी तक चलेगी, जिससे घाटी राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से और अधिक सीधे तौर पर जुड़ जाएगी। यह सेवा 2 मई, 2026 से नियमित रूप से शुरू होगी, जिसमें सप्ताह में छह दिन ट्रेनों की दो जोड़ियाँ चलेंगी, जो जम्मू और श्रीनगर से सुबह और दोपहर दोनों समय यात्रा का विकल्प प्रदान करेंगी।

इस विस्तार से यात्रियों को कटरा में ट्रेन बदलने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी, जिससे पूरे क्षेत्र में सुगम यात्रा संभव हो सकेगी। इससे विशेष रूप से श्री माता वैष्णो देवी के दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों और कश्मीर घाटी की यात्रा करने वालों के साथ-साथ पर्यटकों और स्थानीय यात्रियों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

इस विकास से हर मौसम में बेहतर संपर्क सुनिश्चित होता है, खासकर सर्दियों के महीनों में जब जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर बर्फबारी के कारण सड़क मार्ग अक्सर बाधित हो जाता है। इस मार्ग पर चलने वाली वंदे भारत ट्रेनों में उन्नत हीटिंग सिस्टम और मौसम-प्रतिरोधी विशेषताएं हैं, जिससे विश्वसनीय संचालन सुनिश्चित होता है।इस विस्तारित सेवा से जम्मू और कश्मीर घाटी के बीच हस्तशिल्प और कृषि उत्पादों सहित वस्तुओं की तेज और अधिक कुशल आवाजाही को सक्षम बनाकर व्यापार और स्थानीय व्यवसायों को भी समर्थन मिलने की उम्मीद है।

यह परियोजना भारत की सबसे महत्वाकांक्षी रेलवे अवसंरचना परियोजनाओं में से एक, व्यापकउधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (वरइफ्छ) का हिस्सा है। इस मार्ग पर स्थित प्रमुख इंजीनियरिंग उपलब्धियों में विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे मेहराब पुल, चेनाब रेल पुल और भारत का पहला केबल-स्टे रेलवे पुल, अंजी खड्ड पुल शामिल हैंपिछले एक दशक में, जम्मू और कश्मीर में रेलवे के बुनियादी ढांचे में लगातार विस्तार हुआ है, जिसमें विद्युतीकरण, स्टेशन का पुनर्विकास और बेहतर कनेक्टिविटी शामिल है, जिसका उद्देश्य इस क्षेत्र को देश के बाकी हिस्सों के साथ अधिक निकटता से एकीकृत करना है।

रक्षा मंत्री ने नई दिल्ली में इटली के रक्षा मंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता की

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 30 अप्रैल, 2026 को नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में इटली के रक्षा मंत्री श्री गुइडो क्रोसेटो के साथ एक द्विपक्षीय बैठक की। दोनों मंत्रियों ने इस बात को दोहराया कि भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी शांति, स्थिरता, स्वतंत्रता और पारस्परिक सम्मान के साझा मूल्यों पर आधारित है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्न पर एक पोस्ट में रक्षा मंत्री ने कहा कि उन्होंने और उनके इटली के समकक्ष ने पश्चिम एशिया की वर्तमान स्थिति सहित क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। दोनों मंत्रियों ने ह्यआत्मनिर्भरह्न भारत कार्यक्रम और इटली की रक्षा सहयोग पहल के अंतर्गत पारस्परिक रूप से लाभकारी रक्षा औद्योगिक सहयोग को और विकसित करने के तरीकों पर भी विचार-विमर्श किया।

बैठक के दौरान 2026-27 के लिए एक द्विपक्षीय सैन्य सहयोग योजना का आदान-प्रदान किया गया, जो दोनों देशों के रक्षा बलों के बीच सैन्य सहभागिता की दिशा निर्धारित करती है।

विभिन्न प्रमुख समुद्री मुद्दों पर दोनों प्राचीन समुद्री देशों के बीच तालमेल पर भी प्रकाश डाला गया, जिसमें गुरुग्राम स्थित ह्यसूचना संनयन केन्द्र-हिन्द महासागर क्षेत्र के माध्यम से सूचनाओं का आदान-प्रदान शामिल है।

बैठक से पहले इटली के रक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित किया और राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सपूतों को श्रद्धांजलि दी।

इटली के रक्षा मंत्री ने मानेकशॉ सेंटर में तीनों सेनाओं की ओर से दिए गए गार्ड ऑफ ऑनर का भी निरीक्षण किया।

10वें राष्ट्रीय स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन का उद्घाटन, नड्डा बोले- समावेशी और सशक्त स्वास्थ्य व्यवस्था की ओर बढ़ रहा भारत

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने आज हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री श्रीमती आरती सिंह राव की उपस्थिति में नवाचार एवं समावेशिताः भारत के स्वास्थ्य भविष्य को आकार देने वाली सर्वोत्तम प्रथाएं विषय पर 10वें राष्ट्रीय स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। यह सम्मेलन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र में विशिष्ट नवाचारों और सर्वोत्तम प्रथा प्रदर्शित करने का प्रमुख मंच है, जिसका उद्देश्य देश भर में समावेशी, सुलभ और सस्ते दर पर स्वास्थ्य सेवा विस्तारित करना है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने अपने संबोधन में सम्मेलन की मेजबानी के लिए हरियाणा सरकार का आभार व्यक्त करते हुए और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचारों को बढ़ावा देने में राज्य की सराहना की। श्री नड्डा ने कहा कि यह शिखर सम्मेलन दशार्ता है कि व्यावहारिक, जमीनी स्तर पर संचालित रणनीतियां सामूहिक रूप से प्रभावी और दायित्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को आकार दे सकती है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने इस अवसर पर आरंभ किए गए पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि इनका उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए कामकाज सुगम बनाना, सेवा वितरण बेहतर बनाना और स्वास्थ्य सेवा में सुधार लाना है। उन्होंने कहा कि इनका लक्ष्य कुशल, एकीकृत और सेवा प्रदाताओं एवं लाभार्थियों दोनों की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील प्रणालियों को सक्षम बनाना है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने पिछले एक दशक में भारत के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में हुए बदलावों की चर्चा करते हुए कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश ने विकसित भारत के दृष्टिकोण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा में एक अहम पड़ाव उपचारात्मक दृष्टिकोण से आगे बढ़कर व्यापक और समग्र स्वास्थ्य सेवा ढांचे की ओर बदलाव है। उन्होंने बताया कि 2002 की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति मुख्य रूप से उपचारात्मक देखभाल पर केंद्रित थी, पर 2017 की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति से स्वास्थ्य सेवा के निवारक, संवर्धक, उपचारात्मक और उपशामक पहलुओं को शामिल कर उल्लेखनीय बदलाव आया है, जिससे अधिक समावेशी और जन-केंद्रित प्रणाली सुनिश्चित हुई है।

श्री नड्डा ने 1 लाख 85 हजार से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, जो अब करोड़ों के लिए प्राथमिक संपर्क केन्द्र के रूप में कार्य करते हैं। इन केंद्रों ने निवारक स्वास्थ्य देखभाल को काफी मजबूत बनाया है, जिसमें 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए उच्च रक्तचाप, मधुमेह और कैंसर (मुंह, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा) जैसी गैर-संक्रामक बीमारियों की बड़े पैमाने पर जांच शामिल है।

स्वास्थ्य मंत्री ने समेकन और गुणवत्ता संवर्धन की दिशा में आगे बढ़ने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि 50 हजार से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों के तहत प्रमाणित किया गया है, फिर भी गुणवत्ता प्रमाणन को और अधिक बढ़ाने और लगातार बेहतर प्रदर्शन और सकारात्मक परिणाम सुनिश्चित करने के लिए नियमित आकलन मजबूत बनाने की आवश्यकता है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने प्रमुख स्वास्थ्य उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा कि संस्थागत प्रसवों (मान्यता प्राप्त चिकित्सा केंद्र-अस्पताल, स्वास्थ्य केंद्र में प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों की देखरेख में सुरक्षित प्रसव) में 79 प्रतिशत से 89 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो मातृ स्वास्थ्य सेवाओं तक बेहतर पहुंच को दशार्ती है। उन्होंने कहा मातृ मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई है और पिछले कई वर्षों से इसमें निरंतर प्रगति रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने हाल के वैश्विक अनुमानों का हवाला देते हुए बताया कि भारत ने पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में 79 प्रतिशत और शिशु मृत्यु दर में 73 प्रतिशत की कमी की है। उन्होंने रोग नियंत्रण में भी भारत की प्रगति का लेख किया। उन्होंने कहा कि विश्व की लगभग एक-छठीं जनसंख्या होने के बावजूद, भारत में वैश्विक मलेरिया के बोझ का केवल छोटा हिस्सा है। इसी प्रकार, भारत में तपेदिक के मामलों में वैश्विक औसत से अधिक तेजी से गिरावट आई है और उपचार दायरा 92 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

श्री नड्डा ने जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में हासिल प्रमुख उपलब्धियों का भी उल्लेख किया, जिनमें 2014 में भारत को पोलियो मुक्त घोषित किया जाना, 2015 में नवजात शिशुओं में होने वाले टिटनेस का उन्मूलन और ट्रेकोमा (बैक्टीरिया से होने वाला आंखों के अत्यंत संक्रामक संक्रमण है, का जन स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय न होना शामिल है। विश्व स्वास्थ्य संगठन अनुसार, भारत अब ट्रेकोमा मुक्त देश घोषित है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत निकट भविष्य में काला-अजार के उन्मूलन की दिशा में अग्रसर है।

उभरती चुनौतियों का उल्लेख करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने गैर-संक्रामक रोगों के बढ़ते बोझ बोझ की चर्चा की और प्रभावी जांच, समय पर निदान और निरंतर देखभाल के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को और बेहतर बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हालांकि देश भर में बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग (निवारक स्वास्थ्य प्रक्रिया जिसके द्वारा रोग के कोई लक्षण न होने पर भी, किसी आबादी में बीमारी की संभावना या शुरूआती संकेतों का पता लगाया जाता है) की गई है, लेकिन अब समय पर अनुवर्ती कार्रवाई, उपचार और रेफरल तंत्र (रोगी को कम सुविधाओं वाले केंद्र से बेहतर विशेषज्ञों, संसाधनों या सेवाओं वाले उच्च केंद्र में भेजा जाना) सुनिश्चित करने पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

श्री नड्डा ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत बेहतर योजना और कार्यान्वयन की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि संसाधनों के अधिकतम उपयोग के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारियों और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों सहित जमीनी स्तर के अधिकारियों में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रावधानों के बारे में अधिक जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने उत्तरदायित्व और बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के लिए समय पर निधियों के उपयोग, हितधारकों के बीच बेहतर तालमेल और जन प्रतिनिधियों के साथ सक्रिय भागीदारी के महत्व पर भी बल दिया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने अपने संबोधन के समापन में कहा कि वित्तीय संसाधन उपलब्ध हैं, लेकिन सफलता का राज उनके प्रभावी और समयबद्ध उपयोग में निहित है। सुदृढ़ शासन, बेहतर संचार और अंतिम छोर तक कार्यान्वयन सुनिश्चित करना भारत के लिए सशक्त, समावेशी और भविष्योन्मुखी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण होगा।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों को सुदृढ़. बनाने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और आपसी ज्ञान को बढ़ावा देने के महत्वपूर्ण मंच के रूप में शिखर सम्मेलन के महत्व का उल्लेख किया।

हरियाणा की पहल की चर्चा करते हुए, उन्होंने केयर अभियान की जानकारी दी, जिसके तहत 188 केंद्रों में मरीजों के परिवारों को घर पर देखभाल में सहायता के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। उन्होंने ई-संजीवनी माध्यम से डिजिटल स्वास्थ्य में राज्य की प्रगति का उल्लेख किया, जिसके तहत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में मरीजों को विशेषज्ञों से जोड़ने वाले प्रतिदिन लगभग 2 हजार टेलीकंसल्टेशन आयोजित किए जा रहे हैं। श्री सैनी ने बताया कि हरियाणा ने अपने स्वास्थ्य बजट में 32.89 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि की है, जो लगभग 14 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा बुनयादी ढांचे के विस्तारित किए जाने का भी उल्लेख किया, जिसके तहत मेडिकल कॉलेजों की संख्या 2014 के 6 से बढ़कर अब 17 हो गई है और एमबीबीएस की सीटें 700 से बढ़कर 2,710 पहुंच गई हैं।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के 1,479 स्वास्थ्य संस्थानों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणन प्राप्त हुआ है। उन्होंने सेवा वितरण में हासिल प्रमुख उपलब्धियों की भी चर्चा की, जिनमें सभी जिला अस्पतालों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विभाग की स्थापना, आपातकालीन देखभाल के लिए 500 एम्बुलेंस के नेटवर्क और 22 जिला अस्पतालों में निःशुल्क डायलिसिस सेवाएं (रक्त से हानिकारक विषाक्त पदार्थों, अतिरिक्त तरल पदार्थ और अपशिष्ट को साफ करती है) उपलब्ध कराना शामिल है।

मुख्यमंत्री ने सबके लिए सुलभ, कम खर्च वाले और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा मजबूत बनाने की लिए राज्य की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री श्रीमती आरती सिंह राव ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में हुई प्रगति का उल्लेख किया, जिसमें प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा सुदृढ़ बनाना, चिकित्सा शिक्षा का विस्तार और निःशुल्क दवाओं तक पहुंच में सुधार शामिल है।

उन्होंने कहा कि अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, राष्ट्रीय कैंसर संस्थान और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों के सहयोग के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार की दिशा में कदम के रूप में ह्यूमन पेपिलोमावायरस टीकाकरण के कार्यान्वयन की भी चर्चा की। श्रीमती आरती सिंह राव ने राज्य का स्वास्थ्य बजट में 2014 के 2,640 करोड़ रुपये से बढ़कर 14 हजार करोड़ रुपये होने का उल्लेख किया और बड़े पैमाने पर गैर-संचारी रोगों की जांच पर राज्य के केन्द्रित ध्यान की चर्चा की। उन्होंने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अग्रणी भूमिका निभाने की हरियाणा की प्रतिबद्धता दोहराई।

इस अवसर केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव श्रीमती पुण्य सलीला श्रीवास्तव ने कहा कि सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों का संकलन राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप साक्ष्य-आधारित, संदर्भ-विशिष्ट समाधानों को प्रदर्शित करने वाला महत्वपूर्ण संदर्भ दस्तावेज है। उन्होंने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी भूमिका का उल्लेख किया जो स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली, जननी और ई-संजीवनी जैसे प्लेटफार्मों पर आभा आईडी के एकीकरण को सक्षम बनाती है, जिससे दक्षता में सुधार होता है और डेटा-आधारित निर्णय लेने में सहायता मिलती है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि स्वस्थ भारत पोर्टल कई स्वास्थ्य कार्यक्रमों को एक ही अंतरसंचालनीय मंच में शामिल कर अभिसरण की दिशा में बड़ा कदम है, जबकि जननी प्लेटफॉर्म वास्तविक समय निगरानी और डिजिटल एकीकरण द्वारा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल मजबूत बनाने में सहायक है।

17वें संयुक्त समीक्षा मिशन की रिपोर्ट की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यह राज्यों को जन भागीदारी और कार्यान्वयन मजबूत करने के लिए उपयोगी जानकारी प्रदान करती है। उन्होंने गैर-संक्रामक रोगों में हो रही वृद्धि से निपटने के महत्व पर भी बल दिया और कहा कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का दूसरा चरण और बच्चों के लिए मधुमेह संबंधी दिशानिर्देश शीघ्र निदान और निरंतर देखभाल में सहायक होंगे।

स्वास्थ्य सचिव ने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल में हुए सुधारों की भी चर्चा की। जिनमें 48 हजार से अधिक भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानक-अनुरूप और 50 हजार से अधिक राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक-प्रमाणित सुविधाएं शामिल हैं। साथ ही उन्होंने तपेदिक मुक्त भारत अभियान के तहत हुई प्रगति का भी उल्लेख किया। उन्होंने अग्नि सुरक्षा ऑडिट (इमारत या कार्यस्थल में आग के खतरों से संबंधित व्यवस्थित और तकनीकी मूल्यांकन जिसमें अग्निशमन प्रणालियों की जांच करना, शॉर्ट सर्किट, ज्वलनशील सामग्री जैसे संभावित खतरों की पहचान और नेशनल बिल्डिंग कोड के अनुसार सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करना), लू से निपटने के उपाय और रोगाणुरोधी प्रतिरोध से निपटने के प्रयासों सहित मजबूत तैयारियों के उपायों को भी रेखांकित किया।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के स्वास्थ्य पर घरेलू उपभोग के 80वें दौर के सर्वेक्षण के निष्कर्षों का हवाला देते हुए, उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में बाह्य रोगी देखभाल के लिए जेब से होने वाला औसत व्यय अब शून्य है, जो आबादी के एक बड़े हिस्से के लिए निःशुल्क और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता दशार्ती है।

10वें राष्ट्रीय स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन में कई प्रमुख पहल का शुभारंभ किया गया, जिनमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत प्रतिरूपणीय नवाचारों पर सर्वोत्तम अभ्यास संकलन, 17वीं सामान्य समीक्षा मिशन रिपोर्ट, स्वस्थ भारत पोर्टल, जननी पोर्टल, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल टीमों के लिए एकीकृत प्रशिक्षण मॉड्यूल और राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम द्वितीय चरण के साथ ही बच्चों और किशोरों में मधुमेह पर एक मार्गदर्शन दस्तावेज शामिल हैं।

17वीं कॉमन रिव्यू मिशन रिपोर्ट

(भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की प्रमुख वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट

सीआरएम स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की एक वार्षिक निगरानी गतिविधि है, जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और संबंधित प्रासंगिक कार्यक्रमों के कार्यान्वयन की समीक्षा और मूल्यांकन के लिए प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है।

इस वर्ष, सीआरएम का 17वां चरण सत्रह राज्यों - आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, नागालैंड, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में आयोजित किया गया। यह व्यापक अभ्यास कॉमन रिव्यू मिशन प्रक्रिया की समावेशिता को दशार्ता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि विभिन्न संदर्भों का प्रतिनिधित्व हो और देश भर में निगरानी में नवाचार शामिल किए जाएं। एक साथ कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल कर मिशन उत्तरदायित्व बढ़ाता है, अंतर-शिक्षण को बढ़ावा देता है और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य प्रणाली सुदृढ़ बनाने के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

स्वस्थ भारत पोर्टल

यह एक एकीकृत मंच है जिसे कई राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों को एक ही डिजिटल इंटरफेस पर प्राप्त करने के लिए तैयार किया गया है। इसमें बार-बार लॉगिन करने और डेटा दर्ज करने की आवश्यकता समाप्त की गई है जिससे यह पोर्टल स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं पर प्रशासनिक बोझ में कमी लाकर सभी स्तरों पर सेवा वितरण में दक्षता बढ़ाता है।

आशा कार्यकर्ता, एएनएम, सीएचओ और चिकित्सा अधिकारी सहित भारत के अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्यकर्मी कार्यक्रम रिपोर्टिंग में कई अनुप्रयोगों के उपयोग में प्रायः काफी समय लगाते हैं। स्वस्थ भारत पोर्टल एकीकृत मंच प्रदान करके इस चुनौती का समाधान करता है, जिससे डेटा तक आसान पहुंच, उसका विश्लेषण और स्थानीय स्तर पर निगरानी और साक्ष्य-आधारित योजना के लिए उनका उपयोग संभव हो पाता है। यह पोर्टल आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अनुरूप है और आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता के साथ एकीकरण का समर्थन करता है, जिससे रोगी स्वास्थ्य अभिलेखों का निर्बाध और सुरक्षित आदान-प्रदान संभव होता है। इसे व्यापक और अंतःसंचालनीय डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विकसित करने के लिए तैयार किया गया है, जो आगे स्वास्थ्य सेवा पेशेवर रजिस्ट्री (हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स रजिस्ट्री और स्वास्थ्य सुविधा रजिस्ट्री जैसी राष्ट्रीय रजिस्ट्रियों के साथ एकीकृत होगा।

शहडोल ज़िले में अवैध खनन तेज सक्रिय हुए रेत माफिया

समाज जागरण

शहडोल जिले में आधिकारिक खनन कार्य शुरू न होने का सीधा लाभ अवैध रेत तस्करों ने उठा लिया है। जिले के कई इलाकों में रेत माफिया सक्रिय हो चुके हैं और खुलेआम चोरी की रेत निकालकर मोटी कमाई कर रहे हैं, जबकि शासन को भारी राजस्व नुकसान झेलना पड़ रहा है।

जिलेभर में अवैध रेत उत्खनन की बाढ़

कानूनी खनन बंद होने से कई नदियों में अवैध गतिविधियाँ तेज हो चुकी हैं। स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार– बुढ़वा, समधि और सथनी क्षेत्रों में सोन तथा बनास नदी से चोरी की रेत निकाली जा रही है। जनकपुर इलाके में भी सोन व बनास नदी के किनारे अवैध खनन धड़ल्ले से जारी है।केशवाही में कुनुक नदी से रात के अंधेरे में ट्रैक्टरों और हाइवा से रेत निकाली जा रही है।जयसिंहनगर–गोहपरु मार्ग पर चुंदी नदी में लगातार मशीनों की आवाजें सुनाई देती हैं।

कंचनपुर में सरफा नदी अवैध रेत खनन का नया हॉटस्पॉट बन चुकी है।कोटमा–पटासी क्षेत्र में भी चोरी की रेत का कारोबार जमकर फल-फूल रहा है। जरवाही क्षेत्र में बाटली घाट कसेड नदी से बुढार पुलिस के संरक्षण में रेत माफिया डंके की चोट पर अवैध खनन को अंजाम दे रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि क्षेत्र के प्रकाश यादव मुन्ना साहू विजय यादव चंद्रभान छोटू पांडे लाल यादव केशु यादव के के अलावा अनेक लोग इस अवैध कार्य को कर रहे हैं। बुढार पुलिस के संरक्षण में सब कुछ अनवरत जारी है।इन सभी स्थानों पर न तो निगरानी दिख रही है और न ही प्रशासनिक दबाव। मौके का फायदा उठाकर स्थानीय माफिया लाखों रुपये की रेत प्रतिदिन निकाल रहे हैं।

प्रशासन मौन, राजस्व को भारी नुकसान

जबकि ठेके की राशि करोड़ों में है और सरकार को इससे वार्षिक राजस्व मिलना था, वर्तमान स्थिति ठीक उलट है।ठेका शुरू न होने से सरकार के खाते में एक भी रुपया नहीं आ रहा है।

जमुना कोतमा 9/10 माइंस से श्री भुवनेश्वर कुमार पटेल सेवानिवृत्त, सहकर्मियों ने दी भावभीनी विदाई

समाज जागरण

अनूपपुर। 30 अप्रैल 2026 को जमुना कोतमा स्थित 9/10 माइंस में कार्यरत श्री भुवनेश्वर कुमार पटेल (निवासी-मेडियारास चचाई) अपने दीर्घ एवं सम्मानजनक सेवा काल के उपरांत सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर खदान परिसर में एक सादगीपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें उनके सहकर्मियों,अधिकारियों एवं शुभचिंतकों ने उपस्थित होकर उन्हें भावभीनी विदाई दी।

श्री पटेल का कार्यकाल मेहनत, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का उत्कृष्ट उदाहरण रहा है। उन्होंने वर्षों तक पूरी लगन और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया। खदान जैसे चुनौतीपूर्ण कार्यक्षेत्र में उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों को न केवल बखूबी निभाया, बल्कि अपने अनुभव और सकारात्मक दृष्टिकोण से अन्य कर्मचारियों को भी प्रेरित किया। उनके सरल स्वभाव, सहयोगात्मक व्यवहार और अनुशासनप्रिय कार्यशैली के कारण वे सभी के बीच लोकप्रिय रहे।

विदाई समारोह के दौरान सहकर्मियों ने उनके साथ बिताए गए वर्षों के अनुभव साझा किए और उनके योगदान की सराहना की। कई वक्ताओं ने कहा कि श्री पटेल ने अपने कार्यकाल में हमेशा संगठन के हित को सर्वोपरि रखा और कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य एवं सूझबूझ से कार्य किया। उनके मार्गदर्शन से अनेक कर्मचारियों को सीखने और आगे बढ़ने का अवसर मिला।

कार्यक्रम में उन्हें शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान भावुक क्षण भी देखने को मिले, जब सहकर्मियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें विदाई दी। श्री पटेल ने भी सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान जो भी सीखा और पाया, वह उनके सहकर्मियों और वरिष्ठों के सहयोग से ही संभव हो पाया है। उन्होंने सभी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और भविष्य में भी आपसी संबंधों को बनाए रखने की बात कही।

श्री भुवनेश्वर कुमार पटेल की सेवानिवृत्ति न केवल एक कर्मचारी के कार्यकाल का समापन है, बल्कि एक प्रेरणादायक यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव भी है। उनके अनुभव, कार्य के प्रति समर्पण और सकारात्मक सोच की छाप लंबे समय तक कार्यस्थल पर बनी रहेगी।

इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभ कामनाएं देते हुए ईश्वर से उनके स्वस्थ, सुखद और समृद्ध जीवन की कामना की। उनके परिवारजनों और शुभचिंतकों ने भी इस नई पारी के लिए उन्हें शुभाशीष प्रदान किया।

* त्रिभुवन सिंह को मध्य प्रदेश कांग्रेस के नगरीय निकाय प्रकोष्ठ में प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त*

* समाज जागरण
* विजय तिवारी

उमरिया। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नगरीय निकाय प्रकोष्ठ की नवीन नियुक्तियों के तहत उमरिया जिले के कांग्रेस कार्यकर्ता त्रिभुवन प्रताप सिंह को प्रदेश उपाध्यक्ष पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह नियुक्ति प्रदेश नेतृत्व के निदेर्शानुसार की गई है, जिससे संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। त्रिभुवन की नियुक्ति पर जिले सहित कांग्रेस कार्यकताओं में हर्ष का माहौल है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकताओं ने उन्हें बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि वे कांग्रेस की विचारधारा, जनहितकारी नीतियों और संगठनात्मक मजबूती को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

अजय सिंह, जिला कांग्रेस अध्यक्ष

इन जनप्रतिनिधियों एवं नेताओं ने दी बधाई जिसमें पूर्व विधायक कोतमा विजय कोल ,सावित्री सिंह, शारदा गौतम ,ओपी द्विवेदी, मिथिलेश राय, राजेश शर्मा, सहित अनेक कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं ने श्री सिंह को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

इस अवसर पर नेताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव आम जनता, गरीब, किसान, मजदूर एवं वंचित वर्ग के हितों की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी। सिंह की नियुक्ति से संगठन को नई ऊर्जा एवं मजबूती मिलेगी।

शुभचिंतकों ने शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि योग्य एवं सक्रिय कार्यकताओं को जिम्मेदारी देकर पार्टी ने संगठन को सुदृढ़ करने का सराहनीय कार्य किया है। साथ ही त्रिभुवन सिंह के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आशा जताई गई कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, समर्पण एवं ईमानदारी के साथ करेंगे।

गायत्री की मौत से हड़कंप,एन्थ्रेक्स की आशंका ने बढ़ाई चिंता

समाज जागरण उमरिया

विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से एक चिंताजनक खबर सामने आई है,जहां 28 अप्रैल 2026 को साढ़े चार वर्षीय मादा कैंप हाथी गायत्री की अचानक मृत्यु हो गई। इस घटना ने वन महकमे के साथ-साथ वन्यजीव प्रेमियों में भी हलचल मचा दी है।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मौत से पहले हाथी में दस्त (डायरिया) के लक्षण देखे गए थे, जो बाद में गंभीर रूप लेते हुए मल द्वार से रक्तस्राव तक पहुंच गए।हालात को देखते हुए जबलपुर से विशेष वन्यजीव चिकित्सकीय दल को तत्काल बुलाया गया।चिकित्सकों की प्रारंभिक रिपोर्ट में इस मौत के पीछे एन्थ्रेक्स जैसी खतरनाक बीमारी की आशंका जताई गई है।स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए प्रबंधन ने बिना देर किए केंद्र सरकार के प्रोजेक्ट एलीफेंट प्रभाग द्वारा निर्धारित एसओपी लागू कर दी।संक्रमण के खतरे को रोकने के लिए मादा हाथी के शव का वैज्ञानिक तरीके से सुरक्षित दहन किया गया,ताकि बीमारी के संभावित प्रसार पर रोक लगाई जा सके।इस पूरी प्रक्रिया के दौरान क्षेत्र संचालक महेंद्र प्रताप सिंह,एनटीसीए के प्रतिनिधि डॉ. ज्ञानेंद्र प्रजापति, सरपंच सालेहा खान,डॉ. काजल जाधव सहित अन्य अधिकृत प्रतिनिधि मौजूद रहे।वहीं जिला चिकित्सा एवं पशु चिकित्सा अधिकारियों को अलर्ट करते हुए संबंधित लोगों के टीकाकरण और आवश्यक गाइडलाइन के पालन के निर्देश भी जारी किए गए हैं।वन विभाग अब पूरे क्षेत्र में सतर्कता बढ़ाते हुए हालात पर कड़ी नजर बनाए हुए है।गायत्री की असमय मौत ने जहां एक खालीपन छोड़ा है, वहीं एन्थ्रेक्स की आशंका ने सुरक्षा व्यवस्था को और ज्यादा सख्त कर दिया है।

खनिज माफियाओं के काल बने निरीक्षक अभिषेक पटले: ताबड़तोड़ छापेमारी में 2 JCB और 3 ट्रैक्टर जब्त

समाज जागरण

शहडोल। जिले में खनिज संपदा की लूट मचाने वाले माफियाओं के खिलाफ खनिज निरीक्षक अभिषेक पटले ने मोर्चा खोल दिया है। पटले की अगुवाई में खनिज विभाग की टीम ने जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में 'सर्जिकल स्ट्राइक' करते हुए अवैध उत्खनन और परिवहन में लिप्त 5 वाहनों को रंगे हाथों धर दबोचा। इस बड़ी कार्यवाही के बाद से ही रेत, गिट्टी और मुरम चोरों के सिंडिकेट में हड़कंप मचा हुआ है।

मैदान में उतरे पटले, जैतपुर से बुढार तक मची खलबली

खनिज निरीक्षक अभिषेक पटले को सूचना मिली थी कि शासन को राजस्व का चूना लगाकर अवैध तरीके से खनिजों का खेल चल रहा है। बिना समय गवाए पटले ने अपनी टीम के साथ मोर्चा संभालाः

जैतपुर में रॉयल्टी चोरों पर नकेलः जैतपुर क्षेत्र में गिट्टी का सीना चीरकर ले जा रहे ट्रैक्टर (MP18 ZH 0914) को बीच रास्ते रोका गया। चालक के पास न रॉयल्टी थी न जवाब। पटले ने मौके पर ही गाड़ी जब्त कर जैतपुर थाने में खड़ी करवा दी। जरवाही में गरजती मशीनों को किया खामोशः ग्राम जरवाही में जब पटले की टीम पहुँची, तो वहाँ जेसीबी मशीनें धरती का सीना छलनी कर मिट्टी और मुरम निकाल रही थीं। खसरा नंबर 842 और निजी भूमियों पर चल रहे इस अवैध खेल को रुकवाते हुए 2 जेसीबी (MP34 DA 0514 और MP18 DA 0487) और एक ट्रैक्टर को जब्त किया गया।

पकरिया में भी नहीं बख्शा गया मिनी ट्रक अभिषेक पटले की पैनी नजर से बुढार का पकरिया क्षेत्र भी नहीं बच सका। यहाँ गिट्टी का अवैध परिवहन कर रहे मिनी ट्रक (MP18 DA 0487) को रोककर जब दस्तावेज मांगे गए, तो चालक बगले झांकने लगा। सख्त लहजे में कार्यवाही करते हुए निरीक्षक ने इसे भी बुढार थाने की शासकीय अभिरक्षा में सुपुर्द कर दिया।

'अवैध काम किया तो खैर नहीं' - अभिषेक पटले का कड़ा संदेश

इस पूरी कार्यवाही के दौरान खनिज निरीक्षक अभिषेक पटले का सख्त अंदाज देखने को मिला। उन्होंने साफ कर दिया है कि जिले की खनिज संपदा पर डाका डालने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। पटले की इस सक्रियता ने विभाग की छवि को जनता के बीच मजबूत किया है और भ्रष्ट तत्वों के मन में डर पैदा कर दिया है।

अभिषेक पटले की इस 'क्लीन स्वीप' कार्यवाही की पूरे जिले में सराहना हो रही है।

अतिथि शिक्षकों का सत्र समाप्त, तीन माह से नहीं मिला वेतन

पाली विकास खंड शिक्षा अधिकारी की उदासीन रवैया

समाज जागरण

बिरसिंहपुर पाली --- शिक्षा विभाग में तीन महत्वपूर्ण स्थानो की कमान संहाल रही खंड शिक्षा अधिकारी पाली श्रीमती सरिता जैन की लचर कार्य पद्धति के कारण पाली विकास खंड के विभिन्न विद्यालयों में अध्यापन करा रहे अतिथि शिक्षकों का भुगतान पिछले तीन महीने से न होने के कारण अध्यापन कार्य में लगे हजारों अतिथि शिक्षकों के घर में चूल्हा जलने में समस्यायें खडी हो गयी है। विदित होवे की आज से अध्यापन कार्य में जुडे.शिक्षकों का सत्र समाप्त हो गया और उन्हें जनवरी के बाद भुगतान नही हुआ है। बताया जाता है कि शासन के सख्त निर्देश है कि हर अतिथि शिक्षक का मानदेय के भुगतान दस तारीख तक अनिवार्य रूप से कर दिया जाये, लेकिन पाली विकास खंड के खंड शिक्षा अधिकारी की कुर्सी पर आसीन प्रभारी अधिकारी को शासन के तय मापदंडों का कोई असर नहीं पडता है। तभी तो दिहाड़ी मजदूर के रूप मे कार्यरत अतिथि शिक्षकों को उनके पारिश्रमिक के लिये भी लाले पडे हुये हैं ।

ध्यान देने योग्य यह है की खंड शिक्षा अधिकारी की कमान संहाल रही श्रीमती सरिता जैन जी खंड शिक्षा अधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पद के साथ ही दो अन्य कुर्सियों की कमान संहाल रही है। मुख्य रूप से आप गोरैया हाई स्कूल की प्राचार्य के पद पर आसीन हैं, इसके अलावा पी एम श्री कन्या शिक्षा परिसर के प्राचार्य का मलाई दार पद पर भी आसीन

थी, इसके साथ ही आप एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के प्राचार्य के पद का भी खूब लुत्फ उठाया, लेकिन एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में मूल प्राचार्य के पद स्थापना के बाद इन्हें यहाँ से बिदा होना पड़ा। विचारणीय है कि जब कोई एक शिक्षक पहले से ही तीन कुर्सियां सम्हाल रहा है, तो खंड शिक्षा अधिकारी की कमान कैसे सौपा जा सकता है, लेकिन पैसे और पद के प्रभाव में सब कुछ इन्ही के हाथो में सौंप दिया गया। उन दिनों शिक्षा जगत में विरोध के स्वर मुखर हुये थे, लेकिन तत्कालीन कलेक्टर धरणेन्द्र जैन की कृपा की वजह से वह मुखर होने के पहले ही कुचल दिये गये। माना जाता है कि जैन सर होने का पूरा लाभ खंड शिक्षा अधिकारी को मिला यह सारे प्रभार की रेवड़ियां मिलती रही है और उस-ाका खामियाजा पूरे शिक्षा जगत को उठाना पडा। तभी तो कभी भी शिक्ष-ाकों के स्वत्वो का भुगतान समय पर नहीं मिल सका। अतिथि शिक्षकों का भुगतान उसका साक्षी बनकर उभरा है। नवागत कलेक्टर महोदय से अपेक्षा है कि पुराने रवैये पर रोक लगाते हुए खंड शिक्षा अधिकारी के पद पर मूल रूप से खंड शिक्षा अधिकारी की पद स्थापना करते हुए शिक्षकों के वेतन नियमानुसार भुगतान कराने आवश्यक कदम उठायेंगी।

अमरडंडी क्षेत्र में 52 परी का खेल जोरों पर

समाज जागरण जितेंद्र शर्मा

अमलाई। थाना क्षेत्र के पुरानी अमरडंडी आसपास जंगलों में 52 परी का खेल धड़ले से चल रहा है किंतु पुलिस प्रशासन को अभी तक जुआरी को पकड़ने में सफलता हासिल नहीं हुई है। सूत्र बताते हैं कि क्षेत्र में मंडल नमक व्यक्ति द्वारा इस कारोबार का संचालन किया जा रहा है और प्रतिदिन जंगलों में जगह बदल बदल कर जुए का अड्डा संचालित किया जा रहा है। यहां बुढ़ार ,शहडोल ,सिंहपुर, खैरहा पेपर मिल, धनपुरी आदि स्थानों के जुआरी पहुंचकर अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। रेलवे फाटक से समीप स्थित शराब दुकान के बगल के जंगलों में फड बैठाया जाता है इस खेल में खेलने वाले जरूर बर्बाद हो रहे हैं लेकिन मंडल आबाद हो रहा है और प्रतिदिन लाखों रुपए नाल के रूप में वसूल भी रहा है। अमलाई क्षेत्र वैसे भी इस कारोबार के लिए कई वर्षों से चर्चित रहा है और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त लोग भी इस कारोबार को संचालित करते हैं।

चतुर्थ- क्रमोन्नत वेतनमान के लाभ से महरूम शिक्षकों को हो रहा आर्थिक नुकसान*

(शिक्षक कर रहे विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक का बेसब्री से इंतजार)

समाज जागरण

कटनी /मध्य प्रदेश शासन द्वारा 35 वर्षों की सेवा पूर्ण कर चुके शिक्षकों को चतुर्थ क्रमोन्नति वेतनमान के लाभ से लाभान्वित करने से जुड़ा आदेश जारी हुए, महीनों का समय गुजर जाने के वावजूद भी पात्र शिक्षाकों को अपना हक प्राप्त करने हेतु संघर्ष जैसे अप्रिय दौर से गुजरने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है।

शासन द्वारा जारी आदेश के परिपालन में जिला शिक्षा अधिकारी कटनी द्वारा जिले के समस्त संकुल प्रचार्यों को पत्र लिखकर इक्कीस दिनों के भीतर पात्र शिक्षकों का प्रस्ताव जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा करने का आदेश जारी किया गया था।चूंकि जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी आदेश की समय सीमा आज समाप्त होते ही शिक्षक गण अब बेसब्री से जिला पदोन्नति समिति की बैठक का इंतजार कर रहे हैं । हाला कतिपय संकुल प्राचार्यों द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा इस हेतु विगत 10अप्रैल 2026को जारी किये गये आदेश को अहमियत न दिये जाने की खबर भी सुर्खियों में है ।हाला अब देखने वाली बात यह भी होगी कि जिन संकुलों से पात्रता धारी शिक्षकों के प्रस्ताव समय सीमा के भीतर वरिष्ठ कार्यालय में जमा नहीं हुए, उन संकुलों पर जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा किस तरह की कार्यवाही उनके खिलाफ प्रस्तावित करते हैं !

प्रांतीय प्रवक्ता-कर्मचारी संयुक्त मोर्चा संघ कुंवर मार्तण्ड सिँह राजपूत ने वर्षों से चतुर्थ क्रमोन्नति वेतनमान के लाभ प्राप्ति की आशा में दिन गिन रहे शिक्षकों का पक्ष जिला शिक्षा अधिकारी कटनी के समक्ष रखकर यथा शीघ्र पात्र शिक्षकों को लाभ प्रदान करने की मांग करते हुए, एक सप्ताह के भीतर जिले में गठित पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित कराकर लाभ सुनिश्चित कराने पर बल दिये हैं।उन्होंने विश्वास जाहिर किये हैं, कि जिला शिक्षा अधिकारी कटनी सहायक शिक्षकों और उच्च श्रेणी शिक्षकों को उनका संवैधानिक हक समय पर प्रदान करने में संकुल प्राचार्यों द्वारा अब्बल दर्जे की बरती जा रही कोताही पर उन्हें अनुशासन का पाठ अवश्य पढ़ाएंगे ।शिक्षक नेता ने स्पष्ट किया कि चतुर्थ क्रमोन्नति का लाभ से जुड़ा आदेश सहायक और उच्च श्रेणी शिक्षकों हेतु मध्य प्रदेश शासन स्तर से ही अत्यंत विलंब से जारी होने से इस संवर्ग के शिक्षक द्वय लंबे समय से अत्यंत आर्थिक नुकसान के दौर से गुजर रहे हैं।अतः अब शिक्षकों के आर्थिक हित से जुड़े इस मामले में और अधिक विलंब करना उनके साथ अन्याय का पर्याय माना जायेगा।उन्होंने जिला प्रशासन से बगैर किसी आंदोलन, ज्ञापन, जैसी अप्रिय कार्यवाही के, यथा शीघ्र पात्र शिक्षकों को लाभान्वित करने की मांग एक बार पुनः दुहराने का प्रयास किये हैं।

रात्रि में घर में घुसकर चोरी का प्रयास करने वाले को गिरफ्तार कर भेजा जेल

समाज जागरण विजय तिवारी

कटनी। पुलिस अधीक्षक महोदय जिला कटनी श अभिनय विश्वकर्मा द्वारा चोरी करने वाले आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया । जिसके पालन में पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक कटनी श्रीमती नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन में एवं थाना प्रभारी माधवनगर संजय दुबे के नेतृत्व चौकी निवार प्रभारी अंजनी मिश्रा द्वारा चोरी करने बाले को आज दिनांक 30/04/26 को गिरफ्तार किया गया (1) दुर्गा प्रसाद पटेल पिता कोमल पटेल उम्र 34 साल निवासी बडखेरा थाना माधव नगर को अपराध धारा 331 (4), 305(1),62 BNS में गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया जहां न्यायालय ने आरोपी दुर्गा प्रसाद पटेल को भेजा जेल ।

इस सम्पूर्ण कार्यवाही चौकी प्रभारी निवार अंजनी मिश्रा , प्र आर 68 मनीष आर.अरविंद, की मुख्य भूमिका रही।

दिल्ली से भेजे गए दो बच्चे कानपुर के राजकीय बाल सुधार गृह से भागे, तलाश जारी, सुराग अब तक नहीं

समाज जागरण सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां राजकीय बाल सुधार गृह से पढ़ने के लिए जाते समय फरार हुएदो बच्चों का सुराग अभी तक नहीं मिल पाया है । उनकी तलाश लगातार की जा रही है ,लेकिन उनका सुराग समाचार लिखे जाने तक नहीं मिल पाया है। फरार हुए बच्चों में एक बच्चा शहर का है, जबकि दूसरा फतेहपुर का रहने वाला है। घटना के बाद अधीक्षक ने कल्याणपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मिली जानकारी के मुताबिक

फतेहपुर के हेजड़ी नीम बाकरगंज चौकी क्षेत्र निवासी 12 वर्षीय बालक और कानपुर के गंगापुर कॉलोनी, आजाद नगर निवासी 15 वर्षीय किशोर दिल्ली में गुमशुदा हालत में मिले थे। इसके बाद दोनों को कानपुर के कल्याणपुर स्थित राजकीय बालक गृह भेजा गया, जहां उनकी देखरेख की जा रही थी। बच्चों का दाखिला पास के स्कूल में भी कराया गया था। यह घटना सुबह तब हुई जब करीब 10 बजे दोनों बच्चों को पढ़ाई के लिए स्कूल भेजा गया था, लेकिन दोपहर करीब 12 बजे दोनों स्कूल से ही फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही राजकीय बालक गृह में हड़कंप मच गया। कर्मचारियों ने तुरंत बच्चों की तलाश शुरू की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद मामले की रिपोर्टकल्याणपुर थाने में दर्ज कराई गई है ।

इस बारे में जानकारी देते जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह ने बताया कि अधीक्षक रतन की ओर से मामले में रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद पुलिस दोनों बच्चों की तलाश में जुटी है लेकिन अभी तक उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

मडियादौ खरीदी केंद्र पर किसानों का आरोप: 50 किलो की जगह 51 किलो तौल , पानी नहीं, बिना ग्रेडिंग खरीद और वसूली से आक्रोश

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह/मडियादौ। रबी विपणन वर्ष 2026-27 के तहत संचालित मडियादौ गेहूं खरीदी केंद्र पर किसानों ने गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। किसानों का कहना है कि शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों और सुविधाओं की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। केंद्र पर जहां एक ओर 50 किलो बोरी के स्थान पर 51 किलो तक गेहूं तौला जा रहा है, वहीं दूसरी ओर पीने के पानी जैसी मूलभूत सुविधा तक उपलब्ध नहीं कराई गई है। इसके अलावा बिना ग्रेडिंग के माल खरीदे जाने और किसानों से अवैध वसूली किए जाने के आरोपों ने व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार मडियादौ खरीदी केंद्र, समिति कोड 56411103 पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में किसान अपनी उपज लेकर पहुंच रहे हैं। लेकिन केंद्र पर पहुंचने वाले किसानों को सुविधाओं के बजाय परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने बताया कि शासन के निदेर्शानुसार गेहूं की बोरियों का मानक वजन 50 किलो निर्धारित है, लेकिन यहां 51 किलो तक गेहूं भरवाया जा रहा है। एक किलो अतिरिक्त तौल छोटे किसान के लिए बड़ी क्षति साबित हो रही है, क्योंकि कई बोरियों में यह वजन बढ़ने से कुल नुकसान अधिक हो जाता है। किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि खरीदी केंद्र पर पीने के पानी की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है। भीषण गर्मी के इस दौर में सुबह से शाम तक लाइन में खड़े रहने वाले किसानों, मजदूरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी

उठानी पड़ रही है। किसानों का कहना है कि जब शासन करोड़ों रुपये की खरीदी व्यवस्था संचालित कर रहा है, तब पीने के पानी जैसी सामान्य सुविधा उपलब्ध न कराना प्रशासनिक लापरवाही को दशार्ता है।

सबसे गंभीर आरोप यह सामने आया है कि केंद्र पर बिना ग्रेडिंग के माल खरीदा जा रहा है। सामान्यतः गेहूं की गुणवत्ता जांचने के बाद ही खरीदी की जानी चाहिए, ताकि अच्छे और खराब अनाज का पृथक्करण हो सके। लेकिन किसानों का कहना है कि नियमों को ताक पर रखकर मनमानी तरीके से खरीदी हो रही है। इससे न केवल पारदर्शिता प्रभावित हो रही है बल्कि भविष्य में विवाद की स्थिति भी बन सकती है।

किसानों ने केंद्र पर वसूली किए जाने के भी आरोप लगाए हैं। किसानों का कहना है कि विभिन्न बहानों से अतिरिक्त राशि मांगी जा रही है, जिससे वे मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान हैं। यदि यह आरोप सही पाए जाते हैं तो यह किसानों के हितों पर सीधा प्रहार माना जाएगा। सरकार किसानों की आय बढ़ाने और पारदर्शी खरीदी व्यवस्था की बात करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर ऐसी शिकायतें व्यवस्था की सच्चाई उजागर कर रही हैं।

स्थानीय किसानों ने मांग की है कि जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारी तत्काल खरीदी केंद्र का निरीक्षण करें, तौल व्यवस्था की जांच कराएं, पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा वसूली करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करें। किसानों का कहना है कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो वे आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

अब देखना होगा कि प्रशासन इन शिकायतों को कितनी गंभीरता से लेता है और किसानों को राहत दिलाने के लिए क्या कदम उठाता है। फिलहाल मडियादौ खरीदी केंद्र पर किसानों में भारी नाराजगी देखी जा रही है।

पूर्वांचल पत्रकार एकता समिति के प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी से की शिष्टाचार मुलाकात, सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो चीफ विजय कुमार
अग्रहरी/ समाज जागरण

सोनभद्र। पूर्वांचल पत्रकार एकता समिति के पदाधिकारी ने आज जिलाध्यक्ष जीतेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में जनपद के नवागत जिलाधिकारी से शिष्टाचार भेंट की, इस दौरान समिति के पदाधिकारियों ने जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए ज्ञापन सौंपा। संगठन की ओर से जिलाधिकारी को पदभार ग्रहण करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं, साथ ही जनपद के समग्र विकास के लिए सफल कार्यकाल की कामना की गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष जीतेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जिले की जमीनी समस्याओं पर ध्यान आकृष्ट कराते हुए कई महत्वपूर्ण सुझाव भी प्रस्तुत किए। संगठन ने कहा कि बकरीहवा से बीजपुर तक का संपर्क मार्ग अत्यंत जर्जर स्थिति में है, जिससे आवागमन में लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसे जल्द से जल्द दुरुस्त कराए जाने की मांग की गई। इसके अलावा मारकुंडी स्थित टोल प्लाजा को नगर पालिका क्षेत्र से हटाने की मांग भी दोहराई गई। प्रतिनिधिमंडल ने राबर्ट्सगंज नगर पालिका क्षेत्र में फ्लाईओवर के नीचे साफ-सफाई की व्यवस्था न होने पर नाराजगी जताते हुए बताया कि पूर्व में दिए गए निर्देशों के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ज्ञापन में किसानों की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया गया। गेहूं क्रय केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं के अभाव की ओर इशारा करते हुए व्यवस्था सुधारने की मांग की गई। वहीं शिक्षा के क्षेत्र में निजी स्कूलों द्वारा एनसीईआरटी की पुस्तकों के बजाय महंगी निजी किताबें लागू किए जाने से अभिभावकों पर बढ़ते आर्थिक बोझ का मुद्दा भी उठाया गया। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी समिति ने चिंता जताई। मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों की कमी के चलते आमजन को समुचित इलाज न मिलने की बात कही गई और आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त करने की मांग की गई। अंत में संगठन ने जिलाधिकारी से अनुरोध किया कि प्रस्तुत सभी बिंदुओं पर सकारात्मक विचार करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को राहत मिल सके। इस दौरान जिलाध्यक्ष ने जिलाधिकारी से सूचना विभाग में एलईडी ना लगने की बात भी कही, इस पर डीएम ने तत्काल सहायक सूचना अधिकारी विनय सिंह को निर्देशित करते हुए कहा कि सूचना विभाग में एलईडी की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। इस दौरान जिलाध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता के अलावा विद्यु शेखर मिश्रा, अनूप श्रीवास्तव, राकेश सिंह, कृपा शंकर पांडेय, अर्जुन सिंह, कामेश्वर विश्वकर्मा, विकास हलचल, कन्हैया यादव, मनोज वर्मा, विशाल टंडन आदि लोग उपस्थित रहे।

चोपन में सपा की जोन-सेक्टर बूथ बैठक संपन्न, 2027 चुनाव को लेकर रणनीति पर जोर

ब्यूरो चीफ विजय कुमार
अग्रहरी/ समाज जागरण

सोनभद्र। जनपद के चोपन क्षेत्र में समाजवादी पार्टी की जोन, सेक्टर एवं बूथ स्तर की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक जोन प्रभारी नजमुद्दीन की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जबकि संचालन नगर अध्यक्ष रमेश सोनी द्वारा किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए विधानसभा ओबरा के प्रभारी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लोहिया वाहिनी दीपचंद गुप्ता ने कार्यकताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आगामी 2027 का चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है, जो देश के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समाज को मजबूती प्रदान करने का कार्य करेगा। इसके लिए आवश्यक है कि पार्टी कार्यकर्ता एकजुट होकर जमीनी स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि वे जनता के बीच जाकर पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को पहुंचाएं तथा बूथ स्तर पर अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर संगठन को सशक्त बनाएं। बैठक में आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए रणनीति पर भी चर्चा की गई और कार्यकताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। इस अवसर पर ओबरा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुनील गौड़, रमेश यादव, परमेश्वर यादव, सभासद अंकित रावत, सभासद दल्लू यादव, नसरुद्दीन, सत्यदेव पांडेय, जाकिर हुसैन, उपेंद्र सेन, दीना सेठ, अखिलेश जिज्ञासु, सतीश यादव, मुन्ना लाल गुप्ता समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के अंत में जय समाजवाद और जय श्री अखिलेश यादव के नारों के साथ कार्यकताओं में उत्साह देखा गया।

भीषण सड़क हादसा: पिकअप और बाइक की टक्कर से एक की मौत, दूसरा घायल

आदिवासी सुनील त्रिपाठी/ समाज जागरण

जुगैल/ सोनभद्र। जनपद के जुगैल थाना क्षेत्र अंतर्गत परसीदाहिया टोला के पास शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने सामने से आ रही बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया। जानकारी के अनुसार,

करगरा भभइचा (थाना चोपन) निवासी राजेंद्र प्रजापति (50 वर्ष) अपने साथी रामसुंदर पुत्र दुखती के साथ एक पारिवारिक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। शुक्रवार दोपहर बाद दोनों बाइक से वापस लौट रहे थे, तभी रास्ते में पिकअप वाहन से उनकी भिड़ंत हो गई। हादसा इतना गंभीर था कि राजेंद्र प्रजापति की मौके पर ही हालत नाजुक हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चोपन ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने राजेंद्र को मृत घोषित कर दिया। वहीं, घायल रामसुंदर का इलाज जारी है। सीएचसी प्रभारी डॉ. सुभाष चंद्र ने बताया कि घटना की सूचना चोपन थाने को मेमो के माध्यम से भेज दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। हादसे के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

ओबरा में नारी शक्ति बंदन अधिनियम पर संगोष्ठी, छात्राओं को किया गया जागरूक

ब्यूरो चीफ विजय कुमार
अग्रहरी/ समाज जागरण

सोनभद्र। ओबरा स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नारी शक्ति बंधन अधिनियम के तहत एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष पुष्पा सिंह ने की। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए पुष्पा सिंह ने कहा कि नारी शक्ति बंधन अधिनियम महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। इस कानून के माध्यम से देश की महिलाओं को राजनीति में उचित प्रतिनिधित्व मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने बताया कि इस अधिनियम के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटों का आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें और इस तरह के कानूनों के समर्थन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। इसी क्रम में भाजपा की निवर्तमान जिला उपाध्यक्ष रंजना सिंह ने कहा कि सदियों से महिलाएं समाज का अभिन्न हिस्सा रही हैं, लेकिन उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में अपेक्षित स्थान नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम उस असंतुलन को दूर करने की दिशा में एक सशक्त कदम है। जब महिलाएं राजनीति में आगे आएंगी तो वे शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सामाजिक न्याय जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को और प्रभावी ढंग से उठा सकेंगी। इससे समाज में समानता और समग्र विकास को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की छात्राओं को महिला अधिकारों, राजनीतिक भागीदारी और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया गया। संगोष्ठी में डॉ. विभा पाण्डेय, डॉ. बीना यादव, डॉ. वैशाली शुक्ला, डॉ. संघमित्रा सहित महाविद्यालय की सभी छात्राएं उपस्थित रहीं। अंत में वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्राओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाते हैं, जो भविष्य में समाज के सशक्त निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

अवैध खनन मामले में 10 हजार का इनामी बाल अपचारी हिरासत में

समाज जागरण/
आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। जनपद में पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए वांछित बाल अपचारी को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस को इस अभियान में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। प्रभारी निरीक्षक रामस्वरूप वर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पतारसी-सुरागरसी के दौरान ग्राम खैरटिया (ओबरा क्षेत्र) से 10,000 रुपये के इनामी बाल अपचारी को 30 अप्रैल 2026 को हिरासत में लिया। कार्रवाई के दौरान मौके से एक काला थार वाहन (UP 64 AS 8515) बरामद किया गया, जिसे सीज कर दिया गया है। साथ ही इस प्रकरण से जुड़ा एक स्कॉर्पियो वाहन भी सीज किया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं सहित उपखनिज नियमावली व खान एवं खनिज अधिनियम के तहत मामला दर्ज है। हिरासत के बाद बाल अपचारी को विधिक प्रक्रिया पूरी कर न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। इस कार्रवाई में उ.नि. उमाशंकर यादव समेत रॉबर्ट्सगंज थाना पुलिस की टीम शामिल रही। सोनभद्र पुलिस का कहना है कि जिले में अवैध खनन और अपराध के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

हत्या में दोषी दंपती को सश्रम आजीवन कारावास की सजा

ब्यूरो चीफ विजय कुमार
अग्रहरी/ समाज जागरण

सोनभद्र। ढाई वर्ष पूर्व हुए नगीता हत्याकांड के मामले में वृहस्पतिवार को सुनवाई करते हुए सत्र न्यायाधीश राम सुलीन सिंह की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दोषी दंपती को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इनके ऊपर 11-11 हजार रुपए अर्थदंड भी लगाया गया है।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक राम सुदीन धरिकार पुत्र लक्ष्मण धरिकार निवासी सलखन टोला बहिरहवां, थाना चोपन, जिला सोनभद्र ने चोपन थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि 28 नवंबर 2023 को शाम 6 बजे उसका छोटा भाई चिनीलाल धरिकार हाथ में कुल्हाड़ी लेकर अपनी पत्नी रेशमी के साथ आया। घर पर उसकी पत्नी नगीता बच्चों के साथ घर का कामकाज कर रही थी। आवाज देकर उसकी पत्नी को भाई ने बुलाया और अपने साथ चलने को कहा तो नगीता ने साथ जाने से इनकार कर दिया। इसपर उसका छोटा भाई कुल्हाड़ी से नगीता के सिर पर प्रहार कर दिया और वह गिर गई। उसे सिर में गम्भीर चोटें आईं हैं। जब बचाने के लिए उसका बड़ा बेटा दौड़ा तो उसके सिर पर भी कुल्हाड़ी से प्रहार कर दिया। उसके बाद धमकी देते हुए छोटा भाई अपनी पत्नी के साथ भाग गया। जब वह बाजार से घर लौट रहा था तो उसका छोटा भाई चिनीलाल अपनी पत्नी रेशमी के साथ हाथ मे कुल्हाड़ी लेकर जा रहा था और उसकी पत्नी नगीता व बड़ा बेटा उत्तम जमीन पर गिरे पड़े थे। दोनों को दवा इलाज के लिए जिला अस्पताल लोढ़ी लेकर आया जहां पत्नी नगीता (40) वर्ष की सिर में कुल्हाड़ी से गम्भीर चोट लगने से मौत हो गई। जबकि बेटे उत्तम (13) वर्ष का दवा इलाज चल रहा है। आवश्यक कार्रवाई करें। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर दंपती के विरुद्ध न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था।

मामले की सुनवाई के दौरान जहां अभियुक्तगणों के अधिवक्ता ने पहला अपराध बताते हुए कम से कम दंड दिए जाने की याचना की, वहीं जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी ज्ञानेंद्र शरण रॉय ने हत्या का मामला बताते हुए अधिक से अधिक दंड देने की याचना की। अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने के बाद दोषसिद्ध पाकर दोषी दंपती चिनीलाल धरिकार व रेशमी को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इनके ऊपर 11-11 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है।

सोनभद्र में दो माह चलेगी मार्निंग कोर्ट

- इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में एक मई से 30 जून तक चलेगी प्रातःकालीन कोर्ट
- जिले की भौगोलिक स्थिति के साथ ही अत्यधिक गर्मी पड़ने के मद्देनजर प्रति वर्ष मार्निंग कोर्ट का होता है संचालन

ब्यूरो चीफ विजय कुमार
अग्रहरी/ समाज जागरण

सोनभद्र। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में सोनभद्र की अदालतों में दो माह मार्निंग कोर्ट चलेगी। एक मई शुक्रवार से प्रातःकालीन कोर्ट का संचालन शुरू हो जाएगा। जिसकी वजह से न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों एवं वादकारियों के नित्य क्रिया में परिवर्तन करना पड़ेगा जिससे शुरूआत में परेशानी होगी। बता दें कि सोनभद्र जिले की भौगोलिक स्थिति अन्य जिलों से भिन्न है। जिसके चलते दो महीने मई और जून माह में भयंकर गर्मी पड़ती है। सोनभद्र बार एसोसिएशन एवं डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के संयुक्त प्रस्ताव पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोनभद्र में दो माह अर्थात एक मई से 30 जून तक के लिए मार्निंग कोर्ट संचालित करने का निर्देश दिया है। जनपद न्यायाधीश सोनभद्र राम सुलीन सिंह ने प्रातःकालीन कोर्ट का संचालन एक मई से 30 जून तक प्रातः 7 बजे से दोपहर बाद एक बजे तक करने का निर्देश दिया है। वहीं कार्यालय का समय प्रातः 6:30 बजे से दोपहर बाद 1:30 बजे तक होगा। इसके अलावा मध्यावकाश का समय सुबह 10:30 बजे से पूर्वान्ह 11:00 बजे तक रहेगा। यह आदेश जनपद न्यायालय सोनभद्र व अधीनस्थ न्यायालयों, वाह्य न्यायालय अनपरा स्थित ओबरा, दुद्धी व ग्राम न्यायालय घोरावल पर लागू होगा।

चकबंदी घोटाले का आरोप, 346वें दिन भी उबाल पर किसानों का गुस्सा

जमीन बचाओ आंदोलन तेज, प्रशासन पर अनदेखी का गंभीर आरोप

ब्यूरो चीफ विजय कुमार
अग्रहरी/ समाज जागरण

सोनभद्र। घोरावल ब्लॉक के भैसवार गांव में चकबंदी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को लेकर किसानों का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। ह्लजमीन बचाओह्व के नारे के साथ जारी धरना अब 346वें दिन में प्रवेश कर चुका है, जिससे प्रशासनिक उदासीनता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

सेमरीहवा टोला स्थित बछनार बिरबाबा देवस्थान पर चल रहे इस आंदोलन का नेतृत्व भारतीय किसान यूनियन (लोक शक्ति) के जिला अध्यक्ष बिरजू कुशवाहा कर रहे हैं। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण एकजुट होकर अपनी जमीन बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। किसानों का आरोप है कि चकबंदी विभाग में भारी अनियमितताएं हुई हैं, जिससे उनकी जमीनों के साथ अन्याय किया जा रहा है। भाकियू (लोक शक्ति) के नेताओं ने बताया कि 24 फरवरी 2026 को मुख्यमंत्री कार्यालय के विशेष कार्याधिकारी द्वारा मिजार्पुर मंडल के आयुक्त, सोनभद्र के जिलाधिकारी और चकबंदी अधिकारी को 15 मार्च तक रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए थे। बावजूद इसके, अब तक कोई ठोस कार्रवाई या रिपोर्ट सामने नहीं आई है।

नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जब तक चकबंदी में हुई गड़बड़ियों की निष्पक्ष जांच नहीं होती, तब तक गांव में चकबंदी प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ने दिया जाएगा। यदि प्रशासन ने जल्द संज्ञान नहीं लिया, तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। भाकियू (लोक शक्ति) के जिला सचिव संजय कुमार यादव ने भी प्रशासन की निष्क्रियता पर नाराजगी जताते हुए कहा कि किसानों की समस्याओं की लगातार अनदेखी हो रही है। उन्होंने मांग की कि भैसवार गांव के किसानों को न्याय और तत्काल राहत दी जाए। धरना स्थल पर प्रमुख रूप से बिरजू कुशवाहा, सचिन, संजय कुमार यादव, रामपाल, सीताराम मौर्य, बहादुर कोल, काशीनाथ मौर्य, जवाहीर और गुंजन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन जागेगा या किसानों का संघर्ष और उग्र होगा?

चक्रवाती तूफान का कहर 24 घण्टा से बिजली सप्लाई बंद कई जगह पोल तार जमींदोज

ब्यूरो चीफ विजय कुमार
अग्रहरी/ समाज जागरण

बीजपुर/ सोनभद्र। स्थानीय क्षेत्र के ग्रामीण अंचल में बुधवार और गुरुवार को अचानक आए चक्रवाती तूफान और बरसात के कारण 80 हजार घरों की बिजली सप्लाई बंद हो गयी।तूफान के कारण जंगलो गांवों में लगाए गए कई जर्जर पोल और तार टूट कर जमीनदोज हो गए।क्षेत्र में पेयजल की किल्लत शुरू हो गयी तो लोगों की रात दो दिन से अंधेरे में कट रही है।अचानक हुई बारिश और दिन में धूप के कारण उमस भरी जिंदगी से लोग त्रस्त हो गए।बताया गया कि पिपरी से आनेवाली 33 केवीए मेन सप्लाई के कई पोल टूट कर बिखर गए है जिसके कारण कुंडॉडीह बभनी नधिरा बीजपुर उपकेंद्र की बिजली सप्लाई प्रभावित है।इस दौरान भीषण गर्मी से जहां लोगो को कुछ निजात मिली जरूर लेकिन कुछ ही देर में उमस ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है।गांवों में बढ़ते मच्छरों के प्रकोप से लोग दो चार हो रहे है।बिजली सप्लाई कब तक बहाल होगी एसडीओ म्योरपुर शिवम गुप्ता ने कहा कि अभी तक तो हमलोग तूफान और बारिश में ही उलझे थे काम शुरू कराया गया है कोशश है जल्द सप्लाई बहाल हो सके।

फार्मर रजिस्ट्री अभियान: खातेदारों के अंश निर्धारण हेतु चार दिवसीय विशेष पहल प्रारंभ

ब्यूरो चीफ विजय कुमार
अग्रहरी/ समाज जागरण

सोनभद्र। जनपद में किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने फार्मर रजिस्ट्री एवं खातेदारों के अंश निर्धारण हेतु चार दिवसीय विशेष अभियान का शुभारंभ किया गया है। यह अभियान दिनांक 30 अप्रैल से प्रारंभ होकर 3 मई तक संचालित किया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य राजस्व अभिलेखों को अद्यतन करते हुए किसानों से संबंधित डाटा की शुद्धता सुनिश्चित करना है, जिससे उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ सुगमता से प्राप्त हो सके। इस विशेष अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु राजस्व विभाग, कृषि विभाग, जिला पंचायत विभाग एवं विकास विभाग को संयुक्त रूप से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक लेखपाल के लिए स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं, जिनके आधार पर कार्य की प्रगति का मूल्यांकन किया जाएगा। अभियान के दौरान पीएम किसान योजना के अंतर्गत लाभार्थी कृषकों के डाटा में पाई गई त्रुटियों–जैसे मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार एवं खतौनी में मिसमैच–को प्राथमिकता के आधार पर ठीक किया जाएगा। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे प्रतिदिन सायं 6:00 बजे तक कार्य प्रगति की रिपोर्ट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति न होने पर संबंधित कार्मिकों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने सभी विभागों को समन्वय बनाकर कार्य करने तथा अभियान को पूर्ण रूप से सफल बनाने के निर्देश दिए हैं। यह अभियान किसानों के अधिकारों की सुरक्षा एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

बीजपुर में शराब माफियाओं की मनमानी: तय समय के बाद ऊंचे दाम पर धड़ल्ले से बिक्री, प्रशासन मौन

समाज जागरण/
आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। बीजपुर बाजार क्षेत्र में शराब बिक्री के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। बीजपुर बाजार स्थित कम्पोजिट अंग्रेजी शराब एवं बीयर शॉप पर निर्धारित समय सीमा के बाद भी धड़ल्ले से शराब बेचे जाने के गंभीर आरोप सामने आ रहे हैं। सरकारी नियमों के अनुसार जहां शराब दुकानों को रात 10 बजे तक ही संचालित किया जाना है, वहीं संबंधित दुकान पर रात 10:30 बजे के बाद तक बिक्री जारी रहने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि दुकान न केवल तय समय के बाद खुली रहती है, बल्कि रात 10 बजे के बाद अद्धा, पौवा और बोतलों पर प्रिंट रेट से 20 से 50 रुपये अधिक वसूले जा रहे हैं। इस अवैध वसूली के चलते आए दिन ग्राहकों और विक्रेताओं के बीच झगड़े, गाली-गलौज और विवाद की स्थिति बन रही है, जिससे क्षेत्र का माहौल बिगड़ता जा रहा है।

आरोप यह भी है कि दुकान निर्धारित समय से पहले ही खोल दी जाती है और देर रात 11 से 12 बजे तक खुलेआम बिक्री जारी रहती है। नाम न छापने की शर्त पर कई स्थानीय नागरिकों ने बताया कि इस तरह की लापरवाही और नियमों की अनदेखी से क्षेत्र में नशाखोरी को बढ़ावा मिल रहा है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं और अपराध की आशंका भी बढ़ गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि शराब बिक्री के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित हो सके और क्षेत्र में शांति व कानून व्यवस्था कायम रह सके।

ट्रक के धक्के से पोल हुआ क्षतिग्रस्त

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। जंसा थाना क्षेत्र स्थित कुरौना बाजार में गुरुवार को सुबह एक ट्रक ने बिजली के खंभे को टक्कर मार दी। इस घटना में खंभा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि वह जमीन पर नहीं गिरा, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दूध के पैकेट लेकर आया ट्रक बैक करते समय सड़क किनारे लगे विद्युत पोल से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि खंभा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। यदि खंभा गिर जाता तो आसपास मौजूद लोगों के लिए जान का खतरा पैदा हो सकता था।घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत विद्युत उपकेंद्र गंगापुर को सूचना दी। सूचना मिलते ही एहतियातन बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई और विद्युत विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंच गए।

इस बीच, घटना की जानकारी डायल 112 पर भी दी गई। पुलिस टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

भगवान स्मरण करना जरूरी: बाल व्यास प0 आलोक कृष्ण

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। बाल व्यास प0 आलोक कृष्ण महाराज ने कहा कि भगवान का स्मरण करने से ही मन शांत होता है वही जीवन मे आने वाली बाधा

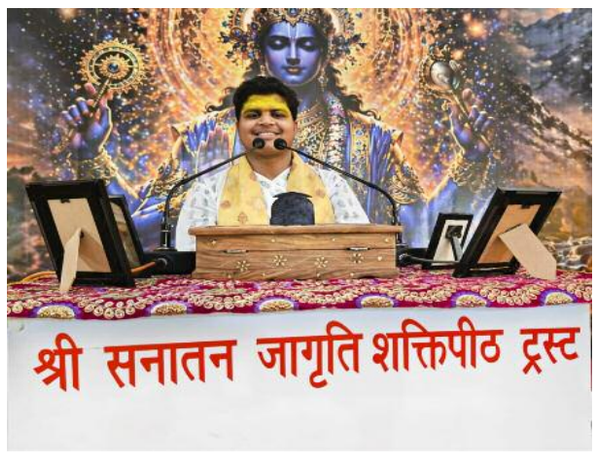

दूर होती है। और अच्छे समाज स्थापित कर सकते है।

उक्त प्रवचन श्री सनातन जागृति शक्तिपीठ ट्रस्ट के तत्वावधान में सारनाथ शक्तिपीठ स्थित श्री नीम करौली बाबा के पांचवे स्थापना दिवस पर आयोजित श्री मदभागवत कथा के चौथे दिन गुरुवार को कही। उन्होंने कहा कि भगवान में सुदृढ और एकनिष्ठ अनुराग का नाम ही भक्ति योग है एंव भक्ति योग से वैराग्य व ज्ञान की उतपत्ति होती है। भगवान का नाम लेकर कोई काम शुरू करने से काम सफल होता है। इसके महंत विद्या निवास ने श्री मदभागवत की आरती व पूजन किया।

मैस से टकराकर बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल ट्रामा सेंटर रेफर

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया थाना क्षेत्र के बैधा गांव में बुधवार की रात्रि में बाइक सवार भैंस से टकराकर दो युवक घायल हो गए मौके पर पहुँचे ग्रामीणों ने दोनों घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आये जंहा पर चिकित्सक द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया है थाना क्षेत्र के खम्हरिया कला गांव निवासी 30 वर्षीय अंसार अपने साथी लायन गांव निवासी 35 वर्षीय करियवा के साथ बाइक से पिपरा बाजार की तरफ से लौट रहे थे की अज्ञात बोलोरो वाहन ने एक भैंस को टक्कर मार दिया जिससे भैंस की मौत हो गई बाइक सवार भैंस से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गए मौके पर पहुँचे ग्रामीणों ने दोनों घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आये चिकित्सक द्वारा दोनों की हालत गंभीर देखकर ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया है

अज्ञात कारणों से विषाक्त पदार्थ खाने से किशोरी की हालत गंभीर, ट्रामा सेंटर रेफर

समाज जागरण

मीरजापुर/ हलिया थाना क्षेत्र के एक गांव में एक किशोरी द्वारा अज्ञात कारणों से विषाक्त पदार्थ खाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद किशोरी की हालत गंभीर हो गई, जिससे परिजनों में हड़कंप मच गया।थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक 15 वर्षीय किशोरी ने गुरुवार को भोर में किसी विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। इसके बाद उसकी तबियत अचानक बिगड़ गई। हालत गंभीर होने पर परिजन उसे तत्काल निजी साधन से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया ले गए। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. अवधेश कुमार ने किशोरी की नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए ट्रामा सेंटर मीरजापुर रेफर कर दिया। घटना के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है।

हको के लिए संघर्ष करते रहेंगे --रामनिवास यादव

समाज जागरण - ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। संवेधानिक हकों , अधिकारों और सम्मान के लिये किसी भी

सीमा तक जाकर करेंगे संघर्ष - प्रधान संगठन

उक्त विचार अखिल भारतीय प्रधान संगठन के मण्डल अध्यक्ष राहुल यादव एड. ने नौवे दिन धरने को सम्बोधित करते हुये कहा कि इतिहास गवाह है कि विना संघर्ष किसी को हक अधिकार नहीं मिले हैं इसलिए संघर्ष तो आवश्यक है। परन्तु शासन प्रशासन द्वारा अपने दायित्वों का क्रियान्वन नहीं किया जायेगा ' हैरान कराने वाला है सरकारें तो आती जाती रहती है '

जिलाध्यक्ष रामनिवास यादव ने कहा कि संघर्ष जितना लम्बा और कठोर होगा परिणाम उतना ही अच्छा होगा इसलिए विना किसी वाधा के लगे रहिये धरने पर विनोद कुमार शर्मा , अवधेश प्रताप सिंह , पप्पू सिंह , नरोत्तम सिंह , भूपेंद्र सिंह यादव , पूरन सिंह फौजी , श्रीपालसिंह , रविंद्र सिंह , सोनवीर सिंह यादव , छोटेलाल राजपूत , अतुल प्रताप सिंह , श्रीपति लाल , आशीष निषाद , बी एल बघेल , ताराचंद्र , पुष्पेंद्र सिंह यादव , संतोष कुमार , आदि प्रधान मौजूद रहे '

कल 01मई 2026 छुट्टी के चलते धरना स्थगित रहेगा तथा 02 मई 2026 को धरना विधिवत रहेगा सभी प्रधान साथी पधारें।

विश्वास का पथ गंगा एक्सप्रेसवे प्रदेश का भाग्य रेखा

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी प्रदेश के सबसे बड़े एक्सप्रेसवे के रूप में गंगा एक्सप्रेस को विकास के मानकों पर प्रदेश की भाग्यरेखा कहने के साथ इसे 'माँ गंगा' का वरदान कहा गया।पांच साल से कम समय मे एक लाख से अधिक किसानों की भूमि का अधिग्रहण कर प्रदेश के पश्चिमी हिस्से का सीधा संपर्क पूरब तक विकास के प्रति विश्वास के पथ को आलोकित करता है।36 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि से निर्मित 594 किमी लंबा गंगा एक्सप्रेसवे प्रदेश की नई भाग्य रेखा साबित होगा।

औद्योगिक ,सांस्कृतिक , सामाजिक ,आर्थिक विकास के कई पथ एक्सप्रेसवे के साथ -साथ सृजित हुए हैं। 500 से अधिक गांवों और 12 जिलों की आर्थिकी को इससे सीधा बल मिला है। आवागमन सिर्फ यात्रियों का नहीं उत्पादों का भी होगा। जो प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य पूरा होगा। प्रदेश में एक्सप्रेसवे यूपी की हिस्सेदारी करीब 60 प्रतिशत जो मेरठ से प्रयागराज को जोड़ने वाले इस एक्सप्रेसवे के हरिद्वार तक विस्तार से आस्था और संस्कृति की भूमि यूपी को और भी पुष्पित पल्लवित करेगी।

वर्तमान में यूपी में संचालित एक्सप्रेसवे में यमुना एक्सप्रेसवे 165 किमी, आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे 302 किमी ,पूर्वांचल एक्स्प्रेसवे 341 किमी ,बुंदेलखंड एक्स्प्रेसवे 296 किमी ,गोरखपुर लिंक एक्स्प्रेसवे 91 किमी ,नोएडा -ग्रेटर नोएडा एक्स्प्रेसवे 25 किमी व दिल्ली मेरठ एक्स्प्रेसवे 96 किमी कुल 1316 किमी बन चुके हैं और कुछ तो निमार्णाधीन हैं। इससे 27 स्थानों पर इंडस्ट्रीयल क्लस्टर और लॉजिस्टिक हब खुलेंगे जिसमें निवेश व रोजगार के नए द्वार खुलेंगे।

उक्त बातें हरहुआ स्थित व्यापार मंडल कार्यालय पर 'देश मे प्रगति पथ में एक्सप्रेसवे के योगदान' विषयक संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि यूपी व्यापार मंडल के प्रदेश महामन्त्री वीरेंद्र कुमार गुप्ता ने अपने सम्बोधन में व्यक्त किया। और व्यापारियों के लिए वरदान एक्सप्रेस वे साबित होंगे। देश के पीएम मोदी व प्रदेश के सीएम योगी को इस कार्य के लिए धन्यवाद दिया।

व्यापार मंडल के संरक्षक राजेन्द्र गुप्ता , वरिष्ठ पत्रकार के0 एल0 पथिक,अनिल जायसवाल ,सन्तोष कुमार गुप्ता ,जयचंद मोदनवाल ,राजेश गुप्ता, नन्दलाल गुप्ता ,दिवाकर सिंह ,सचिन दुबे ,अभय मौर्य व विशाल पटेल ने प्रदेश में बढ़ते प्रगति पथ एक्स्प्रेसवे का स्वागत करते हुए सर्वांगीण विकास का माध्यम बतलाया। हनुमान मंदिर से लड्डू प्रसाद वितरित कर एक दूसरे को बधाई दी।

बारात में आये युवक की बाइक हुई चोरी पीड़ित ने पीआरबी 112 पर दिया सूचना

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया थाना क्षेत्र के सोनगढ़ा गांव में बुधवार की रात्रि बारात में आये युवक की बाइक चोरी हो गई काफी खोजबीन के बाद भी बाइक नहीं मिलने पर पीड़ित ने 112 पुलिस को सूचना दिया पुलिस जांच में जुटी है लालगंज थाना क्षेत्र के थरपरसिया गांव निवासी मोतीलाल अपने स्पेलेंडर बाइक से रिश्तेदार के यंहा सोनगढ़ा गांव में बारात में शामिल होने के लिए आये थे बाइक को खडी कर बारात में शामिल होने के लिए चले गए वापस आने पर देखा की बाइक नहीं है खोजबीन शुरू किया लेकिन बाइक नहीं मिलने पर पीआरबी 112 पर सूचना दिया मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल किया लेकिन बाइक का पता नहीं चल सका है बारात से बाइक चोरी होने पर पीड़ित परेशान है

घर से निकले अधेड़ का खंभवा बंधी में मिला शव, परिजनों में मचा कोहराम

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया थाना क्षेत्र के परसिया मुड़पेली गांव निवासी एक अधेड़ का शव गुरुवार सुबह घर से दो सौ मीटर दूर खंभवा बंधी में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने अधेड़ के शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के परसिया मुड़पेली निवासी राम किशोर (55) बुधवार शाम करीब पांच बजे घर से निकले थे लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। परिजनों ने अधेड़ की काफी खोजबीन की, मगर कोई सुराग नहीं मिल सका। गुरुवार की सुबह घर से दो सौ मीटर दूर स्थित खंभवा बंधी के किनारे ग्रामीणों ने एक जोड़ी जूता देखा, जिसकी सूचना परिजनों को दी गई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने तलाश की तो बंधी में राम किशोर का शव मिला। घटना की सूचना मिलते ही हलिया पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। अचानक हुई इस घटना से स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव में शोक का माहौल व्याप्त है। मृत अधेड़ को एक पुत्र था जिसकी पहले ही मृत्यु हो चुकी है पत्नी छबीलिया का रो रोकर बुरा हाल है।आशंका जताई जा रही है कि बंधी में मौजूद मगरमच्छ ने अधेड़ को बंधी में खींच लिया जिससे अधेड़ की मौत हुई है मौके पर रेंजर हलिया संतोष कुमार राय वन दरोगा सूरज पांडेय, नीतू शर्मा पहुंचकर जांच पड़ताल कर रहे हैं पोस्टमार्टम के बाद ही अधेड़ के मृत्यु का कारण पता चल सकेगा इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि अधेड़ का शव बंधी में मिलने की सूचना पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है

जायंट्स ग्रुप ऑफ फिरोजाबाद सशक्त नारी द्वारा मजदूर दिवस पर कराया भोजन।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। जायंट्स ग्रुप ऑफ सशक्त नारी द्वारा मजदूर दिवस के उपलक्ष्य में श्रमिकों के सम्मान में विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मजदूरों को भोजन कराया गया एवं शीतल जलजीरा वितरित किया गया।

इस अवसर पर ग्रुप की अध्यक्षा निधि जैन ने कहा कि मजदूर दिवस का उद्देश्य श्रमिकों की मेहनत और उनके महत्वपूर्ण योगदान को सम्मान देना तथा उन्हें उनके सामाजिक एवं आर्थिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि समाज के निर्माण में मजदूरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनके प्रति सम्मान व सहयोग हमारी जिम्मेदारी है।

प्रशासनिक निदेशिका मेघा जैन ने कहा कि ऐसे सेवा कार्यों के माध्यम से हम न केवल जरूरतमंदों की सहायता करते हैं, बल्कि समाज में संवेदनशीलता और सहयोग की भावना को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम जारी रखने की बात कही।

ग्रुप निदेशिका पूजा मित्तल के सौजन्य से रोटरी क्लब में मजदूरों के लिए दोपहर के भोजन की व्यवस्था की गई। साथ ही भीषण गर्मी को देखते हुए शीतल जलजीरा का वितरण किया गया, जिससे सभी को राहत मिली।

इस सेवा कार्य में फेडरेशन उपाध्यक्ष श्रीमती सौम्या चौहान, यूनिट डायरेक्टर प्राची अग्रवाल, फेडरेशन ऑफिसर श्रीमती वर्तिका जैन एवं महिला शक्ति की पूर्व अध्यक्षा रेणु अरोरा का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम में अध्यक्षा निधि जैन, प्रशासनिक निदेशिका मेघा जैन, वित्त निदेशिका अनु जिंदल सहित प्रीति गर्ग, ऋचा गर्ग, पूजा मित्तल, कनिका, जूही अग्रवाल, शिवाली जैन, प्रियंका एवं अन्य सदस्याओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया।

नगर निगम की बैठक में जमकर हुआ हंगामा।

समाज जागरण - ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। नगर निगम फिरोजाबाद के श्री रामचन्द्र पालीवाल हॉल में आयोजित सदन की बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता नगर निगम की महापौर कामिनी राठौर ने की इस अवसर पर नगर आयुक्त मौजूद रहे जिसमें नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पारित न किए जाने तथा विपक्ष द्वारा किए गए विरोध के संदर्भ में निंदा प्रस्ताव पारित किया गया।

यह निंदा प्रस्ताव महिलाओं के सम्मान, समान भागीदारी एवं उनके सशक्तिकरण के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

नारी शक्ति समाज और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उनके अधिकारों की सुरक्षा, सम्मान एवं उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना हम सभी का नैतिक दायित्व है।

नगर निगम फिरोजाबाद सदैव नारी सम्मान एवं उनके अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

वही प्रस्ताव के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के पार्षद मौजूद रहे विपक्ष के पार्षद हाथों में पट्टिका लेकर आए जिस पर लिखा था महिला आरक्षण 33% 2023 लागू करो इसी बात को लेकर दोनों पक्ष भिड़ गए और जमकर हंगामा काटा काफी देर बाद मामला शांत हुआ उसके बाद विपक्ष द्वारा संसद में नारी शक्ति बंदन अधिनियम का विपक्ष द्वारा विरोध करने और उसे पास न करने पर निंदा प्रस्ताव पास किया गया इस अवसर पर सभी पार्षदगढ़ एवं नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

नारी श्रद्धा की प्रतिमूर्ति बन मजबूत समाज की संरचना का सशक्त केंद्र बिंदु है:अजय मिश्रा

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। भारतीय संस्कृति ,संस्कार को मजबूती प्रदान करने की दिशा में नारी शक्ति की अहम भूमिका कल थी और आज सबल ,आत्मनिर्भर नारी सर्वांगीण विकास का कार्य कर रही है। 'यंत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमन्ते तत्र देवता' हमारी जीवन शैली का अहम हिस्सा है। नारी श्रद्धा की प्रतिमूर्ती बन मजबूत समाज की संरचना का सशक्त केंद्र बिंदु हैं।

उक्त बातें आज गुरुवार को हरहुआ ब्लाक के हनुमान मंदिर सातो महुआ पर आयोजित नारी वंदन सशक्तिकरण विषयक संगोष्ठी में हरहुआ भाजपा मंडल अध्यक्ष अशुतोष मिश्रा 'अजय 'ने अपने सम्बोधन में व्यक्त किया। आधी आबादी का हिस्सा महिलाएं ही देश की असली ताकत हैं हमें आदर व सम्मान दिए जाने की जरूरत है। 10 महिलाओं को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

अन्य वक्ताओं ने वैदिक कालीन नारियों से प्रेरणा लेकर जीवन मे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर कपिलनारायन पांडेय, जिला पंचायत सदस्य गौतम सिंह ,मण्डल उपाध्यक्ष अरुणेंद्र सिंह, अनिल पांडेय , अपरबल सिंह ,शिवबालक सहित कई कार्यकर्त्ता उपस्थित रहकर विचार व्यक्त किया।

के जे कॉलेज ऑफ फार्मेसी में टैलेंट प्रतिभा खोज का आयोजन

सेमिनार हॉल का भव्य उद्घाटन एवं टैलेंट प्रतिभा खोज प्रतियोगिता मे टॉप 50 मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह सम्पन्न

समाज जागरण/शिव तिवारी
बड़ागांव वाराणसी

के जे एजुकेशनल ग्रुप बाबतपुर में गुरुवार को नवनिर्मित सेमिनार हॉल का भव्य उद्घाटन बड़े ही गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिष्ठित शिक्षाविद एवं समाजसेवी डॉ. प्रभात सिंह मिंटू उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में संस्था के चेयरमैन प्रदीप सिंह इलाका,वाइस चेयरमैन डॉ. योगेंद्र कुमार सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जनता ग्रुप ऑफ कॉलेज के चेयरमैन संदीप सिंह एवं आशा ग्रुप के डायरेक्टर सुशांत सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। इन सभी की उपस्थिति ने आयोजन को और भी भव्य एवं प्रेरणादायक बना दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास एवं रोजगारपरक ज्ञान पर विशेष ध्यान देने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आज के युग में केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक ज्ञान और आत्मविश्वास सफलता की कुंजी है।

इस अवसर पर संस्थान ने टैलेंट प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के टॉप 50 मेधावी छात्र-छात्राओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले छात्रों में प्रथम स्थान - समृद्धि सिंह द्वितीय स्थान - रिमांशी तिवारी तृतीय स्थान - प्रिंस कुमार वर्मा चतुर्थ स्थान झ नितिन कुमार सिंह पंचम स्थान - हर्ष दुबे रहे।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. गणेश लाल (एसोसिएट प्रोफेसर, के .जे . कॉलेज ऑफ फामेर्सी) द्वारा किया गया, जिन्होंने अपने प्रभावशाली मंच संचालन से पूरे आयोजन को सुसंगठित एवं आकर्षक बनाए रखा।

इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) मिथिलेश द्विवेदी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और ऐसे आयोजनों को निरंतर आयोजित करने की बात कही।

कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के शिक्षकों– पंकज कुमार त्रिपाठी डॉ. शिव जी कश्यप, डॉ. सचिन अग्रहरी, डॉ. जितेंद्र कुमार, प्रीति पांडेय, राजलक्ष्मी पांडेय, मनीषा, दीपांशी, बृजेश कुमार, कमलेश सिंह (संमुख कॉलेज प्राचार्य), ऋषभ सर एवं पवन सर–का विशेष योगदान रहा। साथ ही के .जे . एजुकेशनल ग्रुप के समस्त शिक्षकों एवं स्टाफ ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

हरे पेड़ काटने की सूचना पर जांच को पहुंचे एडीएम नमाम गंगे

वन विभाग और नगर पालिका की टीम भी मौके पर पुहंची।

समाज जागरण

शिकोहाबाद। सुभाष तिराहा पर एक जैन बगीची को जगह स्वामी ने प्रापर्टी डीलरों को बेंच दिया है। इसमें कई दुकानें बनाई गई हैं। जिसकी बिक्री की जा रही है। इसी को लेकर किसी ने शिकायत की कि बगीची में खड़े हरे पेड़ों को काटा जा रहा है। शिकायत की जांच के लिए एडीएम नमाम गंगे, वन क्षेत्राधिकारी और नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी टीम के साथ पहुंच गए। जांच के दौरान शिकायतकर्ता भी पहुंच गया, जब उससे शिकायत के बारे में जानकारी की तो उसने शिकायत करने से ही इंकार कर दिया। इसके बाद सभी अधिकारी रवाना हो गये।

सुभाष तिराहा पर आगरा को जाने वाली सर्विस रोड पर एक जैन समाज के लोगों की बगीची थी। पहले इसमें एक जैन समाज के महाराज की मूर्ति भी थी। जिसे स्थानांतरित कर दिया गया। इसके बाद बगीची को प्रापर्डी टीलरों को बेंच दिया। सौदा बड़ा होने के कारण इसमें छह लोगों ने पार्टनर शिप में खरीदा और इसमें मार्केट निकाला। बगीची की जगह में लगभग 100 से ज्यादा दुकानें हैं। जिनकी बिक्री चल रही है। इस जगह में पेड़ों के साथ ही कुछ झाड़ झंकार खड़ी थीं। जिसकी सफाई कराई गई थी। इसके बाद कुछ पेड़ों की टहनियों को भी छांट दिया गया। इसकी शिकायत किसी ने जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री पोर्टल पर कर दी। जिसकी जांच के लिए गुरुवार को एडीएम नमाम गंगे मोहनलाल गुप्ता, डीएफओ डा. भानेन्द्र सिंह, वन क्षेत्राधिकारी श्यामू सिंह, अधिशाषी अधिकारी राजेश कुमार और राजस्व निरीक्षक शिवांश मिश्रा और कार्यालय अधीक्षक हृदयराम यादव टीम के साथ पहुंचे और वहां मौजूद प्रापटीडीलर से वार्ता की। जांच के दौरान शिकायत कर्ता को भी मौके पर बुलाया गया। लेकिन जब शिकायत कर्ता से शिकायत के बारे में जानकारी की तो उसने अधिकारियों के सामने स्पष्ट कहा कि उसने कोई शिकायत नहीं की है। उसके नाम से किसी अन्य व्यक्ति ने शिकायत कर दी होगी। मौके पर भी अधिकारियों को कोई पेड़ कटा हुआ नहीं मिला। इसके बाद अधिकारी शिकायत का निस्तारण कर चले गये।

प्राइवेट स्कूलों में अभिभावकों का शोषण नहीं होने दिया जाएगा: डीआईओएस-बीएसए

- बीएसए कार्यालय में निजी स्कूल संचालकों और अभिभावक संघ के साथ हुई अहम बैठक
- शिक्षा अधिनियम के नियमों का कड़ाई से पालन कराने के दिए निर्देश

समाज जागरण - ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। जिले में संचालित निजी विद्यालयों में शिक्षा अधिनियम के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित कराने तथा अभिभावकों के आर्थिक व मानसिक शोषण पर रोक लगाने के उद्देश्य से बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला विद्यालय निरीक्षक धीरेंद्र कुमार एवं बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार पांडेय ने संयुक्त रूप से की।

बैठक में प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के पदाधिकारियों, विभिन्न निजी विद्यालय संचालकों तथा अभिभावक संघ के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान निजी विद्यालयों में फीस, किताबें, यूनिफॉर्म, परिवहन शुल्क एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर अभिभावकों की शिकायतों पर गंभीर चर्चा की गई।

मनमानी वसूली और दबाव की शिकायतों पर जताई सख्ती

बैठक में अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि शिक्षा विभाग किसी भी स्थिति में अभिभावकों का शोषण बर्दाश्त नहीं करेगा। निजी विद्यालयों को शासन द्वारा निर्धारित शिक्षा अधिनियम, शुल्क नियंत्रण, मान्यता संबंधी प्रावधानों और पारदर्शी व्यवस्था का पालन करना अनिवार्य होगा।

बीएसए ने कहा कि विद्यालय शिक्षा का मंदिर हैं, इन्हें व्यवसायिक शोषण का केंद्र नहीं बनने दिया जाएगा। वहीं बीएसए आशीष कुमार पांडेय ने स्कूल संचालकों को निर्देश दिए कि अभिभावकों पर अनावश्यक किताबें, ड्रेस, कॉपी या अन्य सामग्री खरीदने का दबाव न बनाया जाए और फीस संरचना में पूर्ण पारदर्शिता रखी जाए।

बैठक में मौजूद अभिभावक संघ के प्रतिनिधियों ने विभिन्न निजी स्कूलों की मनमानी को लेकर अपनी बात रखी, जिस पर दोनों अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि यदि किसी भी स्कूल द्वारा नियम विरुद्ध शुल्क वसूली, उत्पीड़न या दबाव बनाया गया तो शिक्षा विभाग तत्काल जांच कर कठोर कार्रवाई करेगा। अधिकारियों ने कहा कि अभिभावकों के हित सर्वोपरि हैं और बच्चों की शिक्षा के नाम पर किसी प्रकार का आर्थिक बोझ या अनुचित दबाव स्वीकार नहीं किया जाएगा।

बैठक के अंत में निर्णय लिया गया कि निजी विद्यालयों की कार्यप्रणाली की समय-समय पर समीक्षा की जाएगी तथा अभिभावकों से मिलने वाली शिकायतों के निस्तारण के लिए प्रभावी निगरानी तंत्र सक्रिय किया जाएगा।

डिजिटल होगी जनगणना 2027: पूर्वी सिंहभूम प्रशासन ने पूरी की तैयारी, नागरिकों से सहयोग की अपील

समाज जागरण 30.04.2026
चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)
पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

जमशेदपुर देशभर में प्रस्तावित जनगणना 2027 को लेकर पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस संबंध में उपायुक्त राजीव रंजन ने एक प्रेस वार्ता आयोजित कर जिले में जनगणना की प्रक्रिया, तैयारियों और कार्य प्रणाली की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से कराई जाएगी, जो देश के इतिहास में पहली बार होगा।

उपायुक्त ने जानकारी देते हुए कहा कि जनगणना 2027 को दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पहला चरण 1 मई से 14 जून तक निर्धारित किया गया है। इस दौरान 1 मई से 15 मई के बीच नागरिकों को स्वयं ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज करनी होगी। इस प्रक्रिया को ह्यसेल्फ एन्यूमरेशनह्ल कहा गया है, जिसमें नागरिकों को घर बैठे अपनी व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक जानकारी भरने की सुविधा मिलेगी।

उन्होंने बताया कि ऑनलाइन जानकारी भरने के बाद प्रत्येक परिवार को एक विशेष एस.ई. आईडी (Self Enumeration ID) जारी की जाएगी। यह आईडी फील्ड सर्वे के दौरान नियुक्त पर्यवेक्षकों को दिखाना अनिवार्य होगा, जिससे डेटा का सत्यापन किया जा सके। इससे जनगणना प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनेगी।

राजीव रंजन ने यह भी स्पष्ट किया कि नागरिकों द्वारा दी गई सभी जानकारियां पूरी तरह सुरक्षित रखी जाएंगी। डेटा सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए प्रशासन ने मजबूत डिजिटल व्यवस्था तैयार की है, जिससे किसी भी प्रकार की जानकारी का दुरुपयोग न हो सके। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी भी अफवाह या भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें और सही व सटीक जानकारी ही दर्ज करें।

प्रशासन की ओर से जनगणना कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारी की गई है। इस कार्य में शामिल होने वाले पर्यवेक्षकों और गणनाकारों को तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें डिजिटल ऐप के उपयोग, डेटा संग्रहण, सत्यापन और रिपोर्टिंग की पूरी प्रक्रिया समझाई जाएगी, ताकि कार्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

उपायुक्त ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि देश के विकास की आधारशिला है। इसी के आधार पर सरकार विभिन्न योजनाएं बनाती है, संसाधनों का वितरण तय करती है और विकास की दिशा निर्धारित करती है। इसलिए प्रत्येक नागरिक की भागीदारी इस प्रक्रिया में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे निर्धारित समय के भीतर अपनी जानकारी ऑनलाइन अवश्य भरें और प्रशासन का पूरा सहयोग करें। समय पर और सही जानकारी देने से न केवल जनगणना कार्य में तेजी आएगी, बल्कि इससे भविष्य की योजनाओं को भी बेहतर तरीके से लागू किया जा सकेगा।

प्रशासन का लक्ष्य है कि जनगणना 2027 को तय समय सीमा के भीतर सफलतापूर्वक और पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न किया जाए। इसके लिए सभी आवश्यक संसाधनों और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा चुका है। डिजिटल प्रणाली के माध्यम से यह प्रक्रिया न केवल तेज होगी, बल्कि इससे त्रुटियों की संभावना भी कम होगी, जिससे एक सटीक और विश्वसनीय डेटा तैयार किया जा सकेगा।

जमशेदपुर में पारंपरिक कबूतरबाजी प्रतियोगिता, आसमान में दिखा रोमांच और जुनून का अनोखा संगम

समाज जागरण 30.04.2026
चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)
पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

जमशेदपुर शहर में गुरुवार को एक अनोखी और पारंपरिक कबूतरबाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसने शहरवासियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। सुबह से ही आसमान में उड़ते कबूतरों का दृश्य लोगों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बना रहा। प्रतियोगिता में शामिल कबूतरबाजों का उत्साह देखते ही बन रहा था, वहीं दर्शकों में भी इसे लेकर काफी उत्सुकता दिखाई दी।

कबूतर बाज क्लब द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में 30 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सभी कबूतरबाज अपने-अपने प्रशिक्षित कबूतरों के साथ मैदान में पहुंचे और निर्धारित समय पर प्रतियोगिता की शुरूआत हुई। सुबह 7 बजे कबूतरों को खुले आसमान में उड़ाया गया, जिसके साथ ही प्रतियोगिता का रोमांच शुरू हो गया।

इस प्रतियोगिता की खास बात यह रही कि इसमें कबूतरों की लगातार उड़ान को ही जीत का आधार बनाया गया। नियमों के अनुसार, जो कबूतर शाम 7 बजे तक बिना रुके आसमान में उड़ता रहेगा, उसे विजेता घोषित किया जाएगा। विजेता को 50 हजार का नगद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। वहीं जो कबूतर शाम 6 बजे वापस लौटेगा, उसे दूसरा स्थान मिलेगा, जबकि शाम 5 बजे लौटने वाले कबूतर को तीसरे स्थान से सम्मानित किया जाएगा।

प्रतिभागियों ने बताया कि इस प्रतियोगिता में शामिल कबूतर साधारण नहीं होते, बल्कि उन्हें विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। ये कबूतर लंबी अवधि तक उड़ान भरने में सक्षम होते हैं और अपनी दिशा पहचान कर वापस अपने मालिक के पास लौट आते हैं। इस खेल में धैर्य, कौशल और वर्षों के अनुभव की अहम भूमिका होती है।

कबूतरबाजों के अनुसार, यह परंपरा काफी पुरानी है और इसका ऐतिहासिक महत्व भी है। पुराने समय में राजा-महाराजा कबूतरों का उपयोग संदेशों के आदान-प्रदान के लिए करते थे। आज उसी परंपरा की झलक इस प्रतियोगिता के रूप में देखने को मिलती है, जो न केवल एक खेल है बल्कि सांस्कृतिक विरासत का भी प्रतीक है।

कबूतरों की देखभाल को लेकर भी विशेष ध्यान रखा जाता है। प्रतिभागियों ने बताया कि उन्हें पौष्टिक आहार दिया जाता है, जिसमें धान, बादाम और अन्य ऊर्जा देने वाले खाद्य पदार्थ शामिल होते हैं। इससे उनकी ताकत और सहनशक्ति बनी रहती है, जो लंबी उड़ान के लिए आवश्यक है।

इस प्रतियोगिता ने परंपरा, जुनून और रोमांच का एक अनूठा संगम प्रस्तुत किया है। पूरे दिन शहरवासियों की निगाहें आसमान पर टिकी रहीं और अब सभी को शाम तक परिणाम का इंतजार है, जब विजेता कबूतर और उसके मालिक का नाम घोषित किया जाएगा। यह आयोजन न केवल मनोरंजन का माध्यम बना, बल्कि शहर की सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूती प्रदान करता नजर आया।

कोवाली पंचायत सचिवालय बंद मिलने पर विधायक संजीव सरदार सख्त, कर्मियों पर कार्रवाई के निर्देश

समाज जागरण 30.04.2026
चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)
पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

पोटका विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजीव सरदार ने गुरुवार को क्षेत्र भ्रमण के दौरान कोवाली पंचायत सचिवालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्य दिवस होने के बावजूद पंचायत सचिवालय में ताला लटका मिला, जिससे व्यवस्था की गंभीर स्थिति उजागर हुई। मौके पर न तो प्रखंड स्तर का कोई कर्मचारी उपस्थित था और न ही अंचल कार्यालय से जुड़ा कोई कर्मी दिखाई दिया। इस स्थिति को देखकर विधायक ने तत्काल संज्ञान लिया और मौके से ही प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) अरुण कुमार मुंडा से फोन पर बातचीत कर पूरी जानकारी ली।

विधायक कोवाली पंचायत सचिवालय स्थानीय ग्रामीणों की लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर पहुंचे थे। ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि पंचायत सचिवालय अक्सर बंद रहता है, जिसके कारण उन्हें छोटे-छोटे कामों के लिए भी प्रखंड मुख्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं। प्रमाण के तौर पर जब विधायक स्वयं निरीक्षण करने पहुंचे तो पंचायत भवन बंद मिला, जिससे ग्रामीणों की शिकायतें सही साबित हुईं।

निरीक्षण के दौरान विधायक ने स्पष्ट कहा कि राज्य सरकार के निदेर्शानुसार प्रत्येक पंचायत सचिवालय में सप्ताह में कम से कम दो दिन पंचायत सचिव सहित अन्य कर्मियों की उपस्थिति अनिवार्य है। इसके लिए प्रखंड स्तर पर रोस्टर भी तय किया गया है, ताकि ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर ही सरकारी सेवाएं उपलब्ध हो सकें। इसके बावजूद कार्य दिवस पर सचिवालय बंद मिलना न केवल लापरवाही है, बल्कि यह प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विधायक ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया कि संबंधित कर्मचारियों से तत्काल स्पष्टीकरण लिया जाए और आवश्यक विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि केवल एक पंचायत ही नहीं, बल्कि क्षेत्र के अन्य पंचायत सचिवालयों में भी कर्मियों की नियमित उपस्थिति की निगरानी की जाए, ताकि इस प्रकार की लापरवाही दोबारा सामने न आए।

विधायक संजीव सरदार ने स्पष्ट रूप से कहा कि पंचायत स्तर पर सरकारी सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को अपने जरूरी कार्यों के लिए बार-बार प्रखंड मुख्यालय का चक्कर लगाना पड़े, यह पूरी तरह अस्वीकार्य है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि आगे भी पंचायतों का औचक निरीक्षण जारी रहेगा और जहां कहीं भी लापरवाही पाई जाएगी, वहां संबंधित कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस निरीक्षण के बाद स्थानीय ग्रामीणों में उम्मीद जगी है कि अब पंचायत स्तर पर व्यवस्थाओं में सुधार होगा और उन्हें अपने कार्यों के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। विधायक की इस सक्रियता को ग्रामीणों ने सराहा है और प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा जताई है।

मानगो पेयजल परियोजना बदइंतजामी की भेंट, 125 करोड़ की योजना पर संकट: सरयू राय

समाज जागरण 30.04.2026
चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)
पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने मानगो पेयजल परियोजना की वर्तमान स्थिति पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा है कि यह महत्वाकांक्षी योजना बदइंतजामी का शिकार होकर धीरे-धीरे दम तोड़ने की दिशा में बढ़ रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इसकी मरम्मत और समुचित रखरखाव की व्यवस्था शीघ्र नहीं की गई, तो ड्ट125 करोड़ से अधिक की लागत से तैयार यह परियोजना पूरी तरह ठप हो सकती है।

जारी बयान में राय ने कहा कि पुनः विधायक निर्वाचित होने के बाद करीब डेढ़ वर्ष पूर्व उन्होंने इस परियोजना की गहन समीक्षा की थी। इस दौरान मानगो नगर निगम, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अभियंताओं, विभागीय सचिव तथा परियोजना का संचालन कर रही एजेंसी के साथ कई दौर की बैठकें आयोजित की गईं। समीक्षा के बाद विभागीय सचिव द्वारा यांत्रिक एवं असैनिक अधीक्षण अभियंताओं की एक जांच समिति भी गठित की गई थी।

उन्होंने बताया कि सुधार की दिशा में कुछ कदम भी उठाए गए थे। इंटेकवेल, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और जल टंकियों के लिए नए मोटर पंपों की खरीद की गई। पृथ्वी पार्क स्थित बंद पड़ी पानी टंकी को चालू किया गया, जबकि बालीगुमा जल टंकी को चालू करने के लिए एनएच-33 पर बन रहे फ्लाईओवर के संदर्भ में आवश्यक एनओसी भी प्राप्त की गई। इसके साथ ही ट्रीटमेंट प्लांट से जल वितरण व्यवस्था में सुधार तथा मोहल्लों में बिछी पाइपलाइनों की खामियों को दूर करने का निर्णय लिया गया।

हालांकि, राय के अनुसार, इसी दौरान परियोजना के संचालन को पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से मानगो नगर निगम को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शुरू हुई, जिसके कारण अधिकांश सुधारात्मक कार्य धीमे पड़ गए। इसके बाद नगर निगम चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने से भी काम और प्रभावित हुआ।

राय ने कहा कि समीक्षा के दौरान एक गंभीर तथ्य सामने आया कि इंटेकवेल में लगभग 10 फीट तक बालू और मिट्टी जमा हो गई है, जिससे पानी खींचने की क्षमता काफी कम हो गई है। इस जमा सामग्री को हटाने का कार्य शुरू तो हुआ, लेकिन अभी भी लगभग 5 से 6 फीट तक बालू और मिट्टी वहां मौजूद है, जो परियोजना की कार्यक्षमता को प्रभावित कर रही है।

उन्होंने बताया कि 29 अप्रैल को उन्होंने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता तथा मानगो नगर निगम के उप नगर आयुक्त से इस मुद्दे पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को अवगत कराया कि नदी से इंटेकवेल तक पानी लाने वाले पाइपों में भी भारी मात्रा में बालू और मिट्टी जमा हो गई है। यदि इन पाइपों की समय रहते सफाई नहीं की गई, तो किसी भी दिन परियोजना का संचालन पूरी तरह बंद हो सकता है।

राय ने स्पष्ट किया कि इस तरह की समस्या का समाधान सामान्य तरीकों से संभव नहीं है। इसके लिए औद्योगिक स्तर की पाइप क्लीनिंग तकनीक और अनुभव रखने वाली विशेषज्ञ एजेंसी की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी सलाह पर कुछ महीने पहले मानगो नगर निगम ने एक सक्षम इंडस्ट्रियल पाइप क्लीनिंग एजेंसी से संपर्क कर कार्य का आकलन और प्राक्कलन तैयार कराया था, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पाइपों में जमा बालू और मिट्टी को जल्द नहीं हटाया गया, तो परियोजना कभी भी बंद हो सकती है और इस मद में लापरवाही अत्यंत घातक साबित होगी।

इसके अलावा, राय ने हाल ही में प्रकाशित एक समाचार का हवाला देते हुए कहा कि पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त द्वारा चांडिल डैम से स्वर्णरेखा नदी में पानी छोड़ने का निर्देश दिया गया है, ताकि नदी का जलस्तर बढ़ सके और प्रदूषण कम हो। इस पर उन्होंने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि इस प्रकार की जुगाड़ तकनीक से परियोजना को स्थायी रूप से नहीं चलाया जा सकता।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों से इस विषय पर बात करते हुए कहा कि तकनीकी समाधान के बजाय अस्थायी उपायों पर ध्यान देना दुर्भाग्यपूर्ण है। राय के अनुसार, विभागीय कार्यपालक अभियंता का दृष्टिकोण भी तकनीकी समाधान के बजाय जुगाड़ पर आधारित प्रतीत हुआ, जो चिंता का विषय है।

अंत में, राय ने कहा कि पिछले डेढ़ वर्ष के प्रयासों के बाद वे इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि मानगो पेयजल परियोजना के संचालन में समन्वय और जिम्मेदारी का अभाव है। उन्होंने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि इस परियोजना की स्थिति ह्लएक अंधा दूसरे अंधे को राह दिखा रहा हैह्व जैसी हो गई है।

उन्होंने सरकार और संबंधित विभागों से तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की है, ताकि इस महत्वपूर्ण परियोजना को बचाया जा सके और मानगो क्षेत्र के लोगों को नियमित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके।

पहाड़ी सड़कों को सुरक्षित बनाने पर केंद्रित कार्यशाला में बोले गडकरी, भूस्खलन रोकथाम पर जोर

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में "सुदृढ़ पहाड़ी सड़कों के लिए भूस्खलन शमन उपाय" विषयक कार्यशाला को संबोधित किया। इस अवसर पर केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री अजय टम्टा, श्री हर्ष मल्होत्रा तथा वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। श्री नितिन गडकरी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जटिल भू-भाग, ढलान की अस्थिरता और भूस्खलन, बादल फटने तथा भूकंप जैसी आवर्ती प्राकृतिक आपदाओं के कारण भूगर्भीय रूप से नाजुक हिमालयी क्षेत्र में जलवायु-सहिष्णु सड़क अवसंरचना का विकास करना एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं और उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाकर इस दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

मंत्री महोदय ने जानकारी दी कि प्रमुख पहलों में उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश में भूस्खलन के विशेष उपचार हेतु टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन, भू-जोखिम शमन हेतु रक्षा भू-सूचना अनुसंधान संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन और सुरंग एवं गलियारा परियोजनाओं के लिए भूगर्भीय जांच एवं डेटा साझाकरण हेतु भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के साथ समझौता ज्ञापन शामिल हैं। राष्ट्रीय रॉक मैकेनिक्स संस्थान के साथ सहयोग भू-तकनीकी जांच, डिजाइन सत्यापन, सुरंग सुरक्षा ऑडिट, उपकरण निगरानी और क्षमता निर्माण पर केंद्रित है। उन्होंने आगे कहा कि पहाड़ी इलाकों में सड़क निर्माण शुरू करने से पहले ढलान स्थिरीकरण को प्राथमिकता देने का नीतिगत निर्णय लिया गया है, ताकि दीर्घकालिक सुरक्षा और स्थायित्व सुनिश्चित किया जा सके। वास्तविक समय निगरानी प्रणालियों का उपयोग करके पहाड़ी ढलानों की अस्थिरता पर दिशानिर्देश विकसित करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की को भी सहायता प्रदान की जा रही है।

झारखंड में CISCE रिजल्ट का जलवा: जमशेदपुर की शांभवी ने 100% अंक के साथ देश में किया टॉप, कोल्हान के छात्रों का भी शानदार प्रदर्शन

समाज जागरण 30.04.2026
चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)
पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

झारखंड में इस वर्ष काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशंस (CISCE) के परीक्षा परिणामों ने शिक्षा जगत में नई ऊर्जा भर दी है। खासकर जमशेदपुर और कोल्हान क्षेत्र के छात्रों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से पूरे राज्य को गौरवान्वित किया है। 10वीं और 12वीं दोनों ही कक्षाओं में विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय सफलता हासिल कर यह साबित कर दिया है कि झारखंड के छात्र राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रहे हैं।

12वीं (ISC) परीक्षा में जमशेदपुर स्थित सैक्रेड हार्ट कान्वेंट स्कूल की छात्रा शांभवी तिवारी ने इतिहास रचते हुए 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। इस असाधारण उपलब्धि के साथ उन्होंने न केवल राज्य बल्कि पूरे देश में पहला स्थान हासिल किया है। शांभवी की इस सफलता से उनके परिवार, विद्यालय और पूरे शहर में हर्ष और गर्व का माहौल है। शिक्षकों के अनुसार, शांभवी शुरू से ही मेधावी छात्रा रही हैं और उन्होंने कड़ी मेहनत, अनुशासन और स्पष्ट लक्ष्य के बल पर यह मुकाम हासिल किया है।

शहर के शिक्षाविदों का मानना है कि शांभवी की यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी। उनके इस प्रदर्शन ने यह भी दिखाया है कि अगर समर्पण और सही मार्गदर्शन मिले, तो छोटे शहरों के छात्र भी राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान हासिल कर सकते हैं।

SHAMBHAVI TEWARI
10.02.2026

वहीं, 10वीं (ICSE) के परिणामों में भी कोल्हान क्षेत्र के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है। जमशेदपुर के लोयोला स्कूल के छात्र वेदांग वत्सल और टेल्को स्थित एलएफएस (लॉयला फ्लोरेंस स्कूल) के छात्र अहान राय ने 99.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर राज्य में संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल किया है। इनके साथ ही पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा स्थित संत जेवियर इंग्लिश स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के छात्र चितेश सरकार ने भी 99.2 प्रतिशत अंक लाकर राज्य टॉपर का गौरव प्राप्त किया है।

इन छात्रों की सफलता से यह स्पष्ट है कि कोल्हान क्षेत्र में शिक्षा का स्तर लगातार ऊंचा हो रहा है। विद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक वातावरण, योग्य शिक्षकों का मार्गदर्शन और छात्रों की मेहनत ने इस उपलब्धि को संभव बनाया है। अभिभावकों ने भी अपने बच्चों के प्रदर्शन पर खुशी जताते हुए इसे गर्व का क्षण बताया है।

शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि झारखंड में पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिले हैं। आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का उपयोग, डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता और प्रतिस्पर्धात्मक माहौल ने छात्रों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया है।

जमशेदपुर और कोल्हान क्षेत्र के इस शानदार प्रदर्शन ने पूरे राज्य का मान बढ़ाया है। यह उपलब्धि न केवल छात्रों की मेहनत का परिणाम है, बल्कि शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यालयों के सामूहिक प्रयास का भी प्रमाण है। आने वाले समय में भी इसी तरह की सफलताएं झारखंड को शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगी।

भुवनेश्वर में राष्ट्रीय डेटा शिखर सम्मेलन आयोजित, बेहतर शासन के लिए प्रशासनिक आंकड़ों के सुसंगत उपयोग पर जोर

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में 29-30 अप्रैल 2026 को राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और अन्य हितधारकों के साथ "शासन के लिए प्रशासनिक आंकड़ों को सुसंगत बनाना" विषय पर डेढ़ दिवसीय राष्ट्रीय विचार-विमर्श शिखर सम्मेलन का आयोजन किया। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य प्रशासनिक आंकड़ों को सुसंगत बनाने के लिए कार्य योजनाओं और समय-सीमाओं पर आम सहमति बनाना था ताकि सामान्य मानकों को अपनाया जा सके और बेहतर नीति निर्माण एवं शासन के लिए अंतर-संचालनीय प्रणालियों को सक्षम बनाया जा सके।

इस सम्मेलन में 31 से अधिक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों, शोधकताओं और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों/शैक्षणिक संस्थानों/निजी संगठनों आदि के तकनीकी विशेषज्ञों सहित लगभग 300 हितधारक एकत्रित हुए। ओडिशा के उप मुख्यमंत्री श्री कनक वर्धन सिंह देव ने राष्ट्रीय विचार-विमर्श शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर क्षमता विकास आयोग की अध्यक्ष श्रीमती एस. राधा चौहान; सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन सचिव डॉ. सौरभ गर्ग; और विकास आयुक्त-सह-एसीएस ओडिशा सरकार श्री देवरंजन कुमार सिंह सहित कई विशिष्ट गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

प्रारंभ में, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में महानिदेशक (डेटा गवर्नेंस) पीआर मेश्राम ने विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों का हार्दिक स्वागत किया और इस बात पर जोर दिया कि सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय प्रभावी निर्णय लेने के लिए सुसंगत आंकड़ा प्रणाली की दिशा में राज्यों के प्रयास का समर्थन करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

बैठक के संदर्भ को स्पष्ट करते हुए, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) में सचिव डॉ. सौरभ गर्ग ने आंकड़ों के प्रति सकारात्मक और खुले दृष्टिकोण को अपनाने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण पर बल दिया। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में डेटा के बीच अलगाव को खत्म करने और पारदर्शी, मानकीकृत और परस्पर संचालन योग्य आंकड़ों को बढ़ावा देने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने सुशासन और सामाजिक-आर्थिक परिणामों को बेहतर बनाने के लिए संरचित आंकड़ा साझाकरण पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी बताया कि राष्ट्रीय लेखा प्रणाली 2025 के तहत, आंकड़ों को अब एक आर्थिक संपत्ति के रूप में मान्यता दी गई है।

अपने उद्घाटन भाषण में, ओडिशा के उप मुख्यमंत्री श्री कनक वर्धन सिंह देव ने इस बात पर जोर दिया कि आंकड़े समय की आवश्यकता हैं, और प्रधानमंत्री के विजन - विकसित भारत @2047 और ओडिशा के 2036 लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, विशेष रूप से कृषि और ऊर्जा के क्षेत्र में, आंकड़ा-आधारित नीति निर्माण के माध्यम से इसके महत्व को रेखांकित किया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आंकड़ों का उपयोग पारदर्शिता और आवश्यक गोपनीयता के बीच संतुलन बनाए रखते हुए जिम्मेदारी से किया जाना चाहिए।

क्षमता विकास आयोग की अध्यक्ष सुश्री राधा चौहान ने इस बात पर जोर दिया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की पूरी क्षमता का लाभ उठाने के लिए, प्रौद्योगिकी और संगठनात्मक अनुकूलन, इन दो प्रमुख स्तंभों पर संतुलित ध्यान केंद्रित करते हुए शासन और सेवा वितरण दोनों को मजबूत करना जरूरी है। इसके लिए मौजूदा प्रक्रियाओं पर पुनर्विचार और उनमें सुधार की आवश्यकता है, जो अक्सर आंकड़ों को एआई-अनुकूल बनाने में बाधा उत्पन्न करती हैं। ओडिशा सरकार के विकास आयुक्त-सह-अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) देव रंजन कुमार सिंह ने समय पर आंकड़ों की उपलब्धता और विश्लेषण द्वारा समर्थित उपयोगी जानकारियों की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि जमीनी स्तर पर सुलभ आंकड़ों की कमी प्रभावी निर्णय लेने में चुनौतियां पैदा करती है। शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के अवसर पर, "डेटा डिविडेंड" पर एक वीडियो प्रदर्शित किया गया, जिसमें सम्मेलन के विषय का सार प्रस्तुत किया गया। साथ ही, एमओएसपीआई ने अपना प्रकाशन "भारत में महिला और पुरुष 2025: चयनित संकेतक और आंकड़े" जारी किया। इसमें भारत में महिला-पुरुष परिदृश्य का व्यापक अवलोकन है, जिसमें जनसंख्या, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक भागीदारी और निर्णय लेने जैसे प्रमुख क्षेत्रों में चयनित संकेतक और आंकड़े प्रस्तुत किए गए हैं। ये संकेतक और आंकड़े विभिन्न मंत्रालयों/विभागों/संगठनों से प्राप्त किए गए हैं।

पहले दिन (29 अप्रैल, 2026) को शिखर सम्मेलन के विषय पर विचार-विमर्श के लिए समर्पित किया गया, जिसमें पैनल चर्चा सहित चार सत्र शामिल थे। सत्र की शुरूआत राज्यों की प्रस्तुतियों से हुई, जिसमें एकीकृत प्लेटफार्मों, सामान्य पहचानकताओं और अंतरसंचालनीय, एपीआई-आधारित प्रणालियों के माध्यम से प्रशासनिक आंकड़ों को सुसंगत बनाने के लिए की गई पहलों को प्रदर्शित किया गया। केरल ने एक एकीकृत बहु-विभागीय डिजिटल परितंत्र का प्रदर्शन किया; महाराष्ट्र ने एक एकीकृत राज्य व्यापार रजिस्टर; असम ने आधार-सक्षम एकीकरण के साथ अपनी डेटा नीति 2026; बिहार ने एक एआई-संचालित डेटा लैब पोर्टल और दिल्ली ने अभिलेखों को राष्ट्रीय मेटाडेटा संरचना (एनएमडीएस) 2.0 के अनुरूप मशीन-पठनीय प्रारूपों में परिवर्तित करने वाले डेटा अनलॉक मॉडल को प्रस्तुत किया। चचाओं में बहु-स्रोत परितंत्र के माध्यम से प्रशासनिक आंकड़ों को सुसंगत बनाने के लिए एक रोडमैप पर भी ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें डेटा साइलो, अंतर-संचालनीयता अंतराल और डेटा गुणवत्ता जैसी समस्याओं का समाधान किया गया। योजना में कुशल, एकीकृत प्रणालियों को सक्षम बनाने के लिए एनएमडीएस 2.0, मानकीकरण, सामान्य पहचानकर्ता, मेटाडेटा और एपीआई-आधारित डेटा साझाकरण जैसी पहलों पर जोर दिया गया है। डेटा सुसंगत दिशानिर्देशों और परितंत्र विकास पर एक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें डेटा सामंजस्य और प्रभावी डेटा-संचालित शासन के लिए मजबूत शासन ढांचे, स्केलेबल प्लेटफॉर्म, क्षमता विकास और निरंतर डेटा गुणवत्ता आश्वासन पर निर्मित एक मजबूत परितंत्र की आवश्यकता पर बल दिया गया। चचाओं में शासन के लिए डेटा के पुनः उपयोग का लाभ उठाने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें फ्रेमवर्क, अंतरसंचालनीयता प्लेटफॉर्म और तमिलनाडु की डेटा लिंकेज पहल जैसे वास्तविक दुनिया के अनुभव और डीपीडीपी अधिनियम, 2023 पर अंतर्दृष्टि, डेटा सामंजस्य के लिए प्रौद्योगिकी समाधान शामिल थे।

दूसरे दिन (30 अप्रैल 2026) कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य डेटा संरचना की नींव को मजबूत करना था, जिसमें मेटाडेटा मानक, डेटा मॉडलिंग, नॉलेज ग्राफ, डेटा गुणवत्ता और कैटलॉगिंग शामिल थे, ताकि संरचित और पुनः प्रयोज्य डेटासेट तैयार किए जा सकें। इसी आधार पर, प्रभाव सत्र में एआई-सक्षम डेटा एक्सेस और माइक्रोडाटा एनालिटिक्स पर प्रकाश डाला गया। आगे की राह के रूप में, उच्च स्तरीय पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें पैनल ने कहा कि डेटा सुसंगतता एक पुनरावर्ती और दीर्घकालिक प्रक्रिया है जिसके लिए निरंतर राजनीतिक प्रतिबद्धता, संस्थागत स्वामित्व और समन्वित कार्रवाई की जरूरत है। मौजूदा डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना की ताकत का लाभ उठाते हुए, चरणबद्ध, लचीले और संदर्भ-विशिष्ट दृष्टिकोण को अपनाकर, राज्य धीरे-धीरे एकीकृत डेटा परितंत्र का निर्माण कर सकते हैं जो शासन दक्षता, पारदर्शिता और नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण को बढ़ावा देता है।

शिखर सम्मेलन के समापन सत्र में ओडिशा सरकार की मुख्य सचिव श्रीमती अनु गर्ग ने शिरकत की। उन्होंने अपनी सांख्यिकी प्रणाली को मजबूत करने के ओडिशा सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला, जिनमें 600 से अधिक सांख्यिकी कर्मियों की भर्ती, डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम के अनुरूप डेटा नीति 2.0 का क्रियान्वयन, डेटा प्रसार नीति और एक गतिशील सांख्यिकी वेब पोर्टल आदि शामिल हैं।

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता का नया अध्याय

बलदिया हाट हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का राष्ट्रीय गुणवत्ता मूल्यांकन सम्पन्न

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

30 अप्रैल। ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करने की दिशा में किशनगंज जिला लगातार प्रगति कर रहा है। इसी क्रम में बलदिया हाट हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) के तहत मूल्यांकन सम्पन्न हुआ।

राष्ट्रीय स्तर के अधिकृत एसेसर डॉ. कैप्टन सुनील शबरवाल एवं डॉ. काकुली

सिन्हा ने केंद्र का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान ओपीडी सेवाओं, दवा भंडारण एवं वितरण, प्रयोगशाला व्यवस्था, साफ-सफाई, संक्रमण नियंत्रण, बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन, मरीज संतुष्टि तथा अभिलेख संधारण की गहन समीक्षा की गई।

निरीक्षण में पाया गया कि केंद्र में हाल के समय में कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। मरीजों के लिए बेहतर प्रतीक्षालय, सेवाओं की स्पष्ट जानकारी, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता तथा डिजिटल रिकॉर्ड के अद्यतन रखने जैसी व्यवस्थाएँ सराहनीय पाई गईं। हालांकि, कुछ प्रक्रियाओं में और सुधार के सुझाव भी दिए गए।

जिला गुणवत्ता आश्वासन समिति की सदस्य सुमन सिन्हा ने कहा कि केंद्र की टीम ने गुणवत्ता सुधार के लिए सराहनीय कार्य किया है और यह राष्ट्रीय प्रमाणीकरण के लिए एक मजबूत दावेदार है।

सिविल सर्जन डॉ. राज कुमार चौधरी ने बताया कि राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणीकरण केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि सेवाओं में सतत सुधार की प्रक्रिया है। इसका उद्देश्य हर नागरिक को सुरक्षित, मानकीकृत और विश्वसनीय स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है। जिलाधिकारी विशाल राज ने कहा कि जिले के सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करना प्रशासन की प्राथमिकता है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और भरोसा दोनों मजबूत हों।

चालों का महाकुंभ: किशनगंज में सजेगी बुद्धि की बिसात

सर्वत्र शतरंज टूर्नामेंट 3 मई को 51 हजार इनामी राशि दांव पर

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

तेजी से बदलते सामाजिक और तकनीकी परिवेश में, जहां युवाओं की निर्भरता डिजिटल माध्यमों पर लगातार बढ़ रही है, वहीं बौद्धिक खेलों का महत्व और अधिक प्रासंगिक हो गया है। शतरंज ऐसा ही एक खेल है, जो न केवल मानसिक संतुलन और एकाग्रता को विकसित करता है, बल्कि तार्किक क्षमता, रणनीतिक सोच और निर्णय लेने की दक्षता को भी सुदृढ़ करता है। इसी क्रम में सीमांचल का किशनगंज जिला शतरंज के क्षेत्र में अपनी पहचान मजबूत करने की दिशा में अग्रसर है।

अंतरराज्यीय स्तर पर होगा मुकाबला।

किशनगंज चेस क्लब के तत्वावधान में आगामी 3 मई 2026 को ह्यसर्वत्र शतरंज किशनगंज फिडे रैपिड रेटिंग टूर्नामेंटह्न का आयोजन किया जाएगा। यह एक दिवसीय प्रतियोगिता बिहार चेस एसोसिएशन एवं ऑल इंडिया चेस फेडरेशन से मान्यता प्राप्त

है, जिससे इसे राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर का महत्व प्राप्त हुआ है।

प्रतियोगिता में अब तक 100 से अधिक खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। इनमें बिहार के साथ-साथ पश्चिम बंगाल, झारखंड, असम और सिक्किम के प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल हैं, जिससे यह आयोजन अंतरराज्यीय स्तर का रूप ले चुका है।

अनुभवी और नए खिलाड़ियों को समान अवसर

इस टूर्नामेंट की प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें रेटेड एवं अनरेटेड दोनों प्रकार के खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। इससे अनुभवी खिलाड़ियों को अपनी रेटिंग में सुधार का अवसर मिलेगा, वहीं नए खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में अपने कौशल को निखारने का अवसर प्राप्त होगा।

क्लब के सचिव सुबेंधू चक्रबर्ती ने बताया, आयोजन का मुख्य उद्देश्य जिले में शतरंज को बढ़ावा देना और स्थानीय प्रतिभाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करना है। इस प्रकार के आयोजन युवाओं में बौद्धिक क्षमता के विकास के साथ-साथ सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना को भी प्रोत्साहित करते हैं।

आकर्षक पुरस्कार और आवश्यक जानकारी

कुल इनामी राशिः 51 हजार रुपए

पंजीकरण की अंतिम तिथिः 1 मई 2026

स्थानः श्री जैन तेरापंथ भवन, कैलटैक्स चौक, किशनगंज

रिपोर्टिंग समयः प्रातः 09:00 बजे

प्रथम राउंडः प्रातः 10:00 बजे

आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि प्रतियोगिता में सीटों की संख्या सीमित है, इसलिए इच्छुक प्रतिभागियों से समय सीमा समाप्त होने से पूर्व पंजीकरण कराने की अपील की गई है।

बौद्धिक खेलों को मिलेगा बढ़ावा

यह आयोजन केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि किशनगंज में बौद्धिक खेलों की संस्कृति को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे न केवल स्थानीय प्रतिभाओं को मंच मिलेगा, बल्कि जिले की पहचान भी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर सशक्त होगी। स्पष्ट है कि 3 मई को सजेगी यह बिसात केवल खेल नहीं, बल्कि रणनीति, धैर्य और प्रतिभा का उत्सव होगी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर महिलाओं का विरोध मार्च

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

कोचाधामन प्रखंड के मोहमारी पंचायत अंतर्गत डेरामारी गांव में गुरुवार (30 अप्रैल 2026) को नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित नहीं होने के विरोध

में सैकड़ों महिलाओं ने विरोध मार्च एवं प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम गोपाल मोहन सिंह (जिलाध्यक्ष) की उपस्थिति में तथा वीणा देवी (मंडल अध्यक्ष सह विधानसभा प्रत्याशी) की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस दौरान महिलाओं ने कड़ी धूप में स्थानीय शिव मंदिर प्रांगण, मोहमारी से वामनगांव तक पैदल मार्च कर अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की।

प्रदर्शन में जिला महामंत्री पंकज कुमार साहा, जिला सोशल मीडिया प्रभारी सुबोध माहेश्वरी, युवा मोर्चा के जिला महामंत्री शिवम साहा सहित पार्वती देवी, सीता पासवान, वसंती पासवान, गोनी देवी, सोनी देवी, लता देवी, लखवीर देवी, अनीता देवी, मीरा देवी समेत सैकड़ों महिलाएं उपस्थित रहीं। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से नारी शक्ति वंदन अधिनियम को शीघ्र पारित करने की मांग की।

नगर पंचायत नबीनगर में शोक सभा कर दी श्रद्धांजलि, पार्षदों ने मांगी सुरक्षा

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)भागलपुर जिले के सुल्तानगंज नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी कृष्ण भूषण की हत्या की खबर से नगर पंचायत नबीनगर में शोक की लहर दौड़ गई।

गुरुवार को नगर पंचायत कार्यालय में नगर अध्यक्षा प्रियंका सिंह की अध्यक्षता में शोक सभा आयोजित कर दिवंगत कार्यपालक पदाधिकारी को श्रद्धांजलि दी गई। शोक सभा में नगर अध्यक्षा प्रियंका सिंह के साथ अन्य वार्ड पार्षद और नगर पंचायत के कर्मी मौजूद रहे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर मृत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान कार्यालय का कामकाज भी कुछ देर के लिए स्थगित रखा गया।श्रद्धांजलि सभा के बाद पार्षदों ने गहरी चिंता जताई। पार्षदों ने कहा कि एक कार्यपालक पदाधिकारी की हत्या होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है। नगर निकायों में काम करने वाले पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि लगातार दबाव में काम करते हैं। कई बार विकास कार्यों और अतिक्रमण हटाने को लेकर असामाजिक तत्वों का विरोध झेलना पड़ता है।पार्षदों ने सरकार से मांग की कि सभी कार्यपालक पदाधिकारियों और नगर निकाय के जनप्रतिनिधियों को समुचित सुरक्षा मुहैया कराई जाए। नगर अध्यक्षा प्रियंका सिंह ने कहा कि यह घटना पूरे नगर निकाय परिवार के लिए आघात है। एक ईमानदार अधिकारी की हत्या से सभी स्तब्ध हैं।शोक सभा में अध्यक्ष प्रतिनिधि बिपिन सिंह, पार्षद मुरारी सिंह, अजय प्रसाद,आरती देवी,इंदल सिंह,विकास कुमार,दुबे जी,खंजर राणा, दीपक प्रसाद,राहुल रावत, श्रीकांत तिवारी,उदय गुप्ता सहित अन्य कर्मी मौजूद थे।

पटना के पालीगंज में बजरंगबली प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकाली गई शोभा यात्रा

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के पियरपुरा थाना अंतर्गत गौसगंज बाजार में नव निर्मित हनुमान मंदिर में बजरंगबली की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शोभा यात्रा निकाली गई।

जानकारी के अनुसार पटना जिले के पियरपुरा थाना अंतर्गत गौसगंज बाजार में ग्रामीणों के सहयोग से भव्य हनुमान मंदिर का निर्माण कराई गई है। जिसमे बजरंगबली की प्रतिमा भी स्थापित की गई है। जिसमे प्राण प्रतिष्ठा को लेकर गुरुवार को श्रद्धालुओ ने शोभा यात्रा निकाला। इस दौरान सैकड़ो श्रद्धालुओ ने अपने सिर पर कलश लेकर बाजे गाजे के साथ जय श्रीराम जय हनुमान का नारे लगाते हुए सिगोड़ी थाने के समदा गांव स्थित पुनपुन नदी घाट पहुंचा। जहां पंडितों ने पूरे बिधि विधान के साथ जलभरी कराया। वहां से पुनः श्रद्धालुओ ने सिर पर कलश लेकर गौसगंज स्थित मंदिर के प्रांगण में पहुंचे। जहां पंडितों ने मंत्रोच्चारण के साथ पूजा पाठ की शुरूआत कराया। कार्यक्रम में विशेष भूमिका निभा रहे पूर्व सैनिक सहजानन्द यादव ने बताया कि शुक्रवार को अखंड कीर्तन की शुरूआत की जाएगी। वही शनिवार को विशेष रूप से पूजा पाठ की जाएगी। जबकि रविवार को हवन व स्थापना के बाद भंडारे की शुरूआत की जाएगी।

किशनगंज में नया सवेरा 2.0 के तहत बड़ी कार्रवाई, 2 महिलाओं का रेस्क्यू, 6 गिरफ्तार

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

किशनगंज पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान नया सवेरा 2.0 के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मानव तस्करी व अनैतिक गतिविधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाया है।

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निर्देशन में बुधवार को बहादुरगंज थाना क्षेत्र के प्रेम नगर इलाके में पुलिस उपाधीक्षक (साइबर) के नेतृत्व में छापेमारी की गई। इस दौरान दो पीड़ित महिलाओं को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया, जिनमें एक पश्चिम बंगाल की निवासी है।

छापेमारी के क्रम में हेना, सलमा एवं मनु आरा के ठिकानों से आपत्तिजनक सामग्री व उपकरण बरामद किए गए। वहीं मौके से पांच ग्राहकों सहित कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में मनु आरा (40 वर्ष), उमेश कुमार (19 वर्ष), राम कुमार (18 वर्ष), गफ्फार आलम (56 वर्ष), अकाली शेख (35 वर्ष) एवं सरकुल आलम (25 वर्ष) शामिल हैं।

इस संबंध में बहादुरगंज थाना कांड संख्या 290/2026, दिनांक 29 अप्रैल 2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (BNS) एवं अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस द्वारा मामले की आगे की जांच जारी है।

रेस्क्यू की गई महिलाओं का चिकित्सीय परीक्षण कराया जा रहा है तथा उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया चल रही है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि नया सवेरा 2.0 अभियान के तहत मानव तस्करी, बाल श्रम एवं देह व्यापार जैसे अपराधों के विरुद्ध आगे भी लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मॉर्निंग वॉक पर निकले अधेड़ को पिकअप ने रौंदा, मौके पर मौत, तोल गांव में पसरा मातम

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नबीनगर थाना क्षेत्र के तोल गांव में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। मॉर्निंग वॉक पर निकले लगभग 55 वर्षीय अधेड़ को एक तेज रफ्तार पिकअप ने कुचल दिया। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान तोल गांव निवासी सनोज कुमार गुप्ता के रूप में हुई है।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सुबह करीब 5:30 बजे सनोज गुप्ता रोज की तरह टहलने निकले थे। नबीनगर कोइरीडीह मुख्य पथ पर बैरिया गांव मोड़ के पास ही पीछे से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वे सड़क पर गिर पड़े

और गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोग तुरंत दौड़े और उन्हें जीवित समझकर रेफरल अस्पताल नबीनगर ले गए। वहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।घटना की सूचना पर नबीनगर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद शव का पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिया।हादसे की खबर मिलते ही तोल गांव में मातम पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने बताया कि सनोज गुप्ता गांव में किराना व्यवसाय कर परिवार चलाते थे। हादसे के बाद पिकअप चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया। थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार उपाध्याय ने बताया कि अज्ञात पिकअप चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। स्थानीय लोगों से पूछताछ के आधार पर वाहन की तलाश की जा रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नबीनगर में फरार आरोपी के घर डुगडुगी बजाकर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)नबीनगर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फरार चल रहे आरोपी के घर डुगडुगी बजाकर इश्तेहार चस्पा किया। आरोपी धर्मेंद्र कुमार नबीनगर रोड रेलवे स्टेशन का निवासी है, जो लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बाहर चल रहा है।पुलिस ने बताया कि जितेंद्र कुमार के खिलाफ नबीनगर थाना में मामला दर्ज है। कोर्ट में हाजिर नहीं होने पर न्यायालय ने उसके खिलाफ इश्तेहार जारी करने का आदेश दिया था। इसी आदेश के आलोक में नबीनगर थाना

पुलिस टीम ने आरोपी के घर पहुंची। पुलिस ने पहले पूरे मोहल्ले में डुगडुगी बजवाई और मुनादी कराई। इसके बाद आरोपी के घर के मुख्य दरवाजे पर इश्तेहार चस्पा किया गया। इश्तेहार में आरोपी को तय समय-सीमा के भीतर कोर्ट में सरेंडर करने का निर्देश दिया गया है। ऐसा न करने पर उसके खिलाफ कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की जाएगी।

थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार उपाध्याय ने बताया कि आरोपी कई समन के बाद भी कोर्ट में हाजिर नहीं हो रहा था। लगातार फरार रहने के कारण यह कार्रवाई की गई है। पुलिस ने स्थानीय लोगों को भी आरोपी के बारे में जानकारी देने की अपील की है। इश्तेहार चस्पा के दौरान काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर मौजूद रहे। पुलिस का कहना है कि कानून से भागने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पटना के दानापुर में निमार्णाधीन दीवार गिरने से दो की मौत

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के दानापुर में बुधवार शाम क्षेत्र में आए भीषण आंधी-तूफान और बारिश ने एक हृदयविदारक हादसे को अंजाम दिया। रूपसपुर थाना क्षेत्र के रुकनपुरा देवी स्थान के पास एक निमार्णाधीन इमारत की छठी मंजिल की दीवार गिर जाने से दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है।मृतकों की पहचान तिलक नगर निवासी त्रिभुवन प्रसाद सिंहा (73 वर्ष) और रुकनपुरा निवासी अनीता देवी (45 वर्ष) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दोनों मृतक बुधवार शाम पैदल अपने घर लौट रहे थे। इसी बीच अचानक आए तूफान के कारण निमार्णाधीन भवन (स्वामित्वः नंद किशोर सिंह) की ऊपरी मंजिल की दीवार भरभराकर नीचे आ गिरी। मलबे की चपेट में आने से दोनों की मौके पर ही स्थिति गंभीर हो गई और अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय निवासियों ने भवन निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई थी, जिसके कारण तेज हवा का दबाव दीवार सहन नहीं कर सकी। रूपसपुर थाना प्रभारी शशि भूषण सिंह ने बताया कि पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। प्रशासन इस बात की भी पड़ताल कर रहा है कि क्या निर्माण कार्य में लापरवाही बरती गई थी। इस घटना ने शहर में निमार्णाधीन इमारतों की सुरक्षा और प्रशासनिक निगरानी पर एक बार फिर बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा कर दिया है। फिलहाल, घायल व्यक्ति का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है, जहाँ उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

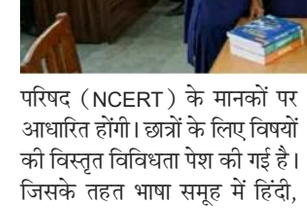

बिहार में राजस्व कर्मियों की एक महीने लंबी हड़ताल समाप्त, काम पर लौटेंगे कर्मचारी

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार में पिछले एक महीने से राजस्व कार्यों को ठप करने वाली राजस्व अधिकारियों और कर्मचारियों की सामूहिक हड़ताल अंततः समाप्त हो गई है। कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों और विभागीय सचिव जय सिंह के बीच हुई सकारात्मक वार्ता के बाद यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इस समझौते से राज्य में भूमि और राजस्व संबंधी कार्यों के पुनः सुचारु होने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। संघ के प्रतिनिधियों के अनुसार, सरकार ने उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करने का ठोस आश्वासन दिया है। जनहित को सर्वोपरि रखते हुए कर्मचारियों ने हड़ताल वापस लेने का फैसला किया। घोषणा की गई है कि राज्य के सभी अंचल और राजस्व

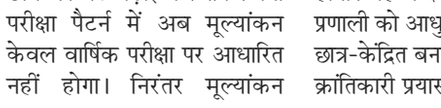

कर्मचारी अगले 24 घंटों के भीतर अपने कार्यस्थलों पर योगदान देंगे। हड़ताल के कारण पिछले एक महीने से दाखिल-खारिज (म्यूटेशन), नामांतरण और विभिन्न प्रमाण पत्र जारी करने जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं पूरी तरह बाधित थीं। हालांकि सरकार ने वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर प्रखंड विकास पदाधिकारियों (BDO) को जिम्मेदारी सौंपी थी और सख्त रुख अपनाते हुए कुछ अधिकारियों को निलंबित भी किया था, लेकिन जनता की परेशानियां कम नहीं हुई थीं। लंबित मामलों के अंबार को देखते हुए प्रशासन अब 'विशेष अभियान' चलाने पर विचार कर रहा है। विभाग का लक्ष्य है कि एक महीने से रुकी हुई फाइलों का निपटारा युद्धस्तर पर किया जाए ताकि आम लोगों को और इंतजार न करना पड़े। कर्मचारी संघ ने स्पष्ट किया है कि वे अब पूरी निष्ठा के साथ लंबित कार्यों को पूरा करेंगे। इस निर्णय से न केवल प्रशासनिक गतिरोध दूर हुआ है, बल्कि हजारों भू-स्वामियों और आवेदकों ने राहत की सांस ली है। अब सबकी नजरें सरकार द्वारा किए गए वादों के क्रियान्वयन पर टिकी हैं।

पटना पीएमसीएच का डिजिटल अवतार

मई से पूरे परिसर में मिलेगी हाई-स्पीड वाई-फाई सुविधा

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता

पटना/ बिहार का सबसे बड़ा अस्पताल, पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच), अब आधुनिक और हाई-टेक होने की दिशा में बड़ा कदम उठा रहा है। मरीजों को बेहतर और त्वरित सेवाएं देने के लिए अस्पताल प्रशासन मई के दूसरे सप्ताह से नए भवन परिसर में मुफ्त वाई-फाई सुविधा शुरू करने जा रहा है। अस्पताल में लंबे समय से जारी इंटरनेट की समस्या को खत्म करने के लिए भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) द्वारा लीज लाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया गया है। राज्य सरकार की मंजूरी के बाद इस परियोजना पर लगभग 40 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं। वाई-फाई सेवा शुरू होने से

अस्पताल के प्रत्येक तल पर डॉक्टरों, कर्मचारियों और मरीजों को तेज गति का इंटरनेट उपलब्ध होगा।अस्पताल प्रशासन का मुख्य उद्देश्य पूरी कार्यप्रणाली को 'पेपरलेस' बनाना है। नई व्यवस्था के तहत मरीजों का पंजीकरण, जांच रिपोर्ट और इलाज का पूरा विवरण एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगा। मरीजों को अब भारी-भरकम फाइलें लेकर घूमने या रिपोर्ट के लिए लंबी कतारों में लगने की जरूरत नहीं पड़ेगी। डॉक्टर एक क्लिक पर मरीज की पूरी मेडिकल हिस्ट्री देख सकेंगे, जिससे आपातकालीन स्थितियों में समय रहते इलाज संभव होगा। डिजिटल प्रणाली लागू होने से दवाओं के स्टॉक और मरीजों की संख्या की निगरानी आसान हो जाएगी, जिससे अस्पताल के कामकाज में पारदर्शिता आएगी। आने वाले समय में ऑनलाइन अपॉइंटमेंट और टेली-मेडिसिन जैसी सुविधाएं भी शुरू करने की योजना है। पीएमसीएच की यह पहल बिहार के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव साबित हो सकती है, जो सरकारी अस्पतालों के प्रति आम जनता का भरोसा और मजबूत करेगी।

बिहार में 11वीं-12वीं के छात्रों को 20 मई तक मिलेंगी नई पाठ्यपुस्तकें, बदलेगा परीक्षा पैटर्न

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार में नई शिक्षा नीति के तहत पहली बार 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए व्यापक बदलाव लागू किए जा रहे हैं। राज्य सरकार ने नए पाठ्यक्रम के अनुरूप विषयवार पुस्तकों की छपाई शुरू कर दी है। विभाग ने लक्ष्य रखा है कि आगामी 20 मई तक सभी छात्रों को नई किताबें उपलब्ध करा दी जाएं। शिक्षा विभाग के अनुसार, अब सभी भाषाओं और वैकल्पिक विषयों की पुस्तकें राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान

परिषद (NCERT) के मानकों पर आधारित होंगी। छात्रों के लिए विषयों की विस्तृत विविधता पेश की गई है। जिसके तहत भाषा समूह में हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू सहित कुल 12 भाषाएं शामिल हैं। वैकल्पिक विषय में विज्ञान, कला और वाणिज्य संकाय के 19 विषयों (जैसे भौतिकी, इतिहास, योग, कंप्यूटर विज्ञान आदि) को शामिल किया गया है। छात्रों को तीन अनिवार्य और एक वैकल्पिक विषय चुनने की आजादी होगी। शिक्षा प्रणाली को व्यावहारिक बनाने के लिए शिक्षण और परीक्षा के तरीकों में बड़ा बदलाव किया गया है। जिसके तहत डिजिटल लर्निंग में शिक्षकों द्वारा विषयों के व्याख्यान रिकॉर्ड किए जाएंगे, ताकि छात्र घर बैठे पढ़ाई कर सकें। नया परीक्षा पैटर्न में अब मूल्यांकन केवल वार्षिक परीक्षा पर आधारित नहीं होगा। निरंतर मूल्यांकन (CIE) को 60 अंकों का भार दिया गया है, जिसमें 31 अंक लिखित और 29 अंक मौखिक परीक्षा के होंगे। सत्र के अंत में 100 अंकों का मूल्यांकन अलग से होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि 'ग्रुप डिस्कशन' और व्यावहारिक मूल्यांकन की इस नई पहल से छात्रों के रटने की प्रवृत्ति कम होगी और उनके समग्र व्यक्तित्व का विकास होगा। यह कदम बिहार की शिक्षा प्रणाली को आधुनिक, लचीला और छात्र-केंद्रित बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी प्रयास माना जा रहा है।

बिहार के सरकारी स्कूलों में अब अनिवार्य होंगी लैब और लाइब्रेरी गतिविधियां

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार के माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए शिक्षा विभाग ने कमर कस ली है। जिला शिक्षा कार्यालय ने सभी प्रधानाध्यापकों को स्कूलों में सक्रिय, रचनात्मक और सहभागितापूर्ण माहौल बनाने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। हालिया निरीक्षण में संतोषजनक स्थिति न पाए जाने पर विभाग ने यह कड़ा रुख अपनाया है। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (माध्यमिक) सैफुर रहमान ने स्पष्ट किया है कि अब स्कूलों में प्रयोगशालाओं (LAbs) का उपयोग केवल दिखावे के लिए नहीं होगा। अब सप्ताह में कम से कम तीन दिन प्रयोगात्मक कक्षाएं आयोजित करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक विद्यालय में एक नोडल शिक्षक नियुक्त किया जाएगा, जो प्रयोगात्मक गतिविधियों का पूरा विवरण एक विशेष डायरी में दर्ज करेगा। छात्रों में पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए 'पठन क्लब' बनाए जाएंगे, जहाँ पाठ्यक्रम के अलावा समाचार पत्र और पत्रिकाएं भी उपलब्ध होंगी। नई व्यवस्था के तहत केवल व्याख्यान (Lectures) के बजाय समूह चर्चा, विज्ञान प्रदर्शनी, भूमिका निर्वहन (Role PlAy) और प्रोजेक्ट वर्क पर जोर दिया जाएगा। शिक्षकों को निर्देश दिया गया है कि वे छात्रों को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करें ताकि उनमें जिज्ञासा और समस्या समाधान की क्षमता विकसित हो सके।